भस्मासुर बन गई है एसआईआर.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

पहली बार ऐतिहासिक और सांस्कृतिक... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 170 | गाजियाबाद / मंगलवार 22 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

आईआईटी बॉम्बे के प्रो. सूर्यनारायण डूला सस्पेंड

- छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में बड़ा ऐक्शन
- डूला के ऊपर परिवार ने लगाए हैं उत्पीड़न के आरोप

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड के मामले में पहली बड़ी कार्रवाई सामने आई है। आईआईटी बॉम्बे ने मामले के तूल पकड़ने और छात्रों के प्रोटेस्ट के बीच आईआईटी बॉम्बे के डीन (प्रशासनिक मामले) प्रो. सूर्यनारायण डूला को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। आईआईटी बॉम्बे के डायरेक्टर शिरीष बी. केदारे ने कहा है कि जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। आईआईटी ने यह कार्रवाई 22 वर्षीय छात्र साहिल रवींद्र वाकोडे की हॉस्टल में सुसाइड और परिवार द्वारा जातिसूचक टिप्पणियां करने के आरोप के बाद की है। साहिल 18 सितंबर 2026 की शाम को संस्थान के हॉस्टल नंबर-4 में मृत पाया गया था।

आईआईटी डायरेक्टर का इस्तीफा नहीं- आईआईटी बॉम्बे ने साफ किया है कि छात्र साहिल वाकोडे के आत्महत्या करने के मामले में संस्थान के निदेशक ने इस्तीफा नहीं दिया है। दरअसल, कैंपस के मेन गेट पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने के लिए जब आईआईटी बॉम्बे को निदेशक शिरीष केदारे पहुंचे थे तो उन्होंने एक कागज पर दस्तखत किए थे। इसके बाद दावा किया गया था कि 21 सितंबर को इस्तीफा दे देंगे। आईआईटी बॉम्बे ने इस्तीफे के दावों का खंडन कर दिया है। आईआईटी बॉम्बे के दिवंगत छात्र साहिल वाकोडे के पिता रवींद्र वाकोडे की शिकायत पर मुंबई पुलिस के पवई थाने में एक एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें प्रो. सूर्यनारायण डूला पर जातिवादी टिप्पणियां करने के साथ उत्पीड़न का आरोप है। गौरतलब हो कि जब शुक्रवार को छात्र साहिल को मिड सेमेस्टर परीक्षा के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। तो उस वक्त पर डूला परीक्षा में बतौर इनविजिलेटर ड्यूटी कर रहे थे।

छात्रों ने किया था बड़ा प्रोटेस्ट

साहिल के हॉस्टल में सुसाइड करने के बाद कैंपन में बड़ा प्रोटेस्ट सामने आया था। इसके बाद निदेशक खुद छात्रों से मिलने पहुंचे थे। इसमें प्रो. सूर्यनारायण डूला को सस्पेंड करने की मांग भी शामिल थी। आईआईटी बॉम्बे को मिड सेमेस्टर परीक्षाएं भी रद्द करनी पड़ी थीं। साहिल वाकोडे से पहले दर्शन सोलंकी नाम के छात्र ने आईआईटी बॉम्बे में सुसाइड कर लिया था। दोनों मामलों में जातिगत टिप्पणियों और भेदभाव को कारण बताया जा रहा है। साहिल वाकोडे की मौत के बाद मुंबई पुलिस जांच कर रही है।

एमपी में अब रोबोट जांचेगा पानी और सीवर की लाइन

- भागीरथपुरा हादसे के बाद प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

भोपाल (एजेंसी)। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से 36 मौतों के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने पेयजल और सीवर लाइनों के घालमेल की जांच के लिए रोबोटिक निरीक्षण कराने का फैसला लिया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों को 70 से 900 मिमी व्यास वाली पानी और सीवर पाइपलाइनों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए चेन्नई की एक विशेषज्ञ एजेंसी को एम्पैनल किया गया है। एजेंसी 40 रुपए प्रति मीटर की दर से पाइपलाइनों की जांच करेगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने इसके लिए एक साल का एग्रीमेंट किया है।

15 से अधिक राज्यों में इस्तेमाल हो रही है यह तकनीक

मध्य प्रदेश इस तकनीक का इस्तेमाल पहली बार करने जा रहा है। नीति आयोग के फ्रंटियर टेक नेटवर्क की अगस्त 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित 15 से अधिक राज्यों में रोबोटिक पाइपलाइन निरीक्षण का इस्तेमाल हो रहा है।

बिना सड़क खोदे होगी मरम्मत

सीवर लाइन लीक होने से उसका पानी पेयजल लाइन में मिल गया था। अकेले भगीरथपुरा में ऐसे 260 पॉइंट्स मिले, जहां सीवर का पानी पेयजल में मिल रहा था। हादसे के बाद सरकार ने जीआईएस प्लेटफॉर्म 'गरुड़' से पूरे प्रदेश की मैपिंग कराई। इसमें मध्य प्रदेश में 2.30 लाख से अधिक ऐसे पॉइंट्स मिले, जहां सीवर और पेयजल पाइपलाइनें एक-दूसरे को क्रॉस कर रही हैं। यहां बिना सड़क खोदे मरम्मत की जाएगी। इनमें इंदौर में 30 हजार और भोपाल में 20 हजार से अधिक डेंजर क्रॉसिंग पॉइंट्स हैं, जहां सीवर का पानी पेयजल में मिलने का खतरा है। नगरीय प्रशासन विभाग ने इस काम के लिए 1.50 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत तय की है।

बिहार में छात्रा से बैड टच के बाद चढ़ा सियासी पारा!

राहुल गांधी का सरकार से सवाल-दो दिनों तक पुलिस क्या कर रही थी

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के जमुई जिले में 10वीं कक्षा के नाबालिग छात्र और छात्रा के साथ सड़क पर घेरकर की गई बदसलूकी, छेड़खानी और 'बैड टच' के सनसनीखेज मामले ने अब व्यापक सियासी तूल पकड़ लिया है। 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे कोचिंग के बाद फोटोशूट कराने गए मासूमों के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा की गई इस घिनौनी हरकत का वीडियो वायरल होने के बाद सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक भारी जनाक्रोश देखा जा रहा है। अब इस पूरे प्रकरण में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के सीधे हस्तक्षेप के बाद राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है, वहीं राज्य महिला आयोग ने भी मामले का स्वतः संज्ञान लेकर उच्चस्तरीय कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

मॉब जस्टिस बर्दाश्त नहीं, सत्ता पक्ष के नेताओं का फूटा गुस्सा

सरेराह नाबालिगों के साथ भीड़ तंत्र (मॉब जस्टिस) और दरिंदगी की इस घटना पर सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने भी कड़ा रुख अख्तियार किया है। जेडीयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने कड़े शब्दों में कहा कि बिहार में कानून का राज स्थापित है और यहां किसी भी कीमत पर सड़कों पर तालिबानी हुकूमत या मॉब जस्टिस की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेकर बेटियों के सम्मान से खिलवाड़ करने वाले किसी भी हाल में बच नहीं पाएंगे। वहीं, बीजेपी प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने घटना की तीखी भर्त्सना करते हुए कहा कि बेटियों की सुरक्षा और गरिमा पर हमला करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ऐसी नजीर पेश करेगी, जिसे देखकर कोई दोबारा ऐसी हिमाकत करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा।

दोबारा गिरफ्तारी के लिए मजिस्ट्रेट की मंजूरी जरूरी

- पुलिस को बताना होगा कारण, सुप्रीम कोर्ट ने तय किए नियम
- गिरफ्तारी की वजह नहीं बताई तो ऐक्शन गैरकानूनी कहलाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे गिरफ्तारी की वजह लिखित में बताना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी गैरकानूनी मानी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसी गिरफ्तारी के बाद व्यक्ति को रिहा कर दिया जाता है और जांच एजेंसी उसे दोबारा गिरफ्तार करना चाहती है, तो पुलिस सीधे उसे नहीं पकड़ सकती। इसके लिए पहले मजिस्ट्रेट से मंजूरी लेनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहली गिरफ्तारी में नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच होगी। दोबारा गिरफ्तारी की स्थिति में मामले की आगे की जांच किसी दूसरे अधिकारी को सौंपी जाएगी। कोर्ट ने ये टिप्पणियां शिरोमणि अकाली दल से जुड़े जसरकरनजीत सिंह की अपील पर कीं।

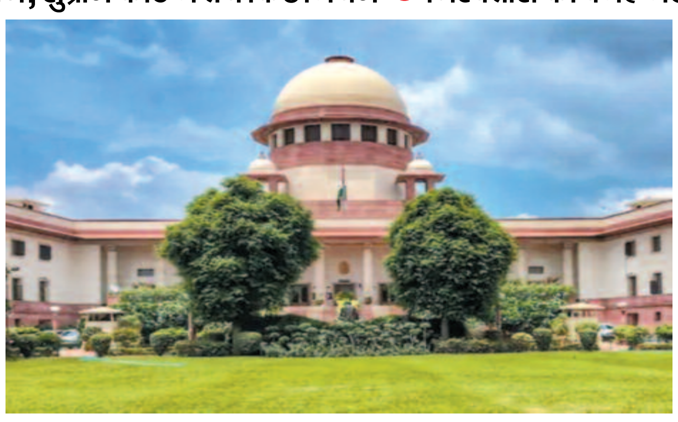

मजिस्ट्रेट को दोबारा गिरफ्तारी की वजह बतानी होगी

अगर अनुच्छेद 22(1) के उल्लंघन के कारण किसी व्यक्ति को रिहा किया जाता है और जांच एजेंसी को आगे की जांच के लिए उसकी हिरासत जरूरी लगती है, तो उसे दोबारा पकड़ने के लिए संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने अर्जी देनी होगी। अर्जी में दोबारा गिरफ्तारी की वजह और उसकी जरूरत बतानी होगी। साथ ही यह भी समझाना होगा कि पहली बार गिरफ्तारी के समय आरोपी को उसके कारण क्यों नहीं बताए गए थे। यह अर्जी आरोपी को गिरफ्तारी की वजह लिखित में देने के बाद ही दाखिल की जा सकेगी। कोर्ट ने कहा कि संविधान के जिस प्रावधान का पहली बार उल्लंघन हुआ, उसी के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार अधिकारी को दोबारा गिरफ्तारी का फैसला नहीं दिया जा सकता।

- **गिरफ्तारी की वजह समझ आने वाली भाषा में लिखित देनी होगी-** जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस अतुल चंद्रकुर की बेंच ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत आरोपी को गिरफ्तारी की वजह लिखित में बतानी होगी। यह जानकारी ऐसी भाषा में होनी चाहिए, जिसे आरोपी समझ सके। इसकी एक कॉपी भी उसे बिना किसी अपवाद के जल्द से जल्द देनी होगी। कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि व्यक्ति का मौलिक और वैधानिक अधिकार है।

गैरकानूनी गिरफ्तारी के बाद रिहाई जमानत नहीं

कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 22(1) के उल्लंघन के कारण अगर किसी व्यक्ति को रिहा किया जाता है, तो इसे जमानत पर रिहाई नहीं माना जाएगा। व्यक्ति को गैरकानूनी और असंवैधानिक हिरासत से मुक्त किया जाता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर संविधान के अनुच्छेद 22(2) का उल्लंघन हुआ हो और जांच एजेंसी रिहा किए गए व्यक्ति की हिरासत फिर चाहती हो, तो इसी तरह की प्रक्रिया अपनानी होगी। परिस्थितियों के आधार पर हाईकोर्ट सार्वजनिक कानून के तहत मुआवजा देने का निर्देश भी दे सकता है।

चार्जशीट दाखिल करने से गैरकानूनी गिरफ्तारी वैध नहीं होगी

कोर्ट ने कहा कि बाद में चार्जशीट दाखिल करने या कोर्ट के संज्ञान लेने से ऐसी गिरफ्तारी वैध नहीं हो जाएगी। अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी की वजह बताने का अधिकार गिरफ्तारी के समय ही पूरा करना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपी को यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए जाने से उसे कोई नुकसान हुआ। जब संविधान के अधिकार का उल्लंघन होता है, तो अलग से नुकसान साबित करने की शर्त नहीं लगाई जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 22(1) किसी एक कानून तक सीमित नहीं है। यह सामान्य अपराधों के साथ-साथ विशेष कानूनों के तहत हुई गिरफ्तारियों पर भी लागू होता है। कोर्ट ने इसे केवल प्रक्रिया या औपचारिकता मानने से इनकार किया।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को झटका

नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नागरिकता मिलने से तीन साल पहले 1980 में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश से इनकार करने वाले मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है। सोनिया गांधी पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय नागरिकता मिलने से तीन साल पहले, 1980 में जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाया था।

उपचुनाव से पहले थलपति विजय का चुनावी दांव

2 अक्टूबर से महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा स्कीम लॉन्च

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय दो सीटों के उपचुनाव की वोटिंग से पहले बड़ा दांव खेलेंगे। विजय ने दो अक्टूबर यानी गांधी जयंती के मौके पर बहुप्रतीक्षित महिलाओं और ट्रांसजेंडर के लिए बस में मुफ्त सफर की शुरुआत करेंगे। विजय की अगुवाई वाली टीवीके सरकार ने इस योजना को नया नाम दिया है। तमिलनाडु में मदुरंतकम और धारापुरम सीटों के उपचुनाव के लिए 6 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। विजय ने 24 अगस्त को तमिलनाडु विधानसभा में इस योजना का ऐलान किया था।

वोटिंग से पहले तीन बड़ी स्कीम- विजय इससे पहले 22 सितंबर यानी मंगलवार को पेरुन्थालाइवर कामराजार ब्रेकफास्ट स्कीम लांच करेंगे। पहले इसे मुख्यमंत्री नाश्ता योजना या कहा जाता था जिसे विजय सरकार ने बदल दिया है। इस विस्तारित योजना के तहत कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को शामिल किया जा रहा है। इसके बाद विजय 28 सितंबर 2026 को थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम यानी गोल्ड रिंग स्कीम शुरू करेंगे। इस योजना मुख्यमंत्री विजय के जन्मदिन 22 जून से प्रभावी माना गया है। इस योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु को 1 ग्राम सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी।

कर्नाटक विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने गाया पूरा वंदे मातरम

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा के 3 दिन के स्पेशल सेशन के पहले दिन सोमवार को वंदे मातरम को लेकर विवाद हो गया। विधानसभा में वंदे मातरम की रिकॉर्डिंग सिर्फ दो पैराग्राफ के बाद रोक दी गई। इसके बाद भाजपा विधायकों ने विरोध किया और बाकी के 4 पैरा खुद गाए। विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार ने सूखे की स्थिति और पश्चिमी घाट से जुड़ी कस्तूरीरंगन रिपोर्ट पर चर्चा के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पहले दो पैरा गाने का आदेश दिया है। इसी के तहत विधानसभा और विधान परिषद में रिकॉर्डिंग दो पैरा के बाद रोक दी गई थी। हालांकि, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की मौजूदगी वाले कार्यक्रमों में यह नियम लागू नहीं होगा।

कांग्रेस ने तय किया था- वंदे मातरम के दो पैरा गाए जाएंगे- इसी साल 9 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया था कि सभी सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के साथ 'वंदे मातरम' के सभी 6 पद गाए जाएं।

बंगाल में वोटर लिस्ट अपील पर मंडराया संकट, उठ रहे गंभीर सवाल

37 लाख अपीलों पर फैसला होने में बीत जाएंगे 12 साल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए लाखों लोगों के लिए मतदान के अधिकार को वापस पाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित अपीलीय ट्रिब्यूनल में मामलों के निपटारे की मौजूदा रफ्तार को देखें तो सभी लंबित आवेदनों का फैसला होने में 12 साल से भी अधिक (लगभग 146 महीने) का समय लग सकता है।

पांच महीनों में 1.25 मामलों का हुआ निपटारा

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल एक हलफनामे के अनुसार, अप्रैल के मध्य से लेकर अब तक पिछले पांच महीनों में ट्रिब्यूनल ने केवल 1,26,194 मामलों का निपटारा किया है। यानी ट्रिब्यूनल सातों दिन काम करते हुए भी हर महीने औसतन 25,238 मामलों का ही फैसला कर पा रहा है। 16 सितंबर तक ट्रिब्यूनल के पास कुल 37,05,235 मामले लंबित थे। मामलों के विशाल अंबार और मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की सीमाओं को देखते हुए बदलाव होगा।

डिजिटल सुनवाई करने की अनुमति की मांग

इसके अलावा, आयोग ने यह प्रस्ताव भी रखा है कि न्यायिक अधिकारियों को घर से काम (वर्कफ्रॉम होम) करने और डिजिटल सुनवाई करने की अनुमति दी जाए। इससे अधिकारियों के आने-जाने का समय बचेगा और अपीलों के निपटारे की प्रक्रिया में तेजी आएगी। एक अन्य हलफनामे में चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि इन ट्रिब्यूनल का गठन सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के तहत किया गया है। इनके काम-काज को नियंत्रित करने वाली मानक संचालन प्रक्रिया कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार की गई है। यदि ट्रिब्यूनल की संख्या नहीं बढ़ाई गई, तो लाखों पात्र नागरिक अगले कई चुनावों में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने से वंचित रह सकते हैं।

राजस्थान के 5 निगमों के तय हुए नए महापौर

4 में भाजपा की जीत और एक में कांग्रेस ने लहराया परचम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान निकाय चुनाव 2026 के अंतर्गत प्रदेश की 5 प्रमुख नगर निगमों में महापौर (मेयर) पदों के लिए हुए कड़े और रोमांचक मुकाबलों के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। राजनीतिक शह-मात और क्रास वोटिंग के बीच भारतीय जनता पार्टी ने 4 नगर निगमों में बाजी मारी है, जबकि कांग्रेस ने 1 नगर निगम में अपना बोर्ड बनाकर परचम लहराया है। अजमेर नगर निगम चुनाव में सबसे बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। 37 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से चूक गई। भाजपा (32 सीटें) ने निर्दलीयों के बूते सेंधमारी करते हुए 43 मत हासिल किए और भाजपा की अनामिका शर्मा ने कांग्रेस की किरण गड़वाल को हरा दिया।

पटना में कलयुगी बेटे ने मां को जिंदा जलाया, खुद को बताया भगवान

पटना (एजेंसी)। पटना में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ दीवान मोहल्ले में एक बेटे पर अपनी 60 वर्षीय माँ को जिंदा जलाकर मार डालने का आरोप है। मृतका की पहचान मंजू देवी के रूप में हुई है। आरोपी बेटा, चिंटू कुमार, जो ऑटो रिक्शा चलाता है, कथित तौर पर नशे का आदी है। आरोप है कि नशे की हालत में उसने अपनी माँ को घर के अंदर ही आग के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक मंजू देवी की मौत हो चुकी थी। जब पुलिस आरोपी चिंटू को गिरफ्तार करने पहुंची, तब आरोपी ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट भी की, लेकिन आखिरकार आरोपी को काबू किया गया। गिरफ्तारी के बाद भी उसकी हरकतें असामान्य थीं, वह पुलिस के सामने खुद को भगवान बताकर कह रहा था कि उसने ही अपनी माँ को मारा है। पुलिस ने मंजू देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आरोपी चिंटू कुमार से गहन पूछताछ कर रही है और इस खौफनाक हत्या के पीछे की सही वजह के साथ-साथ वारदात के समय सेवन किए गए नशे के प्रकार का भी पता लगाने में जुटी है।

ओडिशा पुलिस ने किया ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश

-1 करोड़ की धोखाधड़ी और 86 सिम जब्त

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा पुलिस ने बड़े अंतर-राज्यीय ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश कर छत्तीसगढ़ और झारखंड से इसके तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह पर लोगों को जमा राशि पर भारी रिटर्न का झूठा लालच देकर करीब 1 करोड़ की धोखाधड़ी करने का आरोप है। गंजाम जिले के छत्रपुर में साइबर पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए पालुरगढ़ से संचालित इस गिरोह के सदस्यों को दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान झारखंड के रामगढ़ के शत्रुघ्न कुमार पांडे (26) और छत्तीसगढ़ के धर्मदास माणिकपुरी (30) तथा जगदीश सेठी उर्फ सूरज (30) के रूप में हुई है। छत्रपुर साइबर पुलिस स्टेशन के इंचार्ज इंस्पेक्टर ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी एप चलाने और उन्हें बढ़ावा देने वाले एक गिरोह की सूचना मिलने पर एक घर पर छापा मारा गया। इस दौरान चार लोग मौजूद थे, जिनमें से दो भाग निकले और दो को मौके पर ही पकड़ा गया। शुरुआती पूछताछ में पकड़े गए लोगों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की और अन्य साथियों के नाम भी बताए, जिसके बाद शत्रुघ्न को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो लैपटॉप, एक क्रोमबुक, 78 एटीएम और अन्य कार्ड, 16 बैंक पासबुक, 14 स्मार्टफोन, 86 सिम कार्ड और एक बाइक सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। पुलिस ने जानकारी दी कि डिजिटल उपकरणों की जांच में कई ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी एप के इस्तेमाल का पता चला है, साथ ही भारी मात्रा में पैसों के लेन-देन के संकेत मिले हैं। पुलिस अब पैसों के पूरे लेन-देन, गिरोह के काम करने के तरीके और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए आगे की जांच और फॉरेंसिक विश्लेषण कर रही है।

आवारा पशु संबंधी एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की उस याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करने पर सोमवार को सहमति जताई जिसमें देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने के लिए उसे दिए गए निर्देश को चुनौती दी है। एनएचएआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष दलील दी कि न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने एनएचएआई को आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया था, जबकि यह जिम्मेदारी स्थानीय निकायों और प्रशासन की है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एनएचएआई को देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया गया है और प्राधिकरण के अनुमान के मुताबिक इसमें करीब 7,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा, हमारा पक्ष यह है कि यह काम स्थानीय जिला प्रशासन को करना चाहिए। हम इसे पूरे देश के स्तर पर नहीं कर सकते। उन्होंने एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की विशेष पीठ के पुनर्गठन का भी अनुरोध किया। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ से कहा, आवारा कुत्तों से जुड़ा एक मामला है।

दिल्ली की रोहिणी जेल में विचाराधीन कैदी की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की रोहिणी जेल में रविवार को एक विचाराधीन कैदी की हत्या कर दी गई। मृतक कैदी की पहचान प्रमोद के तौर पर हुई है, जिसे आर्म्स एक्ट के एक मामले में जेल भेजा गया था। बताया जा रहा है कि जेल के अंदर साथी कैदियों ने ही उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए प्रमोद को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भस्मासुर बन गई है एसआईआर प्रक्रिया, अपने ही नेताओं को ले रही चपेट में: खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोलकर कहा है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया एक दोषपूर्ण भस्मासुर बन गई है, जो अब अपने ही लोगों को भी चपेट में ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया भाजपा द्वारा वोट चोरी और लोकतंत्र को खत्म करने का हथियार है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि कांग्रेस जिस एसआईआर प्रक्रिया को पहले दिन से ही दोषपूर्ण बता रही थी, वह अब भस्मासुर बनकर सत्ताधारियों को अहसास करा रही है। यह प्रक्रिया बिहार से शुरू होकर अब दिल्ली तक पहुँच गई है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं को भी इसके तहत नोटिस जारी किए गए हैं, जिसमें पूर्व उपप्रधानमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मौजूदा विदेश मंत्री एस.जयशंकर, दिल्ली के उपराज्यपाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री जैसे नाम शामिल हैं। कांग्रेस नेता खरगे ने भारत रत्न से सम्मानित एक वैज्ञानिक और पूर्व नौसेना प्रमुख को भी इसतरह का नोटिस मिलने का जिक्र किया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पश्चिम बंगाल का हवाला देकर कहा कि वहां मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के 93 प्रतिशत मामलों में लोगों ने अपनी अपील पर जीत हासिल की है, जिससे 1.13 लाख से अधिक लोगों को फिर से सूची में शामिल किया जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस आधार पर इन लोगों का मताधिकार छीना गया था।

कांग्रेस नेता खरगे ने निर्वाचन आयोग की प्रेस विज्ञप्ति में वीआईपी/चिह्नित मतदाताओं के उल्लेख पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने पूछा, क्या भारत के सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार में वीआईपी मतदाताओं की कोई विशेष श्रेणी भी शामिल हो गई है? क्या संविधान का एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य का सिद्धांत अब बेमानी हो गया है? उन्होंने दावा किया कि एसआईआर के पहले तीन चरणों में 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 13.8 करोड़ मतदाता सूची से बाहर हो गए, जो कुल मतदाताओं का करीब 14.61 प्रतिशत है। खरगे ने तंज कसते हुए कहा, वीआईपी के लिए प्रेस विज्ञप्ति, करोड़ों आम मतदाताओं के लिए खामोशी।

चुनाव पैसे के दम पर लड़े जाते हैं, प्रचार करते हैं ऑडी और बीएमडब्ल्यू से

-सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने लगाए आरोप, राहुल गांधी का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि चुनाव पैसे के दम पर लड़े जाते हैं। उन्होंने हाल ही में हुए दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन चुनावों का हवाला देते हुए कहा कि प्रचार करने वाले लोग लग्ज़री कारों में आते हैं। हाल ही में सीजेपी के नेतृत्व में हुए जेन ज़ेड विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए छात्र संघ चुनावों में आरएसएस से जुड़ी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने सेंट्रल पैनल के चार में से तीन पदों पर जीत हासिल की। वहीं एनएसयूआई को एक भी पद नहीं मिला है। दिपके ने कहा कि चुनावों में सिर्फ़ पैसा ही काम आता है और कुछ नहीं। डीयू में प्रचार करने वाले लोग रॉल्स रॉयस गाड़ी में आते हैं, जिसकी कीमत करोड़ों रुपए होती है। वे ऑडी और बीएमडब्ल्यू BMW में आते हैं। तो वहां पैसा ही काम करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शैक्षणिक संस्थानों में नियुक्तियों और कामकाज पर विचारधारा का असर पड़ रहा है। उन्होंने इस मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बात का समर्थन किया। दिपके ने दावा किया कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर कुमुद शर्मा आरएसएस की विचारधारा से जुड़ी हैं और आरोप लगाया कि उनके पद संभालने के बाद से छात्रों के खिलाफ 50 से ज़्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं।

दिल्ली वोटर लिस्ट में बड़ा अपडेट: आडवाणी, जयशंकर सहित दिग्गजों को मिले नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चौंकाने वाले अपडेट सामने आए हैं। कई प्रमुख हस्तियों को उनकी मतदाता जानकारी में मिली विसंगतियों के चलते नोटिस भेजा गया हैं। इसमें पूर्व उप-प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस.जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और चुनाव आयुक्त एस.एस.संधू जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह प्रक्रिया ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद सत्यापन चरण के तहत चल रही है। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक 33.13 लाख से अधिक मतदाताओं को उनके प्रगणन फॉर्म में दर्ज जानकारी में गड़बड़ी के कारण नोटिस जारी किए हैं। इन गड़बड़ियों में से कई मामले हैं जहाँ वर्तमान जानकारी 2002 में हुए पिछले एसआईआर के दौरान दर्ज डेटा से मेल नहीं खाती। यह दर्शाता है कि लंबे समय से मतदाता रिकॉर्ड में अपडेट की आवश्यकता थी। पूर्व उप-प्रधानमंत्री आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को 2002 की एसआईआर सूची से नाम मेल न खाने के कारण नोटिस मिले हैं। वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर और उनकी पत्नी क्योको जयशंकर को भी पिछली एसआईआर सूची से मेल न खाने की श्रेणी में नोटिस भेजा गया है। पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश को उनके रिकॉर्ड में दर्ज सरकारी आवास के पते से संबंधित गड़बड़ी के लिए नोटिस दिए हैं। चुनाव आयुक्त संधू को उनके नाम में अंतर के कारण नोटिस मिला था, हालांकि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर ने स्पष्ट किया है कि संधू की प्रविष्टि पहले ही सत्यापित हो चुकी है और उनका नाम अंतिम सूची में शामिल किया जाएगा।

इस सूची में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, जेएनयू के पूर्व वीसी एम. जगदीश कुमार, नीति आयोग के पूर्व वाइस-चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया, सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद जैसे कई अन्य जाने-माने लोग भी शामिल हैं, जिन्हें मतदाता रिकॉर्ड में त्रुटियों के चलते नोटिस मिले हैं।

तीसरे मोर्चे की कवायद तेज: राष्ट्रीय स्तर पर डीएमके, यूपी में ओवैसी ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर गैर-बीजेपी और गैर-कांग्रेस दलों को साझा मंच पर लाने की कोशिशें अब तेज हुई हैं। इसमें आगामी विधानसभा चुनावों वाला उत्तर प्रदेश भी शामिल है। राष्ट्रीय स्तर पर तमिलनाडु की डीएमके पार्टी ने क्षेत्रीय राजनीतिक ताकतों से संपर्क साधना शुरु किया है। पार्टी की वरिष्ठ नेता कनिमोझी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले से बातचीत की है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दक्षिण भारत की कई अन्य पार्टियों से भी संपर्क साधा है, जिसका मुख्य उद्देश्य गैर-बीजेपी, गैर-कांग्रेस क्षेत्रीय ताकतों को एक मजबूत साझा मंच पर एकजुट करना है।

डीएमके की पहल तमिलनाडु के बदले हुए राजनीतिक समीकरणों की पृष्ठभूमि में सामने आई है। दरअसल, राज्य विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी ने अभिनेता थलपति विजय के नेतृत्व वाली टीवीके के साथ गठबंधन किया था। इस घटनाक्रम के बाद, डीएमके ने कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन को समाप्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। कांग्रेस और डीएमके के बीच अलगाव के बाद से ही तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी अब एक गैर-कांग्रेसी, गैर-बीजेपी गुट के गठन की तैयारी में जुट गई है, और इसी रणनीति के तहत कनिमोझी विभिन्न विपक्षी नेताओं से लगातार संवाद कर रही हैं।

वहीं, उत्तरप्रदेश में आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले इसी तरह की एक और कवायद जोरों पर है। एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद और यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य साझा राजनीतिक मंच बनाने पर गंभीर चर्चा कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार 27 सितंबर को लखनऊ में एक प्रेसवार्ता के दौरान गठबंधन की औपचारिक घोषणा की जा सकती है। इस संभावित गठबंधन में अपना दल (कमेरावादी) की प्रमुख पल्लवी पटेल को शामिल करने पर विचार हो रहा है।

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने हाल ही में पुष्टि की है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने गठबंधन संबंधी फैसले की घोषणा 2 अक्टूबर तक करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है और राज्य में मुसलमानों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम हो रहा है। ओवैसी ने सुझाव दिया कि विपक्षी दलों को मिलकर काम करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार उत्तर प्रदेश विधानसभा में पहुंचने में सफल होने वाले हैं और एआईएमआईएम एक जैसी सोच वाले राजनीतिक समूहों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

नहीं बनने देंगे भाजपा सरकार, किसी भी पार्टी से गठबंधन करने के लिए तैयार-ओवैसी

कानपुर । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम के सर्वेसर्वा असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार न बने, इसके लिए उनकी पार्टी किसी भी दल से गठबंधन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि गैर भाजपाई पार्टियों से गठबंधन के लिए बात चल रही है। दो अक्तूबर तक गठबंधन के लिए इंतजार कर रहे हैं। जिसके साथ गठबंधन होगा, उसी के साथ प्रदेश में एआईएमआईएम चुनाव लड़ेगी। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार रात में यहां बाबूपुरवा ईदगाह मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में मुसलमानों का विकास नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना बाबा, भइया कहकर दोनों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में मस्जिद और यहां बर्रा में कब्रिस्तान तोड़ना अराजकता है।

जनसुनवाई में 68 शिकायतें दर्ज, 32 का मौके पर निस्तारण

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जनपदवासियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 68 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 32 का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। जनसुनवाई में राजस्व, भूमि विवाद, बिजली, अतिक्रमण, जलभराव, पेयजल और राशन कार्ड सहित अन्य समस्याएं सामने आईं। सुरजीत सिंह निवासी बंजारेवाला ग्रंट ने गंभीर रूप से बीमार पत्नी के उपचार के लिए आर्थिक सहायता तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से मदद दिलाने की मांग की। आलम मीर निवासी जैनपुर मुबारिकपुर लक्सर ने राशन कार्ड बनवाने, बृजानंद शर्मा निवासी सीतापुर ने मतदाता पहचान पत्र में संशोधन कराने और सूरज कुमार ने कृषि भूमि की पैमाइश कराने की मांग रखी।

देवनगर के निवासियों ने वार्ड संख्या 12 में करीब 250 मीटर लंबी खराब सड़क का निर्माण कराने तथा सुरेंद्र सैनी ने डेंगू और स्वाइन फ्लू की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने का अनुरोध किया। रुहेला ने वृद्धावस्था पेंशन दोबारा शुरू कराने की मांग रखी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता और संवेदनशीलता के साथ समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिन मामलों में स्थलीय निरीक्षण आवश्यक है, उनमें संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से निरीक्षण कर समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों की भी समीक्षा हुई। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने 36 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान स्तर-1 की 290 और स्तर-2 की 84 शिकायतें लंबित पाई गईं। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कुंभ मेला-2027 के निर्माण कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं : आनंद स्वरूप

हरिद्वार (शिखर समाचार)। आयुक्त गढ़वाल मंडल आनंद स्वरूप ने रविवार देर शाम हरिद्वार भ्रमण के दौरान कुंभ मेला-2027 से जुड़े विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी निर्माण निर्धारित समयसीमा में पूरा करने तथा गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने सबसे पहले एडमिन रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और सड़क की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की जानकारी ली। इसके बाद चंडी चौक के समीप निमार्णाधीन बॉक्स कलवर्ट पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला-2027 की दृष्टि से एडमिन रोड और इससे जुड़े कार्य महत्वपूर्ण हैं, इसलिए पर्याप्त संसाधन एवं श्रमशक्ति लगाकर इन्हें समय पर पूरा किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित गुणवत्ता जांच के निर्देश भी दिए।

मंडलायुक्त ने अमरापुर घाट एवं साक्षी सतनाम घाट के निकट निमार्णाधीन नए घाटों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि घाटों का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। इसके अलावा उन्होंने गंग नहर की बंदी अवधि में प्रस्तावित कार्यों की तैयारियों की समीक्षा की और सामग्री, संसाधन तथा श्रमशक्ति की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करने को कहा। आनंद स्वरूप ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और गुणवत्ता से समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप मेलाधिकारी आकाश जोशी, नगर मजिस्ट्रेट हर गिरि, मनोज कुमार भट्ट, डीपी सिंह, प्रवीण कुश, योगेश कुमार और अनुभव नौटियाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विवाहेतर संबंध के विवाद में गोपाल की हत्या, दंपती गिरफ्तार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। दूधियाबंद बस्ती के पास जंगल में मिले अज्ञात पुरुष के शव की शिनाख्त के बाद हरिद्वार पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए एक दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हत्या विवाहेतर संबंध और महिला पर परिवार छोड़कर साथ आने के दबाव को लेकर हुई। मामले में फरार चल रहे दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लोहे का चापड़ भी बरामद किया है।

17 सितंबर की सुबह सिटी हरिद्वार कोतवाली क्षेत्र में दूधियाबंद बस्ती के पास जंगल में अज्ञात पुरुष का शव मिला था। मृतक के पास बिजनौर की बस का टिकट मिला था, लेकिन पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं था। पुलिस ने आसपास के थानों और सीमावर्ती जनपदों में टीम भेजकर पहचान के प्रयास किए। 20 सितंबर को हरिद्वार पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान गोपाल पुत्र उमाचरण निवासी नई बस्ती, आबकारी चौकी के पास, बिजनौर, उम्र 50 वर्ष के रूप में की। इसके बाद मृतक के बेटे आशु कुमार की तहरीर पर कोतवाली नगर हरिद्वार में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस के मुताबिक पूछताछ में सामने आया कि नरेन्द्र की बीमारी के उपचार के दौरान गोपाल का उसकी पत्नी से संपर्क हुआ और दोनों के बीच संबंध बन गए। गोपाल कथित तौर पर महिला पर परिवार छोड़कर साथ आने का दबाव बना रहा था। पुलिस के अनुसार महिला ने इसकी जानकारी अपने पति को दी।

इसके बाद नरेन्द्र ने अपनी पत्नी, भाई और गांव के एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर गोपाल को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार 16 सितंबर की रात महिला ने गोपाल को मिलने के लिए हरिद्वार बुलाया। वह उसे गंगा घाट ले गई। आरोप है कि गोपाल के शराब पीकर सो जाने के बाद वहां छिपे नरेन्द्र और अन्य आरोपियों ने चापड़ व चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद मोबाइल और पर्स गंगा में फेंक दिए गए। पुलिस ने 21 सितंबर को मोतीचूर रेलवे स्टेशन से नरेन्द्र और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

15 साल पुराने सुझावों को धरातल पर देख 79 वर्षीय बुजुर्ग बोले- थैंक यू नगर निगम

नगर आयुक्त ने शहर और पर्यावरण हित में लंबे समय से सक्रिय जयंत बाबूराव को सम्मानित किया

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर हित और पर्यावरण संरक्षण के लिए करीब 15 वर्ष पहले गाजियाबाद नगर निगम को दिए गए अपने सुझावों को धरातल पर साकार होते देख 79 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक जयंत बाबूराव नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से मिलने पहुंचे। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने नगर निगम द्वारा शहर में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए निगम का धन्यवाद किया। उनके उत्साह और शहर के प्रति निरंतर योगदान को देखते हुए नगर आयुक्त ने उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

कुत्तों में सूक्ष्म चिप लगाने से लेकर कचरा प्रबंधन तक की सराहना

लाजपत नगर, साहिबाबाद निवासी जयंत बाबूराव ने विशेष रूप से नंदी पार्क गोशाला की व्यवस्थाओं, निराश्रित कुत्तों में सूक्ष्म चिप लगाने और उनके टीकाकरण, घर-घर कूड़ा संग्रहण तथा कचरा पृथक्करण को लेकर प्रसन्नता जताई। उन्होंने बताया कि करीब 15 वर्ष पहले उन्होंने नगर निगम को निराश्रित कुत्तों में सूक्ष्म चिप लगाने, गीले कचरे से खाद बनाने तथा पर्यावरण और शहर हित से जुड़े अन्य विषयों पर सुझाव दिए थे। अब इन कार्यों को धरातल पर होते देखकर उन्हें खुशी हुई और इसी उद्देश्य से वह नगर आयुक्त को धन्यवाद देने पहुंचे।

विकास परियोजनाओं और जनजागरूकता अभियानों पर भी जताई खुशी

उन्होंने नगर निगम की खेल परिसर, जैव विविधता पार्क, सीएम ग्रिड चरण-दो सहित विभिन्न परियोजनाओं तथा कचरा पृथक्करण और गीले कचरे से खाद बनाने को लेकर चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियानों की भी सराहना की। नगर आयुक्त ने कहा कि शहरवासियों की सहभागिता से ही स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल गाजियाबाद का लक्ष्य पूरा किया जा सकता है।

नगर आयुक्त ने लोगों से कचरा पृथक्करण को बढ़ावा देने, प्लास्टिक मुक्त गाजियाबाद के अभियान में सहयोग करने तथा कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण की अवधारणा को अपनाने की अपील की। इस दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश और मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी मौजूद रहे।

दिशा की बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा, बलवा फ्लाईओवर का काम तेज करने के निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को सांसद चौधरी इकरा हसन की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सांसद ने विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने के निर्देश दिए। सांसद ने बलवा फ्लाईओवर के निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्य में तेजी लाने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाईओवर का निर्माण आगामी 18 माह में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किसानों के मुआवजे की समीक्षा में 98 प्रतिशत भुगतान होने तथा शेष दो प्रतिशत भुगतान की प्रक्रिया जारी होने की जानकारी दी गई। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान सभी विकासखंडों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना से आच्छादित करने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग को लंपी बीमारी की रोकथाम के लिए सतर्क रहने को कहा गया। बिना चारदीवारी वाले विद्यालयों में आवश्यक कार्रवाई, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था में सुधार तथा राशन संबंधी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन के तहत पेयजल समस्या वाले गांवों में शीघ्र समाधान कराने और बालिका विद्यालयों में किशोरी क्लब गठित करने को कहा गया। श्रम विभाग को योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर पात्र श्रमिकों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा में आयुष्मान कार्ड संबंधी समस्याओं के निस्तारण तथा अनधिकृत अल्ट्रासाउंड केंद्रों और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कांधला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रखी डायलिसिस मशीन को चालू कराने की मांग भी उठाई गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन, विद्युत और स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा हुई। जिलाधिकारी आलोक यादव ने सभी मुद्दों का प्राथमिकता से निस्तारण कराने का आश्वासन दिया। बैठक में एमएलसी वीरेंद्र सिंह, विधायक प्रसन्न चौधरी, विधायक नाहिद हसन, पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

निजामपुर कट पर शुरू हुआ 31 करोड़ का फ्लाईओवर निर्माण, हादसों पर लगेगा ब्रेक

900 मीटर लंबे थ्री-लेन फ्लाईओवर से जाम और आए दिन होने वाले हादसों से मिलेगी राहत, छह माह में पूरा करने का लक्ष्य

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर निजामपुर कट लंबे समय से हादसों और जाम का प्रमुख कारण बना हुआ था। अब यहां फ्लाईओवर बनने का रास्ता साफ हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने करीब 31 करोड़ रुपये की लागत से 900 मीटर लंबे तीन लेन वाले फ्लाईओवर का निर्माण शुरू करा दिया है। निर्माण कार्य को छह माह में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। फ्लाईओवर बनने के बाद हाईवे पर वाहनों के आवागमन में सुगमता आने के साथ निजामपुर कट पर होने वाले हादसों और जाम से भी राहत मिलने की उम्मीद है।

कट बंद होने से बदली यातायात व्यवस्था, पांच किलोमीटर अतिरिक्त दूरी

फ्लाईओवर निर्माण शुरू होते ही निजामपुर कट पर यातायात व्यवस्था में बदलाव कर दिया गया है। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कट को बंद कर दिया है। हापुड़ और पिलखुवा की ओर से दिल्ली जाने वाले वाहनों को बुलंदशहर रोड की तरफ डायवर्ट किया जा रहा है। वाहन चालकों को जेएमएस वर्ल्ड स्कूल के सामने से यू-टर्न लेकर दोबारा हाईवे पर पहुंचना पड़ रहा है। इसके चलते दिल्ली जाने वाले वाहन चालकों को करीब पांच किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

गलत दिशा में आने वाले वाहनों से होते थे हादसे

निजामपुर कट पर विशेष रूप से मुरादाबाद की ओर से आने वाले वाहन चालकों को फ्लाईओवर बनने के बाद राहत मिलने की उम्मीद है। यहां गलत दिशा से आने वाले वाहनों और तेज रफ्तार के कारण अक्सर हादसे होते रहे हैं। फ्लाईओवर बनने से वाहनों का आवागमन अधिक व्यवस्थित होने की संभावना है। फिलहाल पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि निर्माण कार्य के दौरान यातायात संकेतकों और पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करें तथा निर्धारित मार्ग से ही आवागमन करें, ताकि जाम और दुर्घटना की स्थिति से बचा जा सके।

17 हजार वर्ग मीटर की अवैध कॉलोनी पर जीडीए का बुलडोजर, निर्माणकताओं में मचा हड़कंप

बिना अनुमति बसाई जा रही थी कॉलोनी, सड़कें और बाउंड्रीवॉल तक खड़ी कर दी गई थीं

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मोदीनगर क्षेत्र में करीब 17 हजार वर्ग मीटर भूमि पर अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चला दिया। प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने मौके पर बनाई गई आरसीसी सड़कों, बाउंड्रीवॉल और प्लॉटिंग से जुड़े निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के बाद अवैध कॉलोनी विकसित करने वाले निर्माणकताओं में हड़कंप मच गया।

मिट्टी भराई कर सड़कों का निर्माण कराया जा रहा था

जीडीए के अनुसार ग्राम रोरी में मंगल विहार कॉलोनी के पीछे खसरा संख्या 922, 923 और 924 की करीब 17 हजार वर्ग मीटर भूमि पर बिना स्वीकृति कॉलोनी विकसित करने की तैयारी की जा रही थी। मौके पर सड़क निर्माण के लिए मिट्टी भराई का कार्य कराया जा रहा था। साथ ही आरसीसी सड़कें और बाउंड्रीवॉल बनाकर प्लॉटिंग की जा चुकी थी। प्राधिकरण ने इसे अनधिकृत निर्माण मानते हुए कार्रवाई की।

विरोध के बावजूद जारी रहा ध्वस्तीकरण अभियान

21 सितंबर को प्रभारी प्रवर्तन जोन-2 के नेतृत्व में जीडीए का प्रवर्तन दस्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा। कार्रवाई शुरू होते ही स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित कर दिया। इसके बाद अवैध निमार्णों को ध्वस्त करने की कार्रवाई जारी रखी गई। मौके पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा।

उपाध्यक्ष ने कहा, अवैध निर्माण पर नहीं होगी ढिलाई

जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना स्वीकृति विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन कर कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार आगामी माह में भी चिह्नित अवैध निमार्णों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। जीडीए ने लोगों से भी बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के विकसित की जा रही कॉलोनियों में भूखंड खरीदने से पहले आवश्यक दस्तावेज और स्वीकृतियां जांचने की अपील की है।

रोटरी क्लब के रक्तदान शिविर में 35 लोगों ने किया रक्तदान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। स्थानीय रोटरी क्लब की ओर से सोमवार को रोटरी भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 35 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्य अतिथि एवं मंडल गवर्नर पायल गौड़ ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, ऑपरेशन तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में रक्त की उपलब्धता किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती है। उन्होंने स्वस्थ लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

पायल गौड़ ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान समाज के लिए अमूल्य योगदान है। रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं होने के कारण इसकी आवश्यकता पूरी करने के लिए लोगों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया। शिविर के दौरान चिकित्सकीय टीम ने रक्तदाताओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच करने के बाद रक्त संग्रह किया। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि रोटरी क्लब समय-समय पर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता है और रक्तदान शिविर भी इसी सेवा भावना का हिस्सा है। संयोजक शुभम जैन, अलित जैन, गौरव जैन, विभु शर्मा और सुबोध जैन के अलावा क्लब अध्यक्ष अनिल गोयल, सचिव मनोज जैन सर्राफ, कोषाध्यक्ष अनुपम जैन सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने शिविर के संचालन में सक्रिय सहयोग किया। पदाधिकारियों ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए नगरवासियों और सामाजिक कार्यकताओं से भविष्य में भी रक्तदान जैसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

जाट आरक्षण की मांग को लेकर 4 अक्टूबर को होगा जाट महासम्मेलन

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति की ओर से जाट समाज को केंद्र की अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल कराने की मांग को लेकर आगामी 4 अक्टूबर को कस्बे के डीएवी इंटर कॉलेज परिसर में जाट महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समिति पदाधिकारियों की ओर से गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को कस्बे के एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित पत्रकार वार्ता में समिति के राष्ट्रीय संयोजक यशपाल मलिक ने कहा कि जाट समाज लंबे समय से केंद्र की अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल किए जाने की मांग करता आ रहा है। उन्होंने बताया कि आंदोलन के बाद तत्कालीन केंद्र सरकार ने 4 मार्च 2014 को जाट समाज को केंद्र की अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल किया था, लेकिन बाद में उच्चतम न्यायालय ने संबंधित अधिसूचना को रद्द कर दिया था। प्रदेश महासचिव वीरपाल राणा ने कहा कि इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाट समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर मांग पर विचार का आश्वासन दिया था। गृहमंत्री अमित शाह ने भी समाज के प्रतिनिधियों को दिल्ली बुलाकर इस संबंध में आश्वासन दिया था। पदाधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में जाट समाज को केंद्र की आरक्षण सूची में शामिल कराने का प्रतिवेदन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के समक्ष लंबित है। जाट महासभा बुढ़ाना के अध्यक्ष चमन सिंह ने बताया कि महासम्मेलन में सभी धर्मों के लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयोजन को सफल बनाने के लिए गांव-गांव प्रचार किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में प्रवीण राणा, रामफल सिंह पवार, राजबहादुर मलिक, ओमपाल सिंह चौधरी और जयकुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एसडीएम के आश्वासन पर भाजपा अध्यक्ष के विरोध का कार्यक्रम स्थगित

सहारनपुर (शिखर समाचार)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के मंगलवार को सहारनपुर आगमन के दौरान नागल बस अड्डे पर काले झंडे दिखाने का भारतीय किसान यूनियन रक्षक का कार्यक्रम उपजिलाधिकारी देवबंद विजय प्रताप सिंह के आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया। सोमवार दोपहर उपजिलाधिकारी विजय प्रताप सिंह भारतीय किसान यूनियन रक्षक के राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे और राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह सहित संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संगठन की ओर से रखी गई शिकायतों और मांगों को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाकर उनके समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद चौधरी वीरेंद्र सिंह ने मंगलवार को काले झंडे दिखाकर विरोध करने का निर्णय वापस ले लिया। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि राज्य राजमार्ग-59 नागल कस्बे के बस अड्डे से होकर गुजरता है, जिसके कारण यहां आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। बस अड्डे पर ओवरब्रिज का निर्माण कराने की मांग को लेकर संगठन लंबे समय से धरना-प्रदर्शन कर रहा है। संगठन का कहना है कि कई बार मांग उठाए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के दौरान विरोध करने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, उपजिलाधिकारी द्वारा समस्याओं के समाधान के लिए उच्चाधिकारियों के स्तर पर कार्रवाई कराने का आश्वासन दिए जाने के बाद विरोध कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम यादव, जितेंद्र चौधरी, बिल्लू त्यागी, गजेंद्र नौसरान, राहुल फौजी, वीरेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार, मोहित, अमरीश मास्टर और शीशपाल सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खादर क्षेत्र में ड्रोन से निगरानी, दो हजार लीटर लाहन नष्ट

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर थाना क्षेत्र के खादर इलाके में अवैध कच्ची शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ पुलिस तथा आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। ग्राम भोगपुर खदरी के जंगल में नदी किनारे चलाए गए अभियान के दौरान टीम ने ड्रोन से क्षेत्र की निगरानी करते हुए अवैध शराब के संभावित ठिकानों की तलाश की। कार्रवाई के दौरान मौके से करीब दो हजार लीटर लाहन बरामद हुआ, जिसे टीम ने मौके पर ही नष्ट कर दिया। अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में अवैध शराब के निष्कर्षण, बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। दुर्गम खादर क्षेत्र होने के कारण टीम ने ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी की, ताकि जंगल और नदी किनारे के इलाकों में चल रही अवैध गतिविधियों का पता लगाया जा सके। बताया गया कि खादर क्षेत्र में कच्ची शराब तैयार किए जाने की शिकायतें मिलती रही हैं। संयुक्त अभियान के दौरान पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने विभिन्न स्थानों पर जांच-पड़ताल की। लाहन नष्ट किए जाने के बाद टीम ने अवैध शराब तैयार करने वाले संभावित ठिकानों की भी तलाश की। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में काफी देर तक पुलिस और आबकारी विभाग की गतिविधियां जारी रहीं। अभियान का नेतृत्व बढ़ापुर थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार और आबकारी निरीक्षक देवेश कुमार ने किया। उपनिरीक्षक विकास कुमार समेत पुलिस और आबकारी विभाग के अन्य कर्मचारी अभियान में शामिल रहे। अधिकारियों ने अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रखने की बात कही है।

नहर किनारे रोती मिली तीन वर्षीय बच्ची, पुलिस ने परिजनों को तलाशकर किया सुपुर्द

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। मुनीम चौक के पास नहर किनारे सोमवार को करीब तीन वर्षीय बच्ची लावारिस हालत में रोती हुई मिलने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। बच्ची को अकेला देखकर स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोबरा-32 पर तैनात हेड कांस्टेबल सनी राज तोमर और अमित पवार मौके पर पहुंचे तथा बच्ची को अपने संरक्षण में लिया। पुलिसकर्मियों ने बच्ची को सुरक्षित रखने के साथ उसके परिजनों की जानकारी जुटाने के लिए प्रयास शुरू किए। पुलिस के प्रयासों से कुछ ही समय में बच्ची के परिजनों का पता लगा लिया गया। पुलिस के अनुसार बच्ची की पहचान मरियम पुत्री इकरामुद्दीन, निवासी मोहल्ला लुहारी सराय, नगीना के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने बच्ची को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्ची के परिजनों ने उसे सुरक्षित वापस पाने पर पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने भी पुलिसकर्मियों द्वारा तत्परता दिखाते हुए बच्ची को सुरक्षित संरक्षण में लेने और उसके परिजनों को तलाशकर सौंपने के कार्य की सराहना की। पुलिसकर्मियों की सक्रियता के चलते बच्ची को समय रहते सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाया जा सका। घटना के दौरान कुछ समय के लिए नहर के आसपास लोगों की भीड़ जुटी रही। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बच्ची के परिजनों ने राहत की सांस ली।

नाले और सड़क निर्माण को लेकर विवाद, महिलाओं ने एसपी से लगाई कार्रवाई की गुहार

शामली (शिखर समाचार)। कौशांबी विहार में नाले और सड़क निर्माण को लेकर चल रहे विवाद के बीच सोमवार को कॉलोनी की दर्जनों महिलाओं ने खाप चौधरियों के साथ पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह से मुलाकात कर शिकायत पत्र सौंपा। महिलाओं ने सभासद अनिल उपाध्याय पर निर्माण कार्य में बाधा डालने, अभद्रता और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। महिलाओं का कहना है कि कॉलोनी में करीब दो वर्षों से नाले की समस्या और जलभराव बना हुआ है। कई बार शिकायत किए जाने के बाद नाले और सड़क का निर्माण कार्य शुरू कराया गया था। आरोप है कि 19 सितंबर को सभासद ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न की। महिलाओं ने विरोध किया तो उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि मामले में पुलिस द्वारा एकतरफा कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने सभासद के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराने तथा कॉलोनी की महिलाओं को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। महिलाओं का आरोप है कि लंबे समय से जलभराव के कारण कॉलोनीवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और नाले तथा सड़क का निर्माण होने से समस्या का समाधान हो सकता है। वहीं, खाप चौधरियों ने मामले में निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में संदीप मलिक, जितेंद्र प्रधान, राजीव कुमार, वर्णित, हरेंद्र, रामनिवास, अनुज तोमर और सत्यव्रत कौशिक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दिव्यांग का खोखा हटाने के नोटिस पर दिव्यांगजनों का तहसील में धरना

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित गोविंदपुरी क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्ति को रोजगार के लिए रखे गए खोखे को हटाने का नोटिस दिए जाने के विरोध में दिव्यांगजनों ने सोमवार को तहसील मुख्यालय पहुंचकर उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि खोखा हटाकर दिव्यांग का रोजगार छीना गया तो तहसील मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। जानकारी के अनुसार बखरवा गांव निवासी दिव्यांग सचिन को दिव्यांगजन सहायक आयुक्त अंशुल चौहान की ओर से रोजगार के उद्देश्य से खोखा रखने की अनुमति दी गई थी। अनुमति मिलने के बाद सचिन ने गोविंदपुरी क्षेत्र में खोखा रखकर उसमें छोटे-मोटे सामान की बिक्री शुरू कर दी और इसी से अपने परिवार का गुजारा करने लगा। बताया गया कि किसी व्यक्ति ने खोखे को लेकर नगर पालिका परिषद में शिकायत कर दी। इसके बाद सोमवार को नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची और सचिन को खोखा हटाने का नोटिस जारी कर दिया। नोटिस मिलने की जानकारी पर दिव्यांग कल्याण समिति के अध्यक्ष राजकुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन तहसील मुख्यालय पहुंचे और उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अनुमति दी गई थी, ऐसे में खोखा हटाने से उसका रोजगार प्रभावित होगा। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उचित कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि खोखा हटाकर रोजगार छीना गया तो तहसील मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। उप जिलाधिकारी कोमल पवार ने प्रदर्शनकारियों को मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त समाचार

24 छात्राओं को लगाया गया एचपीवी टीका

लखनऊ, एजेंसी। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और किशोरियों में निवारक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए रविवार को गोमतीनगर स्थित प्रेरणा स्टडी हॉल में एचपीवी टीकाकरण व जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। रोटरी क्लब ऑफ राजधानी और रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ एलिगेंस के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की डॉ. शिप्रा नाथ ने समय पर एचपीवी टीकाकरण की उपयोगिता बताई। इस दौरान 24 छात्राओं को टीके लगाए गए। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. अजय गुप्ता, डॉ. बीएन यादव, नसीम और डॉ. विनय सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। समन्वय रोटेरियन अनिकेत आनी ने किया। इस मौके पर क्लब पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

तीज के रंग में रंगा रोटरी क्लब

वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी गंगा ने रविवार को मलदहिया के एक होटल में तीज महोत्सव मनाया। महोत्सव की थीम बरसो रे मेघा-मेघा मानसून रही। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी रीना गर्ग ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। सभी सदस्यों का स्वागत ऊषा जैन ने टीका लगाकर किया। गणेश वंदना की प्रस्तुति के साथ मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समूह की अंजु गोयल, जूली गुप्ता सुनीता अग्रवाल और ज्योति गुप्ता ने कजरी गीत चलो सखी-सखी देख आएं गौरा के सैया... पर प्रस्तुति दी। शालिनी वर्मा, अनीता जायसवाल और संपा सेन ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि रीना गर्ग ने कहा कि तीज ऐसा त्योहार है जो आपस में, परिवार में और सभी सदस्यों के बीच एक भारतीय संस्कृति की झलक पेश करता है। संचालन नीतू गुप्ता, शारदा अग्रवाल और सीता जायसवाल ने किया।

माया नगर में खड़ंजा-नाली नहीं, जलभराव से परेशानी

आगरा। माया नगर, जैतपुर के गुलशन, नाथूराम, दाताराम, विनय, अशोक कुमार, रिंकू, सुनीता देवी, रीना आदि ने एसडीएम बाह विनोद कुमार से इसकी शिकायत की। बताया कि बस्ती का रास्ता ऊबड़ खाबड़ एवं कच्चा है। घरों और बारिश का पानी गली में बहता है। नाली न होने की वजह से होने वाले जलभराव में आए दिन राहगीर फिसल कर गिर जाते हैं। नाथूराम के घर से अशोक फौजी के घर तक 80 मीटर लंबा खड़ंजा बनना है। ग्राम पंचायत ने मिट्टी डलवाई है। खड़ंजा न बनने से बस्ती के लोग परेशान हैं। एसडीएम ने बीडीओ के माध्यम से समस्या के समाधान कराने का आश्वासन दिया है।

देवछठ मेले में बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

अलीगढ़। खैर रोड स्थित सिद्धपीठ श्री खेरेश्वर धाम मंदिर परिसर में आयोजित देवछठ मेले के चौथे दिन रविवार को बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृष्ण लीला रासलीला का आयोजन हुआ। 50 से अधिक बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। पूर्व अध्यक्ष सत्यपाल सिंह और कालू राघव ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समिति पदाधिकारियों ने प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। शाम को आदर्श श्री गिरिराज कृष्ण प्रेम संस्थान, मथुरा के कलाकारों ने माखन चोर लीला का मंचन किया। इसके बाद रसिया दंगल में सत्तो शर्मा-उमेश शर्मा अतरौली और मुकेश शर्मा खिचो, हाथरस के अखाड़ों के बीच मुकाबला हुआ।

प्रतिभा सम्मान में 2000 लोगों ने दिया सामाजिक एकता का संदेश

वाराणसी। ओबीसी बनिया प्रतिभा सम्मान समारोह-स्नेह मिलन 2026 रविवार को आदमपुर क्षेत्र के जायसवाल कटरा में मनाया गया। इसमें करीब दो हजार लोग शामिल हुए। इसका मुख्य उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना और सामाजिक एकता को मजबूत करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ। इसके बाद सहस्त्रबाहु अर्जुन महाराज के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन किया गया। दोपहर तीन बजे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभावान लोगों को सम्मानित किया गया। इनमें डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, खिलाड़ी, गायक और सफल व्यवसायी शामिल थे। इंदिरा प्रमाल, सुशील जायसवाल, आलोक साह, स्वप्निल जायसवाल, प्रमोद जायसवाल और आशीष जायसवाल को सम्मानित किया गया। संचालन डॉ प्रमोद जायसवाल ने किया। आयोजक रमाकांत जायसवाल ने बताया कि समाज को विभिन्न उपनामों में बांटकर कमजोर करने का प्रयास किया गया है। यह मंच बनिया समाज को शिक्षा, साहित्य, खेल, प्रशासन और राजनीतिक क्षेत्रों में एकजुट करने का काम कर रहा है।

जीवन लंबा नहीं, अच्छे से जीवन महत्वपूर्ण : राजेश्वरी मोदी

वाराणसी। सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में रविवार को कुबेर का खजाना कार्यक्रम हुआ। इसमें मुंबई से आईं प्रेरक वक्ता राजेश्वरी मोदी ने खुशहाली के मंत्र दिए। कार्यक्रम में करीब 700 लोग शामिल हुए। नारायण रेकी सत्संग परिवार की ओर से आयोजित समारोह में राजेश्वरी मोदी ने कहा कि लंबा जीने के बजाय जीवन को अच्छे से जीना महत्वपूर्ण है। उन्होंने फूलों का उदाहरण देते हुए बताया कि वे अल्प समय में भी अपनी सुगंध छोड़ जाते हैं। राजेश्वरी मोदी ने मनुष्य जीवन को ईश्वर की सर्वोत्तम रचना बताया। उन्होंने वाणी के सदुपयोग पर जोर दिया। कहा कि झूठ, आत्म प्रशंसा, निंदा और दोषारोपण से बचना चाहिए। वाणी पर नियंत्रण ही असली कुबेर के खजाने तक ले जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, शंखध्वनि और रामनाम की माला के साथ हुआ। प्रांशु भालोटिया ने भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजक अनीता भालोटिया ने स्वागत किया। अर्पिता गोयल ने संचालन और अरविंद अग्रवाल ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर नेपाल, दिल्ली, मुंबई सहित कई शहरों से नारायण रेकी परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

12 करोड़ की लागत से सड़कों की कराई जाएगी मरम्मत

नवरात्र से पहले 48 किमी सड़कें होंगी गड्ढामुक्त

बरेली, एजेंसी। नवरात्र से पहले 12 करोड़ की लागत से शहर की 48.5 किमी लंबी सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। इसके लिए नगर निगम ने पैचवर्क के टेंडर फाइनल कर दिए हैं। काम को 10 अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

नगर निगम की तरफ से नवरात्र में नवदुर्गा पूजा पंडालों तक पहुंच मार्ग व मुख्य मार्गों को दुरुस्त कराने का निर्णय लिया गया है। बारिश की वजह से शहर की सड़कें जगह-जगह गड्ढे में तब्दील हो गई हैं। ऐसे में नगर निगम की 66 सड़कों को चिह्नित किया गया है। इनको गड्ढामुक्त कराया जाएगा।

चौकी चौराहा-जंक्शन मार्ग, जंक्शन-चौपुला मार्ग, चौपुला-पटेल चौक मार्ग, चौकी चौराहा-पटेल चौक, पटेल चौक-कोतवाली-नावल्टी चौराहा, चौपुला-बिहारीपुर पुलिस चौकी मार्ग, गांधी उद्यान-श्यामगंज पुल मार्ग, बियावानी-चौकी चौराहा मार्ग, 300 बेड अस्पताल-खुर्रम गौटिया मार्ग, आईवीआरआई रोड, सौ फुटा रोड, सर्किट हाउस रोड, कचहरी रोड, एसएसपी कार्यालय रोड, चौकी चौराहा-

लोहिया पार्क मार्ग, चौकी चौराहा-बरेली कॉलेज मार्ग, बानखाना रोड-कोहाड़ापीर मार्ग, शांति बिहार-बदायूं रोड-सिठौरा चौराहा मार्ग, इज्जतनगर थाना रोड-झूलेलाल द्वार मार्ग, आदिनाथ चौक-पीलीभीत बाइपास मार्ग, ताड़ीखाना रोड, पटेल चौक-सिकलापुर मंदिर मार्ग, हेड पोस्ट ऑफिस-बरेली होटल मार्ग, गुप्ता चौराहा-आईवीआरआई रोड और कार बाजार वाली रोड।

12 किमी नवीनीकरण व दो किमी विशेष मरम्मत के होंगे कार्य : नगर निगम की तरफ से 12 किमी सड़कों का नवीनीकरण कराया जाएगा। इसमें कंजादासपुर, आजमनगर से जीआईसी तक, अबरार अली राशन की दुकान से जागेश्वर धाम कॉलोनी तक, महेशपुर अटरिया से रुचि पब्लिक स्कूल तक, मिनी बाइपास से हार्टमन कॉलेज तक, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से सनइया रोड तक, बाकरगंज मुख्य मार्ग, किला क्रॉसिंग से ईदगाह रोड, तपेश्वरनाथ मंदिर वाटिका से कस्तूरबा स्कूल के सामने तक, बंडिया मुख्य मार्ग, जिंगल बेल्स स्कूल मार्ग के सामने मार्ग का नवीनीकरण किया जाना है। इसी तरह दो किमी विशेष मरम्मत के कार्य होंगे। इसमें अर्शना रेजीडेंसी गार्डन व बिहारीपुर में वाइट टॉपिंग के कार्य कराए जाएंगे।

⇨ शहर की सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए 12 करोड़ के टेंडर कराए गए हैं। काम को 10 अक्तूबर से पहले पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही, 12 किमी सड़कों का नवीनीकरण व विशेष मरम्मत के दो कार्य भी कराए जाएंगे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के सहारनपुर दौरे की तैयारियां पूरी, जगह-जगह होगा स्वागत

सहारनपुर (शिखर समाचार)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के 22 सितंबर को सहारनपुर आगमन को लेकर भाजपा महानगर एवं जिला संगठन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। उनके मेरठ से सहारनपुर पहुंचने के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार बनाए गए हैं तथा पार्टी के झंडे, पुष्पवर्षा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है। महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई और जिलाध्यक्ष अजीत राणा ने कार्यकर्ताओं को स्वागत एवं कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का रोहाना टोल प्लाजा से लेकर सहारनपुर तक कई स्थानों पर स्वागत किया जाएगा। इनमें कोलकी टोल प्लाजा, ग्रैंड रिजॉर्ट दिल्ली रोड, कमिश्नर कार्यालय के सामने पेट्रोल पंप तथा टाटा मोटर्स एजेंसी सहित अन्य स्थान शामिल हैं। पार्टी पदाधिकारियों ने सभी स्वागत स्थलों पर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करते हुए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया है।

सहारनपुर पहुंचने के बाद सुबह 11 बजे नितिन नबीन पूर्व सांसदों, विधायकों, पूर्व राज्यसभा सांसदों और पूर्व विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद पश्चिम क्षेत्र एवं प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों तथा जिला महामंत्रियों के साथ संगठनात्मक बैठक होगी। बैठकों के बाद वह श्री गुरु रविदास मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद एक कार्यकर्ता के घर भोजन करने के बाद दिल्ली के लिए रवाना होंगे। क्षेत्रीय महामंत्री रूपेंद्र सैनी, महानगर प्रभारी अजय शर्मा सहित वरिष्ठ पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि तैयारियों में जुटे हुए हैं।

दौड़ से नहीं, गले में प्लास्टिक बोतल फंसने से हुई मौत, अभ्यर्थी की मौत मामले में नया मोड़

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ महानगर स्थित 35वीं वाहिनी पीएसी ग्राउंड में मंगलवार को होमगार्ड भर्ती की दौड़ में सीतापुर के रामकोट मढ़िया रहीमपुर के अभ्यर्थी योगेंद्र सिंह की मौत दौड़ के कारण नहीं गले में पानी की छोटी बोतल फंसने से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, उनके शरीर पर 12 चोट के निशान भी हैं। उनके भाई कमल किशोर ने शनिवार को महानगर थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

भाई का आरोप, मारपीट कर मुंह में ठूंस दी गई थी बोतल : कमल के अनुसार घटना के वक्त पुलिस अधिकारियों ने योगेंद्र की मौत को सामान्य बताया था। फिर 18 सितंबर को मिली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दम घुटना बताया गया है। कमल का आरोप है कि योगेंद्र के साथ मारपीट या जबरदस्ती हुई।

जबरन उनके मुंह में 250 मिली की प्लास्टिक की बोतल ठूंस दी गई, जिससे भाई की मौत हो गई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही 35वीं वाहिनी पीएसी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और घटना के समय मौजूद अभ्यर्थियों व स्टाफ से पूछताछ की मांग की है।

होमगार्ड भर्ती : दौड़ते-दौड़ते मंजिल से पहले थम गईं कंप्यूटर साइंस इंजीनियर की सांसें : मुरादाबाद में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के लिए आयोजित दौड़ में मंजिल महज 50 मीटर दूर थी और बेहोश होकर गिरे कंप्यूटर साइंस इंजीनियर शिवम यादव (27) जिंदगी हार गए। बरेली के शिवम ने 11 राउंड सफलतापूर्वक पूरे कर लिए थे लेकिन 12वें राउंड में लक्ष्य के नजदीक पहुंचते ही सांसें थम गईं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि हुई है। यह घटना सिविल लाइंस क्षेत्र के कांठ रोड स्थित नौवी वाहिनी पीएसी के मैदान की शुक्रवार सुबह लगभग सवा आठ बजे की है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि बरेली के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के नई बस्ती वंशी नगला बेनीपुर चौधरी निवासी अधिवक्ता विनोद यादव बरेली बार एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष हैं।

उनके चार बेटों में दूसरे नंबर के बेटे कंप्यूटर साइंस से बीटेक शिवम यादव ने होमगार्ड भर्ती के लिए आवेदन किया था। शुक्रवार की सुबह पांचवीं पाली में नौवीं वाहिनी पीएसी के मैदान में दौड़ परीक्षा थी।

बृहस्पतिवार की रात करीब दस बजे शिवम अपने पिता विनोद यादव और मौसेरे भाई हिमांशु यादव के साथ बरेली से रोडवेज बस में सवार होकर मुरादाबाद आए थे। हिमांशु की अंतिम पाली में दौड़ होनी थी जबकि शिवम की पांचवीं पाली में दौड़ परीक्षा थी। निर्धारित 4800 मीटर दौड़ पूरी करने के लिए 28 मिनट का समय दिया गया था।

शिवम शुक्रवार सुबह-सुबह 8.16 बजे अपनी दौड़ का 12वां राउंड लगा रहे थे। इसी बीच समय पूरा होने में करीब 50 सेकंड शेष बचा था। शिवम अपनी मंजिल से मात्र 50 मीटर दूर थे। इसी दौरान वह बेहोश होकर गिर गए।

कैराना में दो विवादों में 17 गिरफ्तार, शांति भंग की कार्रवाई

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। कैराना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुए विवाद के मामलों में पुलिस ने दोनों पक्षों के 17 लोगों को गिरफ्तार कर शांति भंग की आशंका में कार्रवाई की है। पहला मामला गांव रामड़ा का है, जहां पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। विवाद की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने एक पक्ष के गुलजार, आबिद, यासीन, बाबू, मुनव्वर, इकरार और साहिब तथा दूसरे पक्ष के इसरार, सुफियान, अंसार और शौकीन को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों के बीच पहले से रंजिश चली आ रही थी और इसी को लेकर विवाद बढ़ गया। दूसरा मामला कैराना नगर के मोहल्ला आलकला का है, जहां इरफान और लियाकत पक्ष के लोगों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों के लोगों को हिरासत में लिया। इस मामले में एक पक्ष के इरफान, इकराम, समीर और

रिहान तथा दूसरे पक्ष के लियाकत और आरिफ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों मामलों में कुल 17 लोगों के खिलाफ शांति भंग की आशंका में कार्रवाई की है। जांच अधिकारी उपनिरीक्षक राजकुमार ने बताया कि दोनों मामलों में गिरफ्तार सभी 17 लोगों का शांति भंग की आशंका में चालान कर दिया गया है। पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों विवादों में त्वरित कार्रवाई की। अधिकारियों ने लोगों से आपसी विवाद को बातचीत के माध्यम से सुलझाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

कूलिंग पैड फैक्ट्री में लगी आग, आठ दमकल वाहनों ने पाया काबू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र स्थित शांति एंटरप्राइजेज नामक फैक्ट्री में सोमवार दोपहर आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही कोतवाली फायर स्टेशन से चार दमकल वाहनों को तत्काल मौके पर भेजा गया। फैक्ट्री करीब 500 वर्ग मीटर के भूखंड पर अस्थायी टीन शेड में संचालित हो रही थी, जिसमें कूलर के कूलिंग पैड बनाए जाते हैं। आग पूरे फैक्ट्री परिसर में फैल गई थी। फायर सर्विस की टीम के मौके पर पहुंचने के बाद आग की स्थिति से मुख्य अग्निशमन अधिकारी को अवगत कराया गया। उनके निर्देश पर वैशाली फायर स्टेशन से दो वाटर ब्राउजर और साहिबाबाद फायर स्टेशन से दो दमकल वाहन भी घटनास्थल के लिए रवाना किए गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और उनके निर्देशन में आग बुझाने का अभियान चलाया गया।

दमकल कर्मियों ने चारों दिशाओं से होज पाइप की लाइन बिछाकर पानी की बौछार की। लगातार प्रयास के बाद करीब दोपहर दो बजे कुल आठ दमकल वाहनों की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। इसके बाद फैक्ट्री में कूलिंग का कार्य जारी रहा, ताकि दोबारा आग न भड़क सके। अग्निशमन विभाग के अनुसार आग लगने के स्पष्ट कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन एवं बचाव कार्य के दौरान स्थानीय पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही।

इंजेक्शन लगने के बाद महिला की मौत, चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा क्षेत्र के खटाना-धीरखेड़ा गांव निवासी 50 वर्षीय महिला की इंजेक्शन लगने के बाद मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सक पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि हो सकेगी। जानकारी के अनुसार खटाना-धीरखेड़ा गांव निवासी संदीप कुमार की मां शकुंतला देवी को 19 सितंबर को बुखार आया था। परिजन उनका उपचार पास के घनुवास गांव स्थित एक चिकित्सक से करा रहे थे। 20 सितंबर को चिकित्सक ने महिला को इंजेक्शन लगाने के लिए बुलाया था। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगने के करीब दो मिनट बाद ही महिला की हालत अचानक बिगड़ गई। उसका रंग बदल गया और जीभ मोटी हो गई। इसके बाद महिला की मौत हो गई। परिजन महिला को संतुष्टि के लिए दादरी के दो अन्य निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत के बाद परिजनों ने उपचार करने वाले चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जारचा पुलिस को शिकायत दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। जारचा कोतवाली के थाना प्रभारी कैलाश नाथ कुमार ने बताया कि महिला की मौत का मामला सामने आया है। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले में शिकायत और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

भूलने की आदत को न करें नजरअंदाज, गंभीर बीमार के हो सकते हैं संकेत

बरेली, एजेंसी। करीब 70 वर्ष की आयु के बाद भूलने की बीमारी के लक्षण अब 60 साल की उम्र से ही लोगों में दिखने लगे हैं। इसमें पुरुषों के सापेक्ष महिलाओं की संख्या अधिक है। विशेषज्ञ के मुताबिक शुरुआत में बीमारी पता चल जाए तो इलाज मुमकिन है, देर से मुश्किल बढ़ सकती है।

बरेली के जिला अस्पताल मनकक्ष के मनोचिकित्सक डॉ. आशीष के मुताबिक अल्जाइमर भूलने की बीमारी है। इसके मरीज कहीं कुछ रखकर भूल जाते हैं, थोड़ी देर पहले कही बातें भी उन्हें याद नहीं रहती हैं। पहले यह बीमारी 70 पार के बुजुर्गों में होती थी लेकिन तनाव से भरी जीवनशैली की वजह से 60 की उम्र में ही लक्षण नजर आ रहे हैं।

प्रतिमाह आते हैं 30-35 मरीज

दूसरी ओर, कोई वस्तु कहीं रखकर भूल जाएं पर कुछ देर बाद मिलने पर उन्हें रखने की याद आ जाए या कोई बात कुछ समय तक याद न आए तो यह अल्जाइमर्स से नहीं है। अल्जाइसर्म में व्यक्ति बात, वस्तु के साथ चेहरे भी भूलने लगता है, जो बमुश्किल याद आते हैं। मनकक्ष में प्रतिमाह 30-

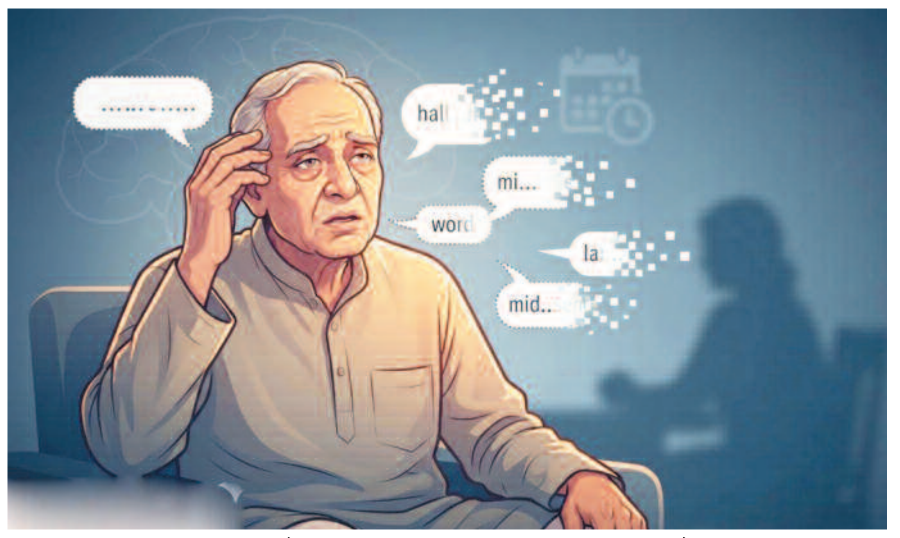

35 अल्जाइमर के मरीज आते हैं, इसमें 70 पार वाले बुजुर्गों की संख्या ज्यादा है।

बताया कि महिलाओं में मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर तेजी से गिरता है। यह हार्मोन दिमाग की कोशिकाओं की रक्षा और सूजन कम करने में मदद करता है। इस कमी अल्जाइमर्स की आशंका बढ़ती है। न्यूरोइंफ्लेमेशन की प्रक्रिया से टॉक्सिक प्रोटीन महिलाओं में ज्यादा बनता है।

बीमारी का नहीं है इलाज, थेरेपी से नियंत्रण मुमकिन : डॉ. आशीष के मुताबिक मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचने से लोगों में यह बीमारी होती है।

अब तक बीमारी का कोई सटीक इलाज नहीं मिला है। जीवनशैली में बदलाव कर कुछ हद तक इस बीमारी से बचा जा सकता है। बीमारी के शुरुआती लक्षणों पर बेहद ध्यान देने की जरूरत होती है। शुरुआत में सामान्य समझकर लोग ध्यान नहीं देते लेकिन जब बीमारी ज्यादा बढ़ जाती है तो लंबा इलाज कराना पड़ता है।

बढ़ती उम्र में याद्दाश्त बढ़ाने की गतिविधियां जरूरी

चिकित्सक ने बताया कि 60 पार के बाद मानसिक क्षमता मजबूत बनाए रखने के लिए नई चीजें सीखना, पढ़ना जारी रखना चाहिए। पहेलियां सुलझाएं, शतरंज खेलें। शारीरिक गतिविधि बनाएं जैसे तेज चलना, तैरना, साइकिल चलाना। इससे मस्तिष्क में रक्त संचार बढ़ता है। हरी सब्जी, ताजे फल, साबुत अनाज का सेवन करें। हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह नियंत्रित रखें। अच्छी नींद लें। सामाजिक मेलजोल बढ़ाएं। नशे से बचें।

ट्रेड शो में विद्यार्थियों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। 25 से 29 सितंबर 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एनआईसी सभागार में बैठक हुई। इसमें विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के प्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने शिक्षण संस्थानों से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को ट्रेड शो में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी और ह्यबैटल ऑफ द बैंड्सह्व प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अलावा विद्यार्थियों को विभिन्न कार्य दिए जाएंगे और उन्हें पूरा करने वाले विद्यार्थियों को ट्रेड एक्सपो पासपोर्ट प्रदान किए जाएंगे। ट्रेड शो में विद्यार्थियों के लिए करियर परामर्श के विशेष सत्र और विभिन्न करियर विकल्पों से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि आयोजन विद्यार्थियों को उद्योग, व्यापार, नई तकनीक, रोजगार और करियर के अवसरों को समझने तथा अपने ज्ञान और कौशल का विस्तार करने का अवसर देगा। ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश के शिल्प, संस्कृति और खान-पान को व्यापक मंच मिलेगा। एक जनपद, एक उत्पाद योजना के तहत विभिन्न जनपदों के विशिष्ट उत्पाद, स्थानीय हस्तशिल्प और उद्यमियों के उत्पाद प्रदर्शित किए

जाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्कूल-कॉलेजों से समन्वय कर विद्यार्थियों के आवागमन और उनकी सहभागिता की आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके लिए नोडल अधिकारी नामित कर नियमित समन्वय रखने को कहा गया। साथ ही जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों, आवासीय कल्याण समितियों, विभिन्न संगठनों, उद्यमियों और अन्य हितधारकों को समय से आमंत्रित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों, विद्यार्थियों, उद्यमियों और विभिन्न संगठनों से अधिकाधिक संख्या में ट्रेड शो में शामिल होने का आह्वान किया।

पीएम सूर्यघर योजना में सितंबर में एक हजार सौर संयंत्र लगाने का लक्ष्य

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा को लेकर सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्युत वितरण निगम, विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक, अग्रणी बैंक प्रबंधक, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण के अधिकारी और पंजीकृत वेंडर शामिल हुए। परियोजना अधिकारी ने अगस्त की प्रगति प्रस्तुत करते हुए बताया कि निर्धारित 561 के लक्ष्य के सापेक्ष जनपद में 740 सौर छत संयंत्र स्थापित किए गए, जो लक्ष्य का करीब 132 प्रतिशत है। इस उपलब्धि के आधार पर गाजियाबाद प्रदेश में 22वें स्थान पर रहा। समीक्षा में लोनी क्षेत्र में अपेक्षाकृत कम संयंत्र लगने का मामला सामने आया। अधिकारियों ने छोटे भूखंडों और बहुमंजिला भवनों को व्यावहारिक कठिनाई का कारण बताया। मुख्य विकास अधिकारी ने पंजीकृत वेंडरों

को संबंधित विद्युत मंडलों के अधिशासी अभियंताओं से समन्वय कर विद्युत कनेक्शनधारियों का विवरण प्राप्त करने और उनसे संपर्क कर योजना का प्रचार-प्रसार बढ़ाने के निर्देश दिए। विभिन्न बैंकों में लंबित ऋण प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। भारतीय स्टेट बैंक में 23, बैंक ऑफ बड़ौदा में 69, इंडियन बैंक में 70, बैंक ऑफ इंडिया में 49, पंजाब एंड सिंध बैंक में 24, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 11 और बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 11 प्रकरण लंबित मिले। अधिकांश बैंकों को लंबित प्रकरणों का एक सप्ताह में निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। अगस्त में करीब 60 प्रतिशत ऋण प्रपत्र अस्वीकृत होने पर मुख्य विकास अधिकारी ने उचित कारण के बिना प्रकरण लंबित या अस्वीकृत नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने सितंबर में एक हजार सौर छत संयंत्र लगाने का लक्ष्य तय करते हुए बैंक, विद्युत विभाग और वेंडरों से समन्वित प्रयास करने को कहा। साथ ही लंबित निरीक्षण और मीटर स्थापना में तेजी लाने तथा अधिक जागरूकता शिविर लगाकर पात्र उपभोक्ताओं का मौके पर पंजीकरण कराने के निर्देश दिए।

मिशन सामर्थ्य के तहत दिव्यांगजनों को मिला स्वरोजगार का आधार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर सम्मानजनक आजीविका से जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से संचालित मिशन सामर्थ्य के अंतर्गत सोमवार को दो दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए कियोस्क उपलब्ध कराए गए। सेवा संकल्प अभियान के तहत संयुक्त चिकित्सालय लोनी के मुख्य द्वार के निकट 90 प्रतिशत दिव्यांग वीरेंद्र और उनकी पत्नी को कियोस्क दिया गया। इसका उद्घाटन उप जिलाधिकारी लोनी दीपक सिंघनवाल ने किया। वहीं मोहन नगर में मेट्रो खंभा संख्या-310 के पास दिव्यांग संजय को उपलब्ध कराए गए कियोस्क का उद्घाटन जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अंशुल चौहान ने किया। वीरेंद्र लोनी क्षेत्र के निवासी हैं। उनकी पत्नी नीरज और दो छोटे बच्चे हैं। परिवार की आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से दंपत्ति को स्वरोजगार के लिए कियोस्क उपलब्ध कराया गया है। वहीं संजय इस कियोस्क के

माध्यम से अपना व्यवसाय शुरू कर नियमित आय अर्जित कर सकेंगे। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्देश पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने दोनों स्थानों पर कियोस्क की स्थापना के लिए आवश्यक समन्वय किया। कियोस्क के निर्माण में भारत विकास परिषद ने आर्थिक सहयोग दिया, जबकि नीव शक्ति संस्थान की रीचा वल्लभ के नेतृत्व में संस्था ने जिला प्रशासन और विभाग के साथ समन्वय कर निर्माण एवं स्थापना में सहयोग किया। अधिकारियों के अनुसार मिशन सामर्थ्य का उद्देश्य दिव्यांगजनों को केवल सहायता उपलब्ध कराने तक सीमित न रखकर उन्हें स्वरोजगार और सम्मानजनक आजीविका से जोड़ना है। सामाजिक संस्थाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के सहयोग से पात्र दिव्यांगजनों को कियोस्क उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। कार्यक्रम में नीव शक्ति संस्थान तथा भारत विकास परिषद के पदाधिकारी और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

गोगा महाड़ी मेले में 20 वर्षों से जारी सेवा शिविर का शुभारंभ

सहारनपुर (शिखर समाचार)। प्राचीन एवं ऐतिहासिक गोगा महाड़ी मेले में श्रद्धालुओं की सेवा और सुविधा के लिए पिछले 20 वर्षों से लगातार संचालित किए जा रहे नि:शुल्क खोया-पाया केंद्र, जल प्याऊ और चिकित्सा शिविर का शुभारंभ नगर विधायक राजीव गुंबर एवं मेला अध्यक्ष संजय सैनी ने किया। इस अवसर पर राजीव गुंबर ने कहा कि जाहरवीर गोगा के पावन दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना सौभाग्य और पुण्य का कार्य है। मेले में दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आस्था और श्रद्धा के साथ पहुंचते हैं। ऐसे में उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सेवा शिविर संचालित करना सराहनीय पहल है। उन्होंने मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए जाहरवीर गोगा से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। मेला अध्यक्ष एवं पार्षद संजय सैनी ने कहा कि मेला समिति का प्रयास है कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उन्हें हरसंभव सुविधा और सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि सेवा शिविर के माध्यम से खोया-पाया केंद्र, शीतल पेयजल और चिकित्सा सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। पिछले दो दशकों से चल रहे इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सहायता में जुटे हैं। इस अवसर पर राधेश्याम रोहिल्ला, पदम सैनी, सतीश सैनी, अजय कुमार, मनोज कुमार गौतम, सोनू कुमार, कपिल सैनी, आजाद सैनी, अनुज सैनी, सुशील कुमार, अमित सैनी, शुभम सैनी और यश रोहिल्ला सहित अनेक सेवा कार्यकताओं ने श्रद्धालुओं की सहायता की।

2027 के मिशन की तैयारी में जुटी भाजपा, नितिन नवीन ने कार्यकताओं को दिया बूथ मजबूत करने का मंत्र

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरे पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का सोमवार को गाजियाबाद में कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। इस दौरान कार्यकताओं में उत्साह और जोश दिखाई दिया। स्वागत से अभिभूत नितिन नवीन ने कार्यकताओं का आभार जताते हुए उन्हें वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर जोर

नितिन नवीन ने कहा कि कमल का निशान भाजपा की पहचान है और प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति केवल माध्यम है, जबकि पार्टी का विचार और संकल्प सर्वोपरि है। उन्होंने कार्यकताओं से अपने-अपने बूथों पर सक्रिय रहकर पार्टी के विचारों और केंद्र तथा प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

दुष्प्रचार का जवाब संगठन की मजबूती से देने की अपील

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संगठन की वास्तविक मजबूती बूथ स्तर से होती है। कार्यकताओं को अपने बूथों पर लगातार सक्रिय रहना चाहिए और जनता के बीच पार्टी की नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी पहुंचानी चाहिए। उन्होंने विपक्ष की ओर से किए जा रहे दुष्प्रचार का जवाब भी बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करके देने की बात कही।

बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, सांसद अतुल गर्ग, सांसद एवं राष्ट्रीय मंत्री भोला सिंह, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, जिला प्रभारी अशोक कटारिया, प्रदेश महामंत्री राजेश सिंह, सदर विधायक संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएम सूर्यघर योजना में लंबित ऋण आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देशित किया कि योजना के तहत प्राप्त ऋण आवेदनों को अनावश्यक रूप से निरस्त न किया जाए। उन्होंने बैंकों में लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण कर पात्र लाभार्थियों को ऋण वितरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लाभार्थियों के यहां सौर संयंत्र स्थापित होने के बाद नेट मीटर लगाने की प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में

पूरी कराई जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समय से मिल सके। मुख्य विकास अधिकारी ने पंजीकृत वेंडरों को भी सौर संयंत्र स्थापना के कार्य में तेजी लाने और संयंत्र स्थापित होने के बाद संबंधित विवरण पीएम सूर्यघर योजना के पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, बैंक प्रतिनिधियों और पंजीकृत वेंडरों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा योजना के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया। बैठक में योजना की प्रगति को गति देने और लाभार्थियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में परियोजना अधिकारी, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण, योजना के नोडल अधिकारी, एनपीसीएल, उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि और पंजीकृत वेंडर मौजूद रहे।

दाऊजी मेले में 65 टीमों के बीच कबड्डी मुकाबले, लाखों श्रद्धालु पहुंचे

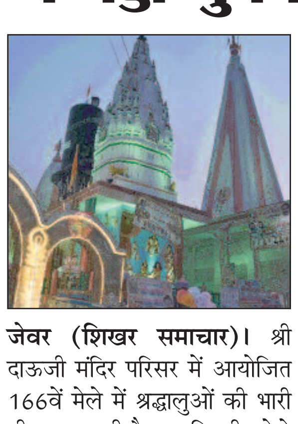

जेवर (शिखर समाचार)। श्री दाऊजी मंदिर परिसर में आयोजित 166वें मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। दस दिवसीय मेले का सोमवार को पांचवां दिन रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री दाऊजी महाराज के दर्शन करने के साथ मेले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और मनोरंजन के साधनों का आनंद ले रहे हैं। मेला परिसर में बड़े झूले, जलपरी और विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मेले के साथ ही मंदिर के स्टेडियम में तीन दिन से पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता चल रही है। प्रतियोगिता में कई प्रदेशों की करीब 65 टीमें भाग ले रही हैं। टीमों के बीच मुकाबले देखने के लिए खेल प्रेमियों की भीड़ भी जुट रही है। दाऊजी मंदिर प्रबंध समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल शर्मा ने बताया कि कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला चौथे दिन मंदिर के स्टेडियम में कराया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख एक हजार रुपये की पुरस्कार राशि और शानदार ट्रॉफी, जबकि द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। मेले में मंगलवार को बाल दंगल का आयोजन भी कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि दस दिवसीय मेला 27 सितंबर को समाप्त होगा। समापन से पहले विभिन्न प्रदेशों से आने वाली धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही काली अखाड़े और बैंड दलों की प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। मेले में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना हुआ है। श्रद्धालु धार्मिक आयोजनों के साथ विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों का भी आनंद उठा रहे हैं।

चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया हुनर, उत्कृष्ट प्रदर्शन पर छात्र सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को नगर क्षेत्र के कलेक्टर गंज स्थित शिवा प्राथमिक पाठशाला में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान चित्रकला, निबंध, भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के लिए मेरे सपनों का भारत विषय निर्धारित किया गया था। विद्यार्थियों को वृक्षारोपण एवं हरियाली, स्मार्ट विद्यालय और

पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर अपनी कल्पनाओं को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया। बच्चों ने उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने हरित एवं स्वच्छ भारत, आधुनिक विद्यालय, पर्यावरण संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता से जुड़े आकर्षक चित्र बनाकर समाज को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय में उत्साह का माहौल रहा और विद्यार्थियों ने एक-दूसरे के चित्रों को भी रुचि के साथ देखा। प्रधानाध्यापिका डॉ. सुमन अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में रचनात्मकता विकसित करने के साथ-साथ उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी कल्पनाओं और विचारों को रचनात्मक माध्यम से व्यक्त करने का अवसर मिलने से उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पदक देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

चिकित्सक की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल समेत आठ पर मुकदमा

हापुड़ (शिखर समाचार)। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में चिकित्सक कुंवरपाल सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में उनके बेटे की तहरीर पर दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल समेत आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि एक मरीज की मौत के बाद आरोपी चिकित्सक पर गलत इलाज करने का आरोप लगाकर दस लाख रुपये देने का दबाव बना रहे थे और लगातार धमकियां दे रहे थे। मृतक के बेटे के अनुसार कुंवरपाल सिंह 19 सितंबर की सुबह बाइक से घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। अगले दिन 20 सितंबर की सुबह परिजन खेत पर पहुंचे तो ईख के खेत के बाहर उनकी बाइक और हेलमेट पड़ा मिला।

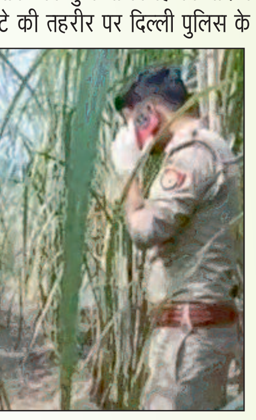

परिजन खेत के अंदर पहुंचे तो कुंवरपाल सिंह मृत अवस्था में पड़े मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस को मौके से उनका मोबाइल फोन, सल्फास का खाली पैकेट और एक सुसाइड नोट मिला, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। परिजनों के अनुसार सात जुलाई को गांव निवासी जयवीर की तबीयत खराब होने पर उसके परिजन उसे उपचार के लिए कुंवरपाल सिंह के पास लेकर आए थे। उपचार के दौरान अथवा उसके बाद जयवीर की मौत हो गई थी। इसके बाद जयवीर के परिजन चिकित्सक पर गलत दवा देने का आरोप लगाकर दस लाख रुपये की मांग कर रहे थे। आरोप है कि दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल रूपचन्द्र, भूपेन्द्र, वीरसिंह, आकाश और विकास तथा मेरठ के नरहेड़ा गांव निवासी शशि, प्रमोद और विनोद ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय और ऑनलाइन शिकायत पोर्टल पर शिकायतें कीं तथा रुपये देने के लिए लगातार दबाव और धमकी दी। बाबूगढ़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि बेटे की तहरीर के आधार पर आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत गांवों में चला स्वच्छता अभियान

हापुड़ (शिखर समाचार)। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को जनपद के सभी विकास खंडों और ग्राम पंचायतों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों, पंचायत भवनों और अमृत सरोवरों की साफ-सफाई की गई। स्वच्छता अभियान में ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों, सफाई कर्मियों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने सहभागिता की। अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लोगों को अपने आसपास के स्थानों को साफ रखने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों को कूड़े को इधर-उधर न फेंकने तथा गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही घरों और सार्वजनिक स्थानों पर सोख्ता गड्ढे बनाने के लिए भी लोगों को जागरूक किया गया, ताकि गंदे पानी की उचित व्यवस्था हो सके और गांवों में स्वच्छ वातावरण कायम रहे। सफाई अभियान के दौरान विद्यालयों, पंचायत भवनों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष रूप से साफ-सफाई की गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों से स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। बताया गया कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक दिन अलग-अलग सेवा गतिविधियों का आयोजन कर लोगों को जनसेवा और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। स्वच्छता अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

श्रद्धा और भक्ति के बीच रवाना हुई 35वीं शाकुंभरी देवी पदयात्रा

शामली (शिखर समाचार)। मोहल्ला रेलपार स्थित श्री शिव दुर्गा हनुमान मंदिर से सोमवार को 35वीं शाकुंभरी देवी पदयात्रा श्रद्धा और भक्ति के माहौल में धूमधाम से रवाना हुई। सभासद संजय उपाध्याय ने हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को पदयात्रा के लिए रवाना किया। पदयात्रा शुरू होने से पहले मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ हवन-पूजन कराया गया। श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति देकर माता रानी से परिवार और समाज में सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद श्रद्धालुओं को हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के बाद माता के जयकारों के बीच पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। ढोल-नगाड़ों और संगीत की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए माता के दरबार की ओर रवाना हुए। पदयात्रा में राधा-कृष्ण और शिव-पार्वती की मनोहारी झांकियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। झांकियों के साथ चल रहे श्रद्धालु भक्ति गीतों पर नृत्य करते और माता के जयकारे लगाते नजर आए। पदयात्रा के मार्ग में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इस दौरान धार्मिक वातावरण बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु पदयात्रा में शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि शाकुंभरी देवी पदयात्रा का आयोजन लगातार धार्मिक आस्था और श्रद्धा के साथ किया जा रहा है। पदयात्रा में पंडित धन प्रकाश, विजय शर्मा, सोनू, सरल, ममता, बबलू वर्मा, बंटी, सावित्री देवी, कनिष्क शर्मा और विमला देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल रहे।

संपादकीय

मतदाता सूची की शुचिता और लोकतंत्र में भरोसे की कसौटी

लोकतंत्र में मतदाता सूची केवल नामों और पतों का सरकारी दस्तावेज नहीं होती, बल्कि यह नागरिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था के बीच अधिकार का वह आधार है जिसके माध्यम से व्यक्ति शासन चुनने की प्रक्रिया में भाग लेता है। इसलिए मतदाता सूची का शुद्ध, पारदर्शी और अद्यतन होना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी यह भी है कि किसी वास्तविक मतदाता का नाम किसी तकनीकी त्रुटि, दस्तावेजी विसंगति या पुराने रिकॉर्ड से मेल न खाने के कारण अनावश्यक रूप से प्रभावित न हो। दिल्ली में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर ने इसी बुनियादी सवाल को एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है।

दिल्ली में एसआईआर के दौरान 97 लाख से अधिक मतदाताओं वाली मसविदा सूची तैयार हुई है और करीब 33.13 लाख मतदाताओं को विवरण में विसंगतियों के कारण नोटिस दिए जाने की प्रक्रिया सामने आई है। इनमें पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और विदेश सचिव विक्रम मिस्री जैसे चर्चित नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार कई मामलों में मौजूदा विवरण को 2002 की पिछली विशेष पुनरीक्षण सूची से जोड़ा नहीं जा सका, जबकि कुछ मामलों में नाम, माता पिता के नाम या उम्र जैसे विवरणों में अंतर सामने आया।

इन नामों के सामने आने से इस पूरे अभियान पर सार्वजनिक ध्यान स्वाभाविक रूप से बढ़ गया है। लेकिन यहां सबसे पहले एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा नोटिस मिलना और मतदाता सूची से नाम हट जाना एक ही बात नहीं है। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि नोटिस प्रक्रिया का उद्देश्य विसंगतियों को दूर करना और संबंधित मतदाता को अपना पक्ष रखने का अवसर देना है। आयोग के अनुसार किसी मतदाता का नाम सुनवाई का अवसर दिए बिना और उचित आदेश के बिना हटाया नहीं जा सकता। उपलब्ध कार्यक्रम के अनुसार दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया 30 सितंबर तक चलेगी, संबंधित मतदाता 29 अक्टूबर तक जवाब और दस्तावेज दे सकते हैं तथा अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को प्रकाशित की जानी है।

यही वह बिंदु है जहां प्रशासनिक दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन की असली परीक्षा होती है। मतदाता सूची में मृत व्यक्तियों, दोहरी प्रविष्टियों, स्थान बदल चुके लोगों या अन्य गलत प्रविष्टियों को हटाना निर्वाचन व्यवस्था की स्वाभाविक आवश्यकता है। लेकिन दूसरी ओर किसी जीवित और पात्र नागरिक को केवल इसलिए अपने अस्तित्व या मताधिकार का प्रमाण देने के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़े कि उसका वर्तमान रिकॉर्ड दो दशक पुराने रिकॉर्ड से तकनीकी रूप से नहीं जुड़ पाया, तो इस प्रक्रिया की संवेदनशीलता और बढ़ जाती है। विशेष रूप से बुजुर्गों, गरीबों, किरायेदारों, प्रवासी श्रमिकों और ऐसे परिवारों के लिए जिनके पुराने दस्तावेज आसानी से उपलब्ध नहीं हैं, प्रक्रिया सरल और सहायता आधारित होना जरूरी है।

एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों और नागरिक समूहों की आपत्तियां भी सामने आई हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया में वैध मतदाताओं के नाम प्रभावित होने का खतरा है, जबकि निर्वाचन अधिकारियों का कहना है कि नोटिस व्यवस्था सत्यापन और सुधार के लिए है तथा इसे नाम हटाने की अंतिम कार्रवाई नहीं माना जाना चाहिए। इन दोनों पक्षों के बीच वास्तविक समाधान राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप में नहीं, बल्कि प्रक्रिया की अधिकतम पारदर्शिता में छिपा है।

इस संदर्भ में आज सर्वोच्च न्यायालय में एसआईआर से संबंधित याचिका की सुनवाई भी महत्वपूर्ण है। याचिका में नोटिस पाने वाले मतदाताओं के नाम और नोटिस के आधार को सार्वजनिक करने तथा तार्किक विसंगति जैसी श्रेणियों के स्पष्ट मानदंड सामने रखने की मांग की गई है। न्यायालय के समक्ष उठने वाला मूल प्रश्न यही है कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता, प्राकृतिक न्याय और नागरिक के मताधिकार की पर्याप्त सुरक्षा किस तरह सुनिश्चित की जाए।

~ मौलिक चिंतन ~

दूसरों के दुःख को अपने दुःख के रूप में महसूस करें, तो हम समाज में बदलाव ला सकते हैं।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

भारत में डेंगू वैक्सीन की दस्तकः बीमारी के खिलाफ नई उम्मीद

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में डेंगू लंबे समय से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू के मामले सामने आते हैं और कई लोगों की जान भी चली जाती है। बदलते मौसम, शहरीकरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों के कारण डेंगू का दायरा लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं इसका आतंक बड़े बड़े शहरों में अधिक है, ऐसे समय में डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में उपलब्ध होने की खबर निश्चित रूप से उम्मीद जगाती है। यदि सब कुछ तय प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ता है तो देश में पहली डेंगू वैक्सीन के रूप में टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स की क्यूडेंगा आने वाले वर्षों में लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती है।

जापानी कंपनी टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स और हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुआ समझौता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते के तहत डॉ. रेड्डीज भारत के निजी बाजार में टेकेडा की क्यूडेंगा वैक्सीन के प्रमोशन और वितरण की जिम्मेदारी निभाएगी। कंपनियों के अनुसार, वैक्सीन को 2027 की पहली छमाही में भारत में लॉन्च किए जाने की संभावना है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक स्थानीय नियामकीय और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को पूरा करना अभी बाकी है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में प्रवेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक इस बीमारी से बचाव का मुख्य आधार मच्छरों की रोकथाम, साफ-सफाई और संक्रमित व्यक्ति की समय पर चिकित्सकीय देखभाल ही रहा है। डेंगू के लिए कोई ऐसी व्यापक रूप से उपलब्ध दवा नहीं है जो संक्रमण को सीधे खत्म कर सके। ऐसे में रोकथाम के लिए वैक्सीन की उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में एक नया विकल्प जोड़ सकती है।

हालांकि, किसी भी नई वैक्सीन को लेकर उत्साह के साथ-साथ कुछ बुनियादी सवालों पर गंभीरता से विचार करना भी जरूरी है। सबसे पहला सवाल इसकी कीमत का है। फिलहाल क्यूडेंगा की भारत में कीमत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। टेकेडा के इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के प्रमुख महेंद्र नायक के अनुसार, भारत में मार्केटिंग ऑथराइजेशन की मंजूरी मिलने के बाद अभी स्थानीय प्रक्रियाओं को पूरा करना प्राथमिकता है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने से पहले वैक्सीन की कीमत का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी।

कीमत का सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डेंगू केवल महानगरों या संपन्न वर्ग की समस्या नहीं है। इसका प्रभाव छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देता है। यदि वैक्सीन निजी बाजार में आती है और इसकी कीमत आम परिवारों की पहुंच से बाहर रहती है, तो इसका लाभ सीमित आबादी तक ही सिमट सकता है। इसलिए वैक्सीन की उपलब्धता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी सामर्थ्य भी है। यहां सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनियों ने संकेत दिया है कि क्यूडेंगा को भारत के सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करना एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। निजी बाजार में वैक्सीन की उपलब्धता शुरूआती चरण हो सकती है, लेकिन व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव तभी संभव होगा जब जरूरत और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर इसे सरकारी टीकाकरण व्यवस्था में शामिल करने पर विचार किया जाए।

किसी वैक्सीन को सार्वजनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का निर्णय केवल उसकी उपलब्धता के आधार पर नहीं होता। इसके लिए बीमारी का बोझ, वैक्सीन की प्रभावशीलता, सुरक्षा, अलग-अलग आयु समूहों में उसका प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर संभावित प्रभाव जैसे अनेक पहलुओं का मूल्यांकन आवश्यक होता है। भारत जैसे विशाल और विविध आबादी वाले देश में यह प्रक्रिया और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्यूडेंगा की भारत में उपलब्धता का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जागरूकता से जुड़ा है। डेंगू को लेकर समाज में अभी भी कई भ्रांतियां मौजूद हैं। कई बार लोग बुखार को सामान्य वायरल संक्रमण समझकर इलाज में देरी करते हैं। वहीं कुछ लोग डेंगू की रोकथाम को केवल मच्छर भगाने तक सीमित मानते हैं। वास्तव में डेंगू नियंत्रण के लिए व्यक्तिगत सावधानी, मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता, समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह—सभी की जरूरत होती है। वैक्सीन के आने के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि लोग इसे डेंगू से बचाव की एक अतिरिक्त रणनीति के रूप में समझें, न कि अन्य सावधानियों के विकल्प के रूप में।

डॉ. रेड्डीज और टेकेडा के बीच सहयोग का उद्देश्य केवल वैक्सीन का वितरण नहीं है। कंपनियों के अनुसार, इसके तहत डेंगू के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ जुड़ाव को भी महत्व दिया जाएगा। यह पहल इसलिए उपयोगी हो सकती है क्योंकि वैक्सीन से जुड़े निर्णय में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। योग्य लोगों को वैक्सीन की जरूरत, संभावित लाभ और सीमाओं के बारे में सही जानकारी चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से ही मिलनी चाहिए। भारत में पहली डेंगू वैक्सीन के आने की संभावित खबर को इसलिए एक शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए, अंतिम समाधान के रूप में नहीं। डेंगू की चुनौती केवल वैक्सीन से खत्म नहीं होगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना, जलभराव रोकना, साफ-सफाई बनाए रखना, समय पर बीमारी की पहचान करना और अस्पतालों में उचित उपचार की व्यवस्था करना भी उतना ही आवश्यक रहेगा।

सबसे बड़ी उम्मीद यह है कि वैक्सीन डेंगू से निपटने की मौजूदा रणनीति को मजबूत कर सकती है। लेकिन इसके साथ यह सावधानी भी जरूरी है कि वैज्ञानिक प्रमाण, नियामकीय मानक और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतें व्यावसायिक हितों से ऊपर रहें। कीमत, उपलब्धता और लक्षित आबादी जैसे मुद्दों पर पारदर्शिता भी महत्वपूर्ण होगी। भारत में डेंगू का बोझ देखते हुए क्यूडेंगा की संभावित लॉन्चिंग निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2027 की पहली छमाही में इसके संभावित लॉन्च से पहले अभी कई औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होनी हैं। इसलिए फिलहाल इसे डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक संभावित नए हथियार के रूप में देखना अधिक उचित होगा। आखिरकार, किसी वैक्सीन की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि वह बाजार में उपलब्ध हो गई है। असली कसौटी यह होगी कि वह कितने लोगों तक पहुंचती है, कितनी सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, उसकी कीमत कितनी वहनीय होती है और क्या वह देश की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बन पाती है।

भारतीय न्यायिक प्रक्रिया पर बदनुमा दाग है निठारी कांड

मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि जब भगवान की लाठी पड़ती है तो आवाज तक नहीं आती। कुछ ऐसा ही नोएडा के चर्चित निठारी कांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली के मामले में देखने को मिल रहा है। 2006 में निठारी कांड देश के अपराधिक मामलों में सबसे अधिक क्रूरता पाशविकता भरी दर्जनों गुमशुदा बच्चों और किशोरों के अपहरण और नृशंस हत्या से जुडा सीरियल किलिंग का मामला था जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। बच्चों के रहस्यमय ढंग से गायब होने, उनके साथ हुई हैवानियत और फिर नाले से मिले मासूम बच्चों के अंगों और कंकालों की तस्वीरों ने हर संवेदनशील मन को कपकँपा दिया था। अब 18 सितंबर 26 को इस मामले के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली की हरिद्वार में हुई संदिग्ध परिस्थिति में मौत ने उस खौफनाक सीरियल किलिंग कांड के अंतिम पन्ने पर एक ऐसा पूर्णविराम लगा दिया है, जो बता रहा है कि सरकारी अदालतों से इतर भी कोई अदालत है जो देर सवेर इंसाफ करती है यह बताता है कि गरीब मजलूम असमर्थ और धन सत्ता की ताकत से रीते लोगों की आहों में भी एक ऐसी ताकत होती है जिसे खुद सबसे बड़ी भगवान या सर्वशक्तिमान की अदालत सुनती है और अपने ढंग से न्याय करती है।

आपको बता दें कि 18 सितंबर 2026 को भारत के सबसे चर्चित निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली का शव हरिद्वार में उसके चाय के खोखे में लटका हुआ मिला, जिसके बाद पुलिस ने शुरूआती तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना है। दो दशक तक चले इस बेहद खौफनाक और जटिल कानूनी मामले का अंत इस तरह एक रहस्यमयी मोड़ पर आकर हुआ है।सुरेंद्र कोली के अंतिम अंजाम और इस पूरे

दिसंबर 2006 में नोएडा के निठारी गांव में हुए इस वीभत्स हत्याकांड के बाद सुरेंद्र कोली को कई मामलों में निचली अदालतों द्वारा फांसी की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, जांच में गंभीर खामियों और सबूतों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने के बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट और आखिरकार नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम लंबित मामले में भी उसे बरी करने का आदेश दिया।

आपको बता दें 2003 में नोएडा के निठारी गांव के लोगों ने इलाके से महिलाओं और बच्चों के अचानक लापता होने की शिकायतें करनी शुरू कीं। हालांकि, नोएडा पुलिस ने इनमें से कई मामलों में शिकायत तक दर्ज नहीं की। जिन मामलों में शिकायत दर्ज हुई, उनमें भी ज्यादा प्रगति नहीं हुई।मई 2006 में इस मामले में बड़ा मोड़ आया। एक पिता अपनी लापता बेटी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि लापता होने वाले दिन उसकी बेटी नोएडा के सेक्टर-31 में निठारी के पास रहने वाले मोनिंदर सिंह पंढेर की कोठी गई थी। जून तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके बाद पिता ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के सरकारी आवास के बाहर हंगामा किया, तब जाकर मामला दर्ज हुआ।लापता युवती के फोन को ट्रेस करने पर पुलिस सुरेंद्र कोली तक पहुंची। उस समय कोली पंढेर के घर पर नौकर के रूप में काम करता था। कोली को गिरफ्तार किया गया, लेकिन जल्द ही जमानत पर छोड़ दिया गया।

दिसंबर 2006 में पंढेर के घर के पीछे एक नाले में प्लास्टिक की थैलियों में मानव कंकालों के अवशेष और लापता लोगों का सामान मिला। इसके बाद पुलिस ने 29 दिसंबर को कई महिलाओं और बच्चों के अपहरण और हत्या के आरोप में कोली और पंढेर को गिरफ्तार कर लिया।

मामले ने अब राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी थीं। साथ ही निठारी मामले में नोएडा पुलिस की पहले की लापरवाही और जांच में नाकामी पर भी सवाल उठ रहे थे। इसके बाद 10 जनवरी 2007 को10 जनवरी 2007 को जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई। सीबीआई की फॉरेंसिक टीम ने पंढेर के घर की दोबारा तलाशी ली और मानव कंकालों के अवशेष तथा गंभीर अपराधों से जुड़े सबूत बरामद किए।सीबीआई ने 1 मार्च को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कोली का कबूलनामा दर्ज किया। कोली ने हत्या की घटनाओं के बारे में बहुत विस्तार से बताया। उसने कहा कि वह पीड़ितों को बहला-फुसलाकर कोठी के अंदर लाता था, उनका गला घोंटता था और फिर उनके शरीर के टुकड़े कर उन्हें पकाकर खाता था।

नोएडा पुलिस ने 19 अलग-अलग लड़कियों से जुड़े अपराधों के मामले में पंढेर और कोली के खिलाफ 19 प्राथमिकियां दर्ज की थीं। इनमें से 16 मामलों में सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किए। 2007 में इनमें से एक मामले में दाखिल आरोपपत्र में सीबीआई ने दावा किया था कि कोली में मृत शरीरों के प्रति यौन आकर्षण और इंसानी मांस खाने जैसी प्रवृत्तियां थींएक विशेष सीबीआई अदालत ने 13 फरवरी 2009 को एक 14 साल की लड़की से बलात्कार और हत्या के मामले में पहली बार कोली और पंढेर दोनों को दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई। अपील पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पंढेर को बरी कर दिया, लेकिन कोली की मौत की सजा को बरकरार रखा।इसके बाद कोली ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में उसकी अपील और 2014 में पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। लेकिन जनवरी 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दया याचिका पर फैसला लेने में हुई अत्यधिक देरी को आधार बनाते हुए कोली की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया।अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी, प्रक्रियागत खामियों और प्रताड़ना के आरोपों को देखते हुए कोली को 12 मामलों में और पंढेर को 2 मामलों में बरी कर दिया। पंढेर अक्टूबर 2023 में जेल से बाहर आ गया, जबकि कोली की रिहाई नवंबर 2025 में हुई।

इस स्थिति में एक कानूनी विरोधाभास पैदा हो गया था। कोली 12 मामलों में बरी हो चुका था, लेकिन लगभग उन्हीं सबूतों के आधार पर एक मामले में अब भी दोषी था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्याय का बड़ा विरोधाभास माना और अपनी क्यूरेटिव शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि समान सबूतों पर दो परस्पर विरोधी फैसले एक साथ नहीं रह सकते हैं। शीर्ष अदालत ने माना कि यह प्रक्रियागत और संरचनात्मक खामियों का मामला था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2011 के फैसले को वापस लेते हुए कोली को अंतिम मामले में भी सभी आरोपों से बरी कर तुरंत रिहा करने का आदेश दिया था।

निठारी कांड के पीड़ित परिवारों ने जिस तरह सुरेंद्र कोली की मौत पर कहा है कि वह भारतीय न्यायालय से बरी हुआ पर भगवान के घर देर है अंधेर नहीं और भगवान से बड़ा कोई न्यायाधीश नहीं पीड़ित माता-पिता के ये शब्द केवल एक आरोपी की मौत पर संतोष व्यक्त करना भर नहीं हैं, बल्कि यह उस हताशा और वेदना की भी अभिव्यक्ति है जो वे बरसों से सीने में दबाए बैठे थे।

जरा विचार कीजिए उन उन्नीस बच्चों के माता पिता परिवारों की स्थिति पर जिनके बच्चों को टाफी चाकलेट रोजगार और टिप देने का लालच देकर कोठी के भीतर बुलाया गया और इसके बाद वह कभी जीवित बाहर नहीं आ सके। इस कोठी के पिछवाड़े के खुले नाले से दर्जनों बच्चों के कंकाल खोपड़ी बरामद किए गए।

सवाल उठता है कि बारह मामलों में फांसी की सलीब तक पहुंचने के बाबजूद आधी रात के 1:35पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर फांसी पर रोक लगा दी गई थी और फिर हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने सुरेन्द्र कोली के इकबाली बयान और सबूतों को पर्याप्त नहीं मानते हुए दोनों आरोपियों को बरी कर दिया। इस तरह सबसे वीभत्स और दरिंदगी भरा सीरियल हत्याकांड भारतीय कानून और न्याय व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग बन कर रह गया सवाल यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट ने इतना वीभत्स कांड की दोबारा जांच करने की भी सिफारिश नहीं की। 19 साल तक अदालत की चौखट पर सैकड़ों बार गवाही और सुनवाई के लिए चक्कर काटने वाले मजलूम गरीब परिवार ठगे से रह गए और दोनों आरोपियों को जेल से रिहा कर दिया गया।

यह मामला भारतीय कानून व्यवस्था की अदालत की जटिल प्रक्रिया का एक स्याह नजीर है जांच एजेंसियों की लापरवाही, साक्ष्यों के संकलन में हुई चूक और अभियोजन की कमियां इतने बड़े और जघन्य अपराध के मामलों को भी कमजोर कर सकती हैं। निठारी जैसे बर्बर मामलों के आरोपी कानून के शिकंजे से बाहर आ जाते हैं, तो पीड़ित परिवारों का न्यायपालिका से विश्वास उठना स्वाभाविक है।अब सुरेंद्र कोली की कथित आत्महत्या बता रही है कि कुदरत का भी एक कानून है जिससे बचना असंभव है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इस बार भी मोदी नहीं जाएंगे संयुक्त राष्ट्र महासभा, जयशंकर ही संभालेंगे मोर्चा, क्या ट्रंप से आमना-सामना नहीं चाहते पीएम?

नीरज कुमार दुबे

जयशंकर की यात्रा का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भारत-अमेरिका संबंध इस समय कई कठिन सवालों से गुजर रहे हैं। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाने की व्यवस्था ने नई दिल्ली की ऊर्जा सुरक्षा और वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों के बीच तनाव पैदा किया है।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 21वें सत्र की शुरूआत के साथ ही भारत की कूटनीतिक सक्रियता तेज हो गई है। इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। जयशंकर 26 सितंबर को महासभा को संबोधित करेंगे और इस दौरान कई देशों के नेताओं तथा विदेश मंत्रियों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकें भी करेंगे। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, ऊर्जा संकट, व्यापारिक टकराव और बदलते शक्ति संतुलन से जूझ रही है तब इस सत्र से काफी उम्मीदें की जा रही हैं। हम आपको बता दें कि इस सत्र में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और वरिष्ठ प्रतिनिधि जुट रहे हैं। इस बार का केंद्रीय विषय है, विश्वास बहाल करना, बदलाव को संभालना और ऐसा संयुक्त राष्ट्र बनाना जो सभी के लिए परिणाम दे। महासचिव अंतोनियो गुतारेस ने वैश्विक नेताओं से शांति, गरिमा, न्याय और मानवता के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने की अपील की है। यह उनके कार्यकाल का अंतिम महासभा सत्र भी है। ऐसे माहौल में भारत के सामने अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं को बेहद स्पष्ट और मजबूती से रखने का अवसर है।

देखा जाये तो जयशंकर की यात्रा का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भारत-अमेरिका संबंध इस समय कई कठिन सवालों से गुजर रहे हैं। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाने की व्यवस्था ने नई दिल्ली की ऊर्जा सुरक्षा और वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों के बीच तनाव पैदा किया है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी कानून राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने की शक्ति देता है। लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता अपने लगभग एक अरब चालीस करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है और वह अलग-अलग स्त्रोतों से ऊर्जा की आपूर्ति जारी रखेगा।

यहीं से जयशंकर की न्यूयॉर्क यात्रा का असली सामरिक महत्व सामने आता है। भारत को एक साथ रूस के साथ अपने ऊर्जा और सामरिक संबंधों, अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा साझेदारी तथा ग्लोबल साउथ की चिंताओं को साधना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा इस संतुलन को साधने के लिए सबसे बड़ा कूटनीतिक मंच उपलब्ध कराती है। जयशंकर की दर्जनों मुलाकातों में ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, विकास और ग्लोबल साउथ के मुद्दे स्वाभाविक रूप से प्रमुख रहेंगे।

इसके अलावा, भारत के लिए इस महासभा का एक अहम उद्देश्य 2028 से शुरू होने वाले दो वर्षीय कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता हासिल करने के समर्थन में विभिन्न देशों को साथ लाना भी है। इसके लिए जयशंकर अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों के सामने भारत का छह सूत्रीय घोषणापत्र रखेंगे और सुरक्षा परिषद में भारत की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करेंगे। साथ ही, ग्लोबल साउथ के देशों के विकास में भारत की भूमिका, आर्थिक एवं मानवीय सहायता तथा संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं के माध्यम से चलाए जा रहे कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। पिछले वर्ष महासभा के दौरान जयशंकर ने 47 द्विपक्षीय और 10 बहुपक्षीय बैठकें की थीं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार भी भारत की कूटनीतिक गतिविधियां कितनी व्यापक रहने वाली हैं।

उधर, कूटनीतिक हलकों में संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरमौजूदगी को लेकर सवाल उठ रहा है। उल्लेखनीय है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र को चार बार यानि 2014, 2019, 2020 और 2021 में संबोधित किया। 2020 में महामारी के कारण उनका संबोधन पहले से रिकॉर्ड वीडियो के माध्यम से हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल को देखें तो स्थिति और भी स्पष्ट है। 2024 में मोदी न्यूयॉर्क गए और भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित किया, लेकिन महासभा की सामान्य बहस में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया। 2025 में भी सामान्य बहस में भारत का प्रतिनिधित्व जयशंकर ने किया और अब 2026 में भी भारत की कमान विदेश मंत्री के हाथ में है। इस तरह तीसरे कार्यकाल में अब तक मोदी ने महासभा की सामान्य उच्चस्तरीय बहस को अब तक संबोधित नहीं किया है।

सवाल उठ रहा है कि क्या मोदी अमेरिका इसलिए नहीं जा रहे ताकि ट्रंप से मुलाकात से बच सकें? देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव जरूर है और रूसी तेल तथा अमेरिकी शुल्क का विवाद गंभीर है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जून 2026 में फ्रांस में हुई मुलाकात में दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। इसलिए केवल संयुक्त राष्ट्र महासभा में मोदी की गैरमौजूदगी को ट्रंप से मुलाकात से बचने की रणनीति के रूप में देखा जाना गलत होगा।

बहरहाल, न्यूयॉर्क में जयशंकर का संबोधन केवल संयुक्त राष्ट्र में भारत का भाषण नहीं होगा। यह संदेश देने का अवसर होगा कि भारत दबावों के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक स्वायत्तता, ग्लोबल साउथ की आवाज और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका, इन चारों लक्ष्यों को एक साथ आगे बढ़ाना चाहता है। महासभा के मंच से भारत की कूटनीति की धार इसी संतुलन और दृढ़ता से दिखाई देगी।

क्यों होती है बेचैनी

आपाधापी व कोलाहल से परिपूर्ण इस युग में उत्तेजना या बेचैनी की शिकायत एक आम बात है। एक अध्ययन के अनुसार 20 से 34 फीसदी लोग इस शिकायत से ग्रस्त हैं।

लक्षण

उत्तेजना या बेचैनी जैसी शिकायत में व्यक्ति किसी भी काम को शुरू करने से पहले ही घबराने लगता है। उसका दिल तेजी से धड़कने लगता है, हाथ-पैरों में थरथराहट होती है और पेट में हलचल महसूस होती है। इस रोग का सीधा संबंध हमारे शरीर के तंत्रिका तंत्र से होता है। उत्तेजना से संबंधित दो तरह की बीमारियां प्राय: ज्यादातर लोगों में पाई जाती हैं।

कुछ अनजाने डर

इसे चिकित्सकीय भाषा में 'पैनिक डिसार्डर' भी कहते हैं। इस मर्ज में रोगी बिना किसी कारण के उलझन महसूस करने लगता है। मानो उसकी सांसें रुक जाएंगी और दिल जोर से धड़कने लगता है और उसे घुटन-सी महसूस होने लगती है। ऐसे रोगी भीड़भाड़ वाली जगह पर नहीं जाते, उन्हें लिफ्ट पर चढ़ने में डर लगता है कि कहीं लिफ्ट न गिर जाए। इसी प्रकार की एक दूसरी समस्या को चिकित्सकीय भाषा में सामान्य उत्तेजना गड़बड़ी (जनरल एंग्जाइटी डिसार्डर) कहते हैं। इस रोग में रोगी दिन-भर घबराता रहता है। वह मामूली आहट से भी सहम जाता है। इस वजह से उसे नींद नहीं आती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है।

उपचार

इस तरह की मानसिक बीमारियों के उपचार के लिए अब यूएसएफडीए एप्रूव्ड जैसी कई प्रभावशाली दवाएं उपलब्ध हो चुकीं हैं। इन दवाओं के सेवन से 12 से 15 सप्ताह के अन्दर रोगी पूर्णत: स्वस्थ हो जाता है, इसके साथ ही रोगी को मनोचिकित्सकीय परामर्श भी दिया जाता है।

जीभ का स्वाद बिगड़ जाए तो...

- राई - पानी में 10 ग्राम राई को डालकर उबाल लें। इस पानी से प्रतिदिन सुबह-शाम कुल्ला करने से जीभ का स्वाद ठीक हो जाता है।
- नौसादर - 5 ग्राम नौसादर और 5 ग्राम कालीमिर्च को पीसकर इसमें शहद मिलाकर जीभ पर रगड़ें तथा लार को बाहर गिरने दें। इससे जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- दालचीनी - जीभ पर कड़वाहट महसूस होने पर दालचीनी या बच को पीसकर और छानकर इस चूर्ण में शहद मिलाकर सेवन करने से जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- अमलतास - 20 ग्राम अमलतास के गूदे को 250 ग्राम गर्म दूध में मिलाकर कुल्ला करें। इससे अफीम तथा कोकीन के सेवन करने के कारण खराब हुआ जीभ का स्वाद फिर से ठीक हो जाता है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

प्रसव के तुरंत बाद की अवधि को पोस्टपार्टम कहते है। इस अवधि के दौरान एक औरत में अवसाद के लक्षण दिखते है और इसीलिए इसे पोस्टपार्टम (प्रसव के पश्चात आने वाला) अवसाद कहा जाता है।

पोस्टपार्टम अवसाद और 'बेबी ब्लू', दोनों ही स्थितियां एक दूसरे से अलग हैं, इन दोनों प्रकार के अवसाद के लक्षण भिन्न है। 'बेबी ब्लू' प्रसव पूर्व होने वाली ऐसी अवस्था है, जो सबसे सामान्य है और हर तीन में से एक महिला में यह स्थिति पाई जाती है। प्रसव के बाद कुछ हफ्तों में शरीर में हुए हार्मोनल परिवर्तन की वजह से ये विकार होता है। प्रसव के बाद नई मां अक्सर भावनात्मक रुप से संवेदनशील हो जाती है, कुछ ही क्षण में वह खुश हो जाती है और अगले कुछ क्षणों में दुखी। 'बेबी ब्लू' विकार से और भी समस्याएं आ सकती हैं, लेकिन इससे आमतौर पर एक मां की जिम्मेदारी और कार्य में हस्तक्षेप नही होता और कुछ सप्ताह बाद यह बीमारी खत्म हो जाती है।

पोस्टपार्टम अवसाद एक अलग स्थिति है। यह समस्या प्रसव के पहले, दूसरे या तीसरे महीनों में किसी भी समय शुरू हो सकती है। इसमें दु:ख और निराशा महसूस होती है या व्यक्ति कभी-कभी खुद को बेकार और दोषी मानता है। नई मां किसी भी कार्य या बात में एकाग्रता या रुचि लेने मे असमर्थ हो जाती है, यहां तक कि बच्चे की जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाती। कुछ मामलों में बच्चों की जरूरतों को लेकर वो अति व्याकुल भी हो सकती है। वह बहुत चिंतायुक्त, संवेदनशील बन जाती है और उसके मन में इस तरह के परेशान करने वाले विचार बार-बार आने से उसको बच्चे के स्वास्थ्य की भी चिंता होने लगती है। ऐसे में नई मां बार-बार एक ही कार्य करती है, जैसे बच्चे कि बार-बार जांच करती है या फिर लगातार बच्चों के चिकित्सक को फोन करके सवाल पूछती है।

इस विकार के कुछ दुर्लभ मामलों में, लगभग 1000 में से 1 मामले में इस विकार वाली महिला (साइकोटिक) मनोरोगी बन जाती है। जिसमें वह वास्तविकता की पहचान करने में असमर्थ होती है। इस स्थिति को कभी-कभी पोस्टपार्टम मनोविकृति कहा जाता है। इस विकार में मां को मतिभ्रम होता है (जैसे ऐसी आवाजें या महक आना जो वहां नही है) या झूठे भ्रम होना (जैसे उनके बच्चे को शैतान ने पकड़ लिया है) इस प्रकार की हालत मां और बच्चे दोनों के लिए खतरनाक है और अगर ये विकार एक बार हुआ है तो उसकी दूसरे बच्चे के दौरान होने की संभावना ज्यादा होती है।

पोस्टपार्टम अवसाद 10 में से 1 नईं मां में होता है। एक महिला में प्रसव के बाद ये अवसाद हो सकता है, अगर उसमें निम्नलिखित लक्षण हो-

- अगर उस महिला मे पहले से अवसाद इतिहास है।
- पहली गर्भावस्था के दौरान अवसाद हुआ हो।
- शादीशुदा जिंदगी में परेशानी, मित्रों या परिवार मे सहायक सदस्यों की कमी।
- अपने नए शिशु की देखभाल के लिए कठिनाई, खासकर अगर बच्चे को गंभीर चिकित्सा समस्याएं हैं।
- किशोर माताओं, खासकर यदि वे गरीब आर्थिक संसाधनों वाले परिवारों से हैं।
- इस तरह के लक्षणो वाली महिलाओ मे पोस्टपार्टम अवसाद कि विशेष रूप से उच्च जोखिम होती है।

आधे से भी कम महिलाएं जिनको पोस्टपार्टम अवसाद होता है, वो उनकी समस्याओं के लिये चिकित्सा कराती है।

कुछ महिलाएं इस बात से अनजान होती की उनको पोस्टपार्टम अवसाद है और वह इलाज से ठीक हो सकता है। कुछ महिलाएं ऐसा सोचती है की उनको तो एक बच्चा होने के बाद खुश होना चाहिये फिर उनको उदासी क्यों हो रही है, इस तरह के अजीब लक्षणों से उनको शर्मिंदगी होती है और वी किसी से मदद भी नहीं ले पाती।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण

एक महिला जिसको पोस्टपार्टम अवसाद है, उसमें निम्नलिखित लक्षणों में से कोई भी लक्षण हो सकते हैं-

- टीयर फुलनेस निराश लगना और रोना आना।
- कभी-कभी बच्चे के सुरक्षा को ले के सनकी, मजबूर या बेचैन होना।
- कभी बच्चे को संभालने की जिम्मेदारी को ले के खुद को सक्षम ना समझना।
- खुद को निकम्मा, बेकार या दोषी समझना।
- अतिसंवेदनशिल होना या दबाव महसूस होना।
- सभी गतिविधियों में से रुचि चली जाना या किसी बात पर आनंद होना एक मां होने पर भी आनंद ना होना।
- भूख में परिवर्तन (या तो ज़्यादा खाना या आहार में कमी होना)।
- नींद में समस्या (नींद ना लगना, या जल्दी जाग जाना)।
- उत्तेजित दिखना या अत्यंत धीमा होना।
- सामान्य से बहुत थकान होना, जो एक बच्चे में सामान्य है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

यदि आप गर्भवती हैं, तो आपके जीवन शैली में मातृत्व के बाद होने वाले बदलावों की पहले ही तैयारी करके खुद को पोस्टपार्टम अवसाद के जोखिम से बचाने मे सक्षम किया जा सकता है। आप दूसरी माताओ या डॉक्टरों से बात करके नवजात शिशु की देखभाल के बारे मे पूछ सकती हैं और इसमें कोई संकोच की बात नहीं। अगर आपको नवजात शिशु और आप में योग्य तालमेल निर्माण होने में समय लगता है तो आपको अपने साथी या डॉक्टर, जिनको आपकी परवाह है, उनसे मदद लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। अक्सर, जिनमें पोस्टपार्टम अवसाद का एक इतिहास है उनके लिए अवसाद के एण्टीडिप्रेसेंट उपचार के बिना मुकाबला करना मुश्किल होता है। इसलिए प्रसूति के तुरंत बाद डॉक्टर एण्टीडिप्रेसेंट दवा देना शुरू कर सकते हैं। इसके बारे में आपको पहले ही डाक्टर से बात करना चाहिए। एक सामान्य नियम के रूप में डॉक्टरों को दवा की राशि गर्भावस्था के दौरान कम से कम निर्धारित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कभी-कभी अवसाद का जोखिम भ्रूण के जोखिम से भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। इसलिए यह बहुत ही जरूरी है कि आप अपने डॉक्टर के साथ इन बातों पर चर्चा करें।

चिकित्सा के नए आयाम

एलोपैथी आज दुनिया-भर में सर्वाधिक प्रचलित चिकित्सा प्रणाली है। नित नई औषधि-तत्वों की खोज हो रही है। ज्यादातर दवाओं के गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। ऐसे में लोगों का रुझान सैकड़ों वर्षों से व्यवहृत और निरापद चिकित्सा पद्धतियों की तरफ देखा जा रहा है।

धब्बेदार अध :पतन

धब्बेदार अध :पतन एक कठिन रोग है और वह एक नंबर के हैं। एफडीए इलाज को मंजूरी दी गई है। कई तरीकों से काम धीमा करने के लिए, रोक या धब्बेदार अध :पतन के प्रभाव को रिवर्स, कोई भी एक निर्णायक इलाज का परिणाम विश्वसनीय होता है। अध : पतन की जगह लेने के लिए कई परीक्षण हो रहे हैं। इनका उपचार किसी भी हालत के लिए उपयुक्त हो सकता है, अपने नेत्र चिकित्सक के साथ चर्चा करके ठीक तरह से उपचार कर सकते हैं। इसकी स्थिति सक्रिय होती है। धब्बेदार अध : पतन का व्यवहार शुष्क रहता है। यह इंजेक्शन के माध्यम से प्राप्त होता है।

लाभ

अध : पतन प्रोस्टाग्लैंडीन है, इससे रक्त प्रवाह, रेटिना के बीच रक्त प्रवाह के लिए प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार से कोशिकाओं की रक्षा में मदद करता है।

चमत्कारिक पुष्प औषधि रेस्क्यू रेमेडी

कैसे हुई खोज

रेस्क्यू रेमेडी चिकित्सा पद्धति के आविष्कारक रहे हैं डॉ. एडवर्ड बेच जो लन्दन में प्रमुख एलोपैथिक डॉक्टर थे। इस चिकित्सा पद्धति से असन्तुष्ट होने से उन्होंने होम्योपैथिक डिग्री प्राप्त की और होम्योपैथिक पद्धति से चिकित्सा कार्य करना शुरू किया, लेकिन शीघ्र ही वे होम्योपैथिक पद्धति से भी असन्तोष का अनुभव करने लगे और किसी और भी सरल लेकिन सफल चिकित्सा पद्धति की खोज में लग गये। प्रकृति का अध्ययन करते हुए उनका ध्यान फूलों की तरफ गया। उन्होंने विचार किया कि स्वभावत: मनुष्य का मन फूलों की तरह कोमल होता है और मूलत: मनुष्य का अन्तर्मन सौम्य, सरल और भावुक होता है। इसका यह प्राकृतिक रूप मन के जिन छह शत्रुओं से बनता या बिगड़ता है, उनके नाम हैं काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह और मत्सर। इन्हीं विकारों के प्रभाव से मनुष्य अपना प्राकृतिक स्वरूप याने स्वाभाविक अवस्था खो देता है। स्वाभाविक अवस्था का होना स्वास्थ्य है और इसे खो देना अस्वास्थ्य है, रोग है। मनुष्य की स्वाभाविक अवस्था फूलों के समान है और यदि यह अवस्था बिगड़ जावे तो

चिकित्सा के क्षेत्र में जो विभिन्न पद्धतियां प्रचलित हैं, उनमें एक नाम बेच फ्लावर रेमेडीज का भी मौजूद है। इसे रेस्क्यू रेमेडी भी कहते हैं। इस पद्धति की दवाएं चोट लगने की स्थिति में कारगर होती हैं। इनका संक्षिप्त परिचय आइए, जानते हैं।

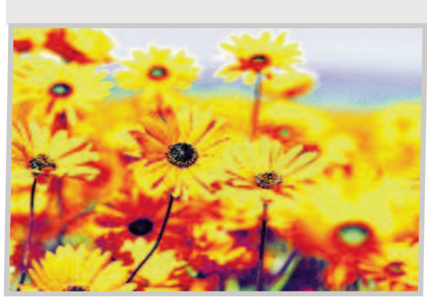

इसे सुधारने के लिये फूलों का प्रयोग किया जा सकता है।

सन 1930 से 1936 तक के 6 वर्ष डॉ. एडवर्ड बेच ने इसी खोज में गुजार दिये और हजारों फूलों पर रिसर्च करने के बाद 38 प्रकार के फूलों को मनुष्य के विकारों को दूर करने में सक्षम पाया और इन 38 प्रकार के फूलों से उन्होंने 38 दवाइयां बनाईं, जो इन्हीं डॉ. के नाम से बेच फ्लावर रेमेडीज के नाम से जानी जाने लगीं। इन 38 दवाओं में से 5 दवाइयां मिलाकर जो 39वीं दवा बनाई गई, उसका नाम रेस्क्यू रेमेडी रखा गया, क्योंकि यह दवा किसी भी खतरनाक और गम्भीर स्थिति से छुटकारा (रेस्क्यू) दिलाने वाली है। इन पांचों दवाइयों की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है-

राकरोज

यह दवा किसी भी दुर्घटना के कारण मन में जो डर या दहशत बैठ जाती है, उसके असर को दूर करती है। जब किसी भी दुर्घटना के कारण मन में इतना डर बैठ जाए कि हर समय वही घटना आंखों के सामने घूमती रहे तो यह दवा बहुत अच्छा काम करती है और मनुष्य शीघ्र ही सामान्य मानसिक अवस्था में आ जाता है।

स्टार ऑफ बेथलहम

यह दवा मानसिक आघात के असर को दूर करती है। कभी-कभी किसी दुर्घटना में शरीर के भीतर अन्दरुनी चोट लगती है, जिसका तत्काल पता नहीं चलता, पर बाद में शरीर में कष्ट पैदा हो जाता है। कई बार ऐसी किसी घटना का मन पर ऐसा गहरा असर होता है कि कई वर्ष गुजर जाने पर भी उसका असर नहीं जा पाता। उस स्थिति में यह दवा पूर्ण सकारात्मक प्रभाव मनुष्य के मन-मस्तिष्क पर करती है।

क्लेमेटिस

जब किसी दुर्घटना के कारण कोई बेहोश हो जाए या अस्वाभाविक रूप से सो जाए, बेसुध हो जाए या कोई ख्याली पुलाव पकाता रहता हो तो यह दवा उसे सामान्य मानसिक अवस्था में ले आती है।

इम्पेशेंस

किसी दुर्घटना के बाद की उत्तेजित अवस्था और चिड़चिड़ेपन की स्थिति इस दवा के सेवन से दूर हो जाती है।

बाल सफेद हो रहे हों तो...

एक चम्मच भर आंवला चूर्ण दो घूंट पानी से सोते समय अंतिम वस्तु के रूप में लें। असमय बाल सफेद होने और चेहरे की कान्ति नष्ट होने पर जादू का सा असर करता है। (साथ ही स्वर को मधुर और शुद्ध बनाता है तथा गले की घर-घराहट भी इससे ठीक हो जाती है।

एक और उपाय है

आंवला चूर्ण का लेप - सूखे आंवलों के चूर्ण को पानी के साथ लेई बनाकर इसका खोपड़ी पर लेप करने तथा पांच दस मिनट बाद केशों को जल से धो लेने से बाल सफेद होने और गिरने बन्द हो जाते है।

आंवला जल से सिर धोएं

25 ग्राम सूखे आंवलों को मोटा कूटकर किए हुए टुकड़ों को 250 ग्राम पानी में रात को भिगो दें। प्रात: फूले हुए आंवलों को कड़े हाथ से मसलकर सारा जल पतले स्वच्छ कपड़े से छान लें। अब इस निथरे हुए जल को केशों की जड़ों में हल्के-हल्के अच्छी तरह मलिए और दस बीस मिनट बाद केशों को सादे पानी से धो डालिए। रूखे बालों को सप्ताह में एक बार और चिकने बालों को सप्ताह में दो बार धोना चाहिए।

कमजोर मांग से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में मामूली गिरावट

नई दिल्ली ।

हाजिर बाजार में सुस्त रुख के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से सोमवार को वायदा कारोबार में एल्युमीनियम की कीमत 55 पैसे की मामूली गिरावट के साथ 351.40 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अक्टूबर डिलीवरी वाले एल्युमीनियम अनुबंध का भाव 55 पैसे टूटकर 351.40 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। इसमें 111 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि उपभोक्ता उद्योगों की ओर से मांग कमजोर पड़ने के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों में की गई कटौती से एल्युमीनियम वायदा कीमतों पर दबाव देखा गया।

एचडीएफसी बैंक में नए सीइओ की प्रक्रिया तेज

मुंबई ।
देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के शेयर अगले एमडी और सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया के चलते निवेशकों के फोकस में हैं। बैंक ने इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दो नाम भेजे हैं, जबकि मौजूदा सीईओ शशिधर जगदीशन का कार्यकाल अक्टूबर 2026 में समाप्त होगा। इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने से ब्रोकरेज हाउसेस ने बैंक के शेयरों पर सकारात्मक रुख अपनाया है। जेफरीज, नोमुरा, बर्नस्टीन और मैक्केरी जैसे ब्रोकरेज ने एचडीएफसी बैंक के शेयर पर बाय या आउटपरफॉर्म रेटिंग के साथ 880 से 1,150 रुपए तक के टारगेट दिए हैं; 1,150 रुपए का उच्चतम लक्ष्य है। ब्रोकरेज का मानना है कि समय पर सीईओ की नियुक्ति से नेतृत्व अनिश्चितता कम होगी। डिप्टी एमडी कैजाद भरूचा प्रमुख आंतरिक उम्मीदवार बताए जा रहे हैं। नोमुरा के अनुसार आंतरिक सीईओ निरंतरता लाएगा, जबकि बाहरी सीईओ रणनीति बदल सकता है। बाजार नए सीईओ की रणनीति पर भी नजर रखेगा। बैंक बोर्ड ने जिमी टाटा को होल-टाइम डायरेक्टर बनाने और एक अतिरिक्त पद का भी प्रस्ताव रखा है, जिससे दीर्घकालिक उत्तराधिकार योजना मजबूत होगी।

प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश में खोला देश का सबसे बड़ा सौर सेल संयंत्र

एक एकड़ में 3,293 करोड़ के निवेश से बनी इकाई

नई दिल्ली ।

सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश के नायडू पेटा में देश का सबसे बड़ा सौर सेल विनिर्माण संयंत्र शुरू कर अपनी कुल क्षमता को बढ़ाकर 10.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) कर लिया है। प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश के नायडू पेटा में 7 जीडब्ल्यू क्षमता वाली नई सौर सेल विनिर्माण इकाई शुरू की है। 101 एकड़ में फैली यह इकाई 3,293 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय से विकसित की गई है और अब यह भारत का सबसे बड़ा सौर सेल विनिर्माण संयंत्र है। यह संयंत्र अत्याधुनिक टनल ऑक्साइड पैसिवेटेड कॉन्टैक्ट तकनीक का उपयोग करता है, जिससे सौर मॉड्यूल की कार्यक्षमता और बिजली उत्पादन क्षमता काफी बढ़ जाती है। इस इकाई में प्रति घंटे लगभग 88,000 सौर सेल का उत्पादन किया जा सकता है। प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चिरंजीव सलूजा ने कहा कि यह क्षमता विस्तार कंपनी को बढ़ती मांग को अधिक भरोसेमंद और परिचालन दक्षता के साथ पूरा करने में सक्षम बनाएगा।

रेलवे वैगन किराये में बदलाव- 1,877 रुपए प्रति वैगन हुआ दैनिक किराया

नई दरें 1 सितंबर से लागू, 2027 तक प्रभावी

नई दिल्ली ।
भारतीय रेलवे बोर्ड ने वैगनों के किराए के शुल्क में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। ये बदली हुई दरें 1 सितंबर से लागू हो गई हैं और 31 अगस्त, 2027 तक प्रभावी रहेंगी। यह कदम रेलवे परिचालन और गैर-रेलवे उपयोग दोनों के वित्तीय समायोजन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार गैर-रेलवे यूज़र्स के लिए एक आठ-पहिए वाले ब्रॉड-गेज (बीजी) वैगन का दैनिक किराया 1,877 रुपये निर्धारित किया गया है। इस शुल्क में 640 रुपये वर्कशॉप मरम्मत, 376 रुपये मूल्यह्रास, 428 रुपये रनिंग मरम्मत और 433 रुपये वैगन सुविधा शुल्क शामिल है। वहीं रेलवे के बीच वित्तीय समायोजन के लिए किराया शुल्क 1,016 रुपये प्रति आठ-पहिए वाले बीजी वैगन प्रतिदिन तय किया गया है। इसमें 640 रुपये वर्कशॉप मरम्मत शुल्क और 376 रुपये मूल्यह्रास शुल्क शामिल हैं। रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि ये दरें अन्य प्रकार के वैगनों पर भी लागू होंगी, जिन्हें आठ-पहिए वाले वैगनों के बराबर माना जाएगा। ये बदले हुए शुल्क सभी पोर्ट ट्रस्ट रेलवे पर भी प्रभावी होंगे। रेलवे बोर्ड ने बताया कि यह परिवर्तन सक्षम अधिकारी द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद किया गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 564, निफ्टी 67 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने आया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी से भी बाजार को सहारा मिला। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 564.03 अंक बढ़कर 74,858.99 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 67.93 अंक उछलकर 23,414.30 के स्तर पर बंद हुआ।आज के कारोबार में फार्मा और रियलिटी क्षेत्रों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। निफ्टी फार्मा इंडेक्स बढ़त के साथ ही 27,021.15 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी रियलिटी इंडेक्स में भी बढ़त के साथ ही 853.85 पर बंद हुआ। उपभोक्ता क्षेत्र के शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी एफएमसीजी भी उछलकर बंद हुआ। निजी बैंकिंग बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में भी उछाल आया। निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज भी बढ़कर बंद हुए। दूसरी ओर मेटल शेयरों में आज सबसे ज्यादा बिकवाली हावी रही, जिससे निफ्टी मेटल इंडेक्स नीचे आकर 12,972.70 के स्तर पर आ गया। इसके

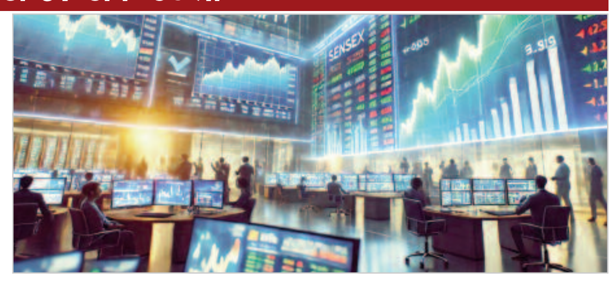

अलावा आईटी और सरकारी बैंकों के शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स गिरावट पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक हल्की गिरावट के साथ 8,312.40 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी ऑटो इंडेक्स भी हल्की बढ़त के साथ 27,151.10 पर और निफ्टी मीडिया उछलकर 1,555.95 के स्तर पर बंद हुआ। आज बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों से भी बाजार में सहारा मिला। ब्रॉडर मार्केट का मूड पूरी तरह से पॉजिटिव बना रहा। स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 400 अंक से अधिक चढ़कर 74,700 के करीब पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी भी 23,380 के आंकड़े को पार कर गया।

एनएसई के शेयरधारकों ने कायम रखी अहम हिस्सेदारी

22,569 करोड़ के निर्गम में संस्थागत निवेशकों का भरोसा बरकरार

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के 22,569 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के तहत बिक्री पेशकश (ओएफएस) में शेयर बेचने के बावजूद, इसके ज्यादातर मौजूदा शेयरधारकों ने अपनी हिस्सेदारी का बड़ा हिस्सा बनाए रखा है। यह आईपीओ बोली के दूसरे दिन ही पूर्ण अभिदान प्राप्त कर चुका है और 2024 में हुंडै मोटर इंडिया के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बना है, जिसने 2022 के एलआईसी आईपीओ को भी पीछे छोड़ा है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि ओएफएस में मुख्य रूप से संस्थागत निवेशक शामिल थे। आईपीओ से पहले एनएसई की 36.82 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले इन निवेशकों ने अपनी कुल हिस्सेदारी का केवल 5.11 फीसदी बेचा। इनमें नौ विदेशी और 11 घरेलू संस्थागत निवेशक (जिनमें 10 सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाएं शामिल हैं) थे।

अरांडा इन्वेस्टमेंट्स, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स जैसे बड़े शेयरधारकों ने अपनी हिस्सेदारी में औसतन करीब सात प्रतिशत की मामूली कमी की। यह दर्शाता है कि ओएफएस ने निवेशकों को आंशिक मुनाफावसूली का अवसर दिया, जबकि उन्होंने एनएसई में बड़ी रणनीतिक हिस्सेदारी बनाए रखी, जो उनके मजबूत विश्वास का संकेत है।

चेन्नई में हरे पैकेट की कमी से आविन दूध की बिक्री में भारी गिरावट

आपूर्ति में कमी के कारण पिछले छह माह में बिक्री में 10-15 फीसदी गिरावट

चेन्नई ।
चेन्नई समेत तमिलनाडु के कई प्रमुख शहरों में सरकारी डेयरी सहकारी आविन के दूध की किल्लत गहरा गई है। पिछले छह महीनों में विशेषकर इसके सबसे लोकप्रिय हरे पैकेट की उपलब्धता कम होने से बिक्री में 10 से 15 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस आपूर्ति संकट के चलते उपभोक्ताओं को न केवल अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मुश्किल हो रही है, बल्कि उन्हें अधिक कीमतों पर निजी डेयरी ब्रांडों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे उनका मासिक बजट बिगड़ रहा है। कभी चेन्नई में प्रतिदिन लगभग 16.5 लाख लीटर दूध बेचने वाली आविन की बिक्री अब काफी घट गई है। एजेंटों का आरोप है कि यह समस्या सहकारी समिति द्वारा दूध की अपर्याप्त खरीद के कारण है, जिसे मांग के अनुरूप नहीं बढ़ाया गया है। अगस्त से यह कमी और भी गंभीर हो गई है, जिससे आविन आउटलेट्स और दुकानों पर हरे पैकेट वाले दूध की भारी कमी है। यह संकट अब सिर्फ चेन्नई तक सीमित नहीं है, बल्कि कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, मदुरै, सलेम और इरोड जैसे अन्य जिलों में भी फैल गया है। कई आउटलेट्स पर दूध की आपूर्ति कम कर दी गई है, जिससे ग्राहकों को सुबह जल्दी ही दूध खरीदना पड़ रहा है या महंगे निजी ब्रांडों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कुछ छोटी दुकानों पर आधे लीटर वाले हरे पैकेट (सरकारी कीमत 22 रुपये) को 24 रुपये में बेचा जा रहा है, जिससे परिवारों का मासिक खर्च बढ़ रहा है।

ग्लोबल सेमीकंडक्टर बाजार, 2026 तक 1.6 ट्रिलियन डॉलर के पार

सैमसंग और एसके हाइनिक्स का दबदबा बरकरार रहेगा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते निवेश ने वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक यह बाजार 1.6 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा, जो पहले के अनुमानों से डेढ़ गुना अधिक है।

यह अनुमान एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में अमेरिकी और चीनी हाइपरस्केलर कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश का सीधा परिणाम है। कोरिया एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक के रिसर्च सेंटर द्वारा वैश्विक बाजार अनुसंधान कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2026 में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 1.6 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा छू लेगा। यह आंकड़ा पिछले साल तक लगाए गए अनुमान से कहीं ज़्यादा है, जिसमें 2030 तक ही 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई गई थी। इस तीव्र वृद्धि का मुख्य कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर संचालित करने वाली प्रमुख अमेरिकी और चीनी कंपनियों द्वारा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को तेजी से बढ़ाना है।

हालांकि, एआई उद्योग के कुछ हिस्सों में तकनीक पर नियंत्रण खोने की चिंताओं के चलते इसके विकास की रफ्तार धीमी करने की मांग भी उठ रही है, लेकिन बाजार की गति थमने का नाम नहीं ले रही। रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी और एसके हाइनिक्स इंक द्वारा निर्मित मेमोरी चिप्स वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में आधे से अधिक हिस्से पर कब्जा करने की उम्मीद है, क्योंकि एआई सिस्टम द्वारा प्रोसेस किए जाने वाले डेटा की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने के अंत तक डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी और एनएएनडी फ्लैश मेमोरी चिप्स की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में क्रमशः 4.4 गुना और 9 गुना की बढ़ोतरी देखी गई है। नवीनतम अनुमान बताते हैं कि अगले साल से मेमोरी चिप्स की कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है। इसके बावजूद, मजबूत मांग के कारण वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वृद्धि जारी रहेगी और 2030 तक इसके लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बड़ी टेक कंपनियां सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी मेमोरी चिप निर्माता कंपनियों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रही हैं, जिससे सेमीकंडक्टर उद्योग को पहले की तुलना में अधिक स्थिरता मिलेगी।

उद्योग के सूत्रों के अनुसार एआई में निरंतर निवेश और एआई सेवाओं के विस्तार को देखते हुए निकट भविष्य में मेमोरी चिप बाजार की रफ्तार धीमी पड़ना मुश्किल है।

एचएएल शेयरों में तेजी, ब्रोकरेज फर्मों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी

नई दिल्ली।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। ब्रोकरेज फर्म सिटी और गोल्डमैन सैक्स द्वारा डिफेंस पीएसयू के लिए बाय रेटिंग बरकरार रखने और उच्च टार्गेट प्राइस देने के बाद यह उछाल आया। फर्मों ने फाइटर एयरक्राफ्ट, ट्रेनर और हेलीकॉप्टर के काम में सुधार, सप्लाई संबंधी दिक्कतें कम होने और डिलीवरी में तेजी को इसकी मुख्य वजह बताया है। सुबह करीब साढ़े 9 बजे बीएसई पर एचएएल का शेयर 1.28 फीसदी की तेजी के साथ

4,862.65 रुपये पर कारोबार कर रहा था। सिटी ने एचएएल के लिए 6,175 रुपए का टार्गेट प्राइस तय किया है, जो शुक्रवार के बंद भाव से लगभग 29 प्रतिशत अधिक है। वहीं, गोल्डमैन सैक्स ने 5,870 रुपए के टार्गेट के साथ बाय कॉल बरकरार रखी है, जो 22 प्रतिशत की बढ़त का संकेत देता है। इस साल अब तक एचएएल का शेयर 9.2 प्रतिशत ऊपर चढ़ा है, निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन करते हुए। ब्रोकरेज फर्मों के अनुसार, एचएएल विभिन्न प्लेटफॉर्म पर अपनी उत्पादन क्षमता और डिलीवरी में लगातार सुधार कर रहा है। कंपनी ने हाल ही में भारतीय वायु सेना को दो एलसीए तेजस एफओसी ट्विन-सीट ट्रेनर और तीन एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर सौंपे हैं, साथ ही पवन हंस को चार ध्रुव नेक्स्ट जेनरेशन हेलीकॉप्टर भी दिए हैं। एचएएल मैनेजमेंट का लक्ष्य मार्च 2027 तक 10 एलसीए एमके-1ए एयरक्राफ्ट की डिलीवरी करना है। जीई द्वारा अतिरिक्त एफ404 इंजन की डिलीवरी से उत्पादन तेज होगा, जो सरकार के स्वदेशी रक्षा निर्माण प्रयासों के अनुरूप है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.79 पर बंद हुआ। आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 24 पैसे की मजबूती के साथ 95.72 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती बढ़त और विदेशी कोषों की लिवाली ने निवेशकों की धारणा को सहारा दिया। हालांकि, तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग और डॉलर सूचकांक में मजबूती ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.86 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 95.72 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की तेजी दर्शाता है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे टूटकर 95.96 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.31 पर कारोबार कर रहा था।

एकेटीयू का इनोवेशन हब लॉन्च, यूपी के स्टार्टअप्स को मिलेगा नया मुकाम

निवेशकों, इनक्यूबेटरों और उद्यमियों को जोड़ेगा मंच, यूपी के स्टार्टअप परिवेश को मिलेगी गति

लखनऊ ।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू), लखनऊ ने उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप परिवेश को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल मंच इनोवेशन हब का अनावरण किया है। यह मंच राज्य भर के निवेशकों, इनक्यूबेटरों और उभरते उद्यमियों को एक साझा डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र पर लाएगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने हाल ही में इसे लॉन्च किया, जिसका लक्ष्य स्टार्टअप, निवेशक और इनक्यूबेटर जैसे सभी संबंधित पक्षों को एक साझा पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ना है। नोएडा की सांची कनेक्ट द्वारा विकसित यह मंच, स्टार्टअप्स को निवेश और बाजार तक पहुंच प्रदान करने में मदद करेगा।

एकेटीयू इनोवेशन हब के एक अधिकारी ने कहा कि यह मंच राज्य की प्रतिभा को सही कनेक्शन देगा। उत्तर प्रदेश देश का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश है, और इनोवेशन हब इस क्षमता का पूरा उपयोग करने में मदद करेगा।

अब तक 35 इनक्यूबेटर इससे जुड़ चुके हैं और एकेटीयू विश्वविद्यालय की मदद से इस संख्या को 70 तक पहुंचाने में मदद करेगा।

कच्चे तेल में गिरावट, ब्रेंट क्रूड लगभग 102 डॉलर

नई दिल्ली ।
वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड का वायदा लगभग 2 फीसदी गिरकर 102 डॉलर प्रति बैरल, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 2 फीसदी से अधिक फिसलकर 94 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया। पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद, आपूर्ति को लेकर बाजार का डर कम हुआ है, जिससे कीमतों पर दबाव बना है। इस कमी की मुख्य वजह सऊदी अरब से तेल की आपूर्ति में सुधार की उम्मीद है। हमलों से प्रभावित हुई सऊदी की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन की आधी क्षमता जल्द शुरू होने की संभावना है, जिससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति की कमी का डर घटा है। साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात की संभावना ने अमेरिका-ईरान तनाव कम होने की उम्मीद जगाई है, जिससे पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा कम हुआ है। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि गिरावट जारी रहेगी, क्योंकि सऊदी ऊर्जा ठिकानों पर हमलों का खतरा और

होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी चिंताएं अभी खत्म नहीं हुई हैं। बाजार सुधार की उम्मीदों और भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच फंसा है। भारत के लिए यह राहत भरी खबर है, क्योंकि देश तेल का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यदि यह गिरावट बनी रहती है, तो आयात बिल, रुपये और महंगाई पर दबाव कम हो सकता है।

सोने के दाम 881 रुपए गिरे, चांदी में 1,599 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली ।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में सुस्ती देखने को मिली। घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) और वैश्विक बाजार (कॉमेक्स) दोनों में ही कीमती धातुओं के भाव गिरावट के साथ खुले और पूरे दिन कारोबार के दौरान दबाव में रहे। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर खबर लिखे जाने तक अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 747 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,634 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। इसका बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 1,54,381 रुपये के पिछले बंद भाव के मुकाबले 881 रुपये की कमी के साथ 1,53,500 रुपये पर खुला था। इसी तरह दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी भी 1,474 रुपये टूटकर 2,40,129 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी। चांदी का वायदा भाव 2,41,603 रुपये के पिछले बंद भाव से 1,599 रुपये की गिरावट के साथ 2,40,004 रुपये पर खुला था।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने-चांदी में नरमी का रुख बना रहा। सोना 28.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,396.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 4,424.90 डॉलर था। चांदी भी 0.48 डॉलर गिरकर 66.66 डॉलर प्रति औंस पर थी, जिसका पिछला बंद भाव 67.14 डॉलर था।

टाटा संस में फिर कानूनी जंग, ट्रस्ट् ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति को चुनौती दी

मुंबई ।

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाला सबसे बड़ा शेयरधारक, टाटा ट्रस्ट्स, कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति के प्रस्ताव को कानूनी रूप से चुनौती देने की तैयारी में है। ट्रस्ट्स ने इस प्रस्ताव को अवैध करार देते हुए अदालत का रुख करने पर विचार कर रहा है।

चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 में समाप्त हो रहा है और उन्हें अगले पांच साल के लिए फिर से चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स विभिन्न कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भी सोशल मीडिया पर इस विवाद में शामिल होने की पुष्टि की है, जिससे कानूनी प्रक्रिया तेज होने की संभावना है।

ट्रस्ट् ने एक बयान में कहा कि चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति का प्रस्ताव अवैध है, क्योंकि टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (एओए) के तहत बोर्ड का कोई भी फैसला ट्रस्ट्स द्वारा नामित निदेशकों के बहुमत के समर्थन के बिना नहीं लिया जा सकता। ट्रस्ट् ने स्पष्ट किया कि एओए सुविधा के लिए नहीं हैं कि इनका उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाए और अनावश्यक होने पर अनदेखा कर दिया जाए। इसके समर्थन में ट्रस्ट्स ने रतन टाटा-साइरस मिस्त्री मामले का हवाला दिया, जिसमें ट्रस्ट्स के नामित निदेशकों के सहमति वाले वोटिंग अधिकार का मुद्दा मुख्य था। सिंघवी ने (संभावित रूप से नोएल टाटा की ओर से) शेयरधारकों के मौलिक अधिकारों को निष्क्रिय करने और कंपनियों में कारोबार संचालन के लिए इसके संभावित विनाशकारी प्रभावों पर जोर दिया।

उन्होंने टाटा ट्रस्ट् के भीतर लोकतांत्रिक निर्णय प्रक्रिया में बाधा को भी कानूनी तौर पर संदिग्ध बताया है।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स 2026:

भारत ने पाकिस्तान को धोया

कबड्डी-हॉकी में भी छाए भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भारतीय खिलाड़ी कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स, वुशू, हॉकी, निशानेबाजी, तैराकी, सॉफ्ट टेनिस, बॉक्सिंग और सेपक टकरा जैसे इवेंट्स में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं. एशियन गेम्स 2026 के पहले दिन भारत ने दो सिल्वर मेडल जीते थे. सोनम मस्कर, इलावेलिन वलारिवन और विदर्सा विनोद की तिकड़ी ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भारत को रजत पदक दिलाया. फिर इलावेलिन वलारिवन ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल इंडिविजुअल इवेंट में भी सिल्वर पर निशाना साधा.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी बांग्लादेश को 114 रनों से हराकर फाइनल का टिकट

हासिल किया. अब विमेंस क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में भारत की टक्कर श्रीलंका से 22 सितंबर को होगी. हॉकी, टेबल टेनिस में भी भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा. मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में सुचिका तारियाल ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया. तैराकी, वुशू और टेकबॉल में भारतीय खिलाड़ियों ने निराश किया. भारत और पाकिस्तान के बीच हुए दोनों मुक़ाबलों में खेल भावना देखने को मिली. इससे पहले भारतीय महिला टीम ने भी अपने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाया. बाद में भारत की 3-0 से शानदार जीत के बाद पायस जैन और पाकिस्तान की टीम ने भी नेट के पास हाथ मिलाया ।

ओडिशा टी20 लीग

गौरव चौधरी ने खेली धमाकेदार पारी

संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया

कटक । संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9

चौके और 6 छक्के लगाए। गौरव चौधरी को शांतनु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की। आउट होने से पहले शांतनु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे। हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। अभिषेक सिंह कटक पैंथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

यहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं, जापान के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा: अय्यर

सानो (जापान), एजेंसी । भारत और जापान की पुरुषों क्रिकेट टीम के बीच मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऐतिहासिक टी20 मैच खेला जाना है, लेकिन सोमवार को तेज बारिश के कारण भारत का ट्रेनिंग सेशन रद्द करना पड़ा। हालांकि, कप्तान श्रेयस अय्यर मेजबान जापान के खिलाफ भारतीय पुरुष क्रिकेट इतिहास के पहले टी20 मैच को लेकर पूरे जोश में हैं। उन्होंने इस मुकाबले को एक नई जगह पर 'रोमांचक चुनौती' बताया है। मुकाबले से पहले अय्यर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, 'यह हमारे लिए एक रोमांचक और दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। ऐसा पहली बार है, जब हम जापान के विरुद्ध खेलेंगे। मुझे वहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन एक शानदार मैच की उम्मीद है।' भारतीय टीम पहली बार जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलने जा रही है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने जापानी खिलाड़ियों के बारे में जानने के लिए वीडियो फुटेज और डिजिटल क्लिप्स का सहारा लिया।

कप्तान अय्यर ने कहा, 'मैंने इधर-उधर कुछ वीडियो क्लिप्स देखी हैं। लेकिन हां, हम खिलाड़ियों के बारे में और जानकारी हासिल करेंगे और कल के मैच के लिए बहुत उत्साहित हैं। उम्मीद है कि बारिश नहीं होगी और स्टेडियम में आने वाले सभी दर्शकों को एक अच्छा, कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।' अय्यर ने यह भी बताया कि कैसे वे देश जहां पारंपरिक रूप से क्रिकेट नहीं खेला जाता था, अब तेजी से इस खेल को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन हां, अब हर देश में क्रिकेट लोकप्रिय हो रहा है और सभी टीमें अपने-अपने तरीके से मजबूत हो रही हैं। इसलिए मुझे यकीन है कि कल का मैच भी रोमांचक होगा।' भारतीय टीम के लिए जापान का दौरा पारंपरिक विदेशी दौरों से बिल्कुल अलग अनुभव है। कप्तान ने कहा, 'निश्चित रूप से यह ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जाने के हमारे पुराने अनुभवों से बिल्कुल अलग है। यह हमारा पहला दौरा है, और यहां की संस्कृति और लोगों का अनुशासन का तरीका बहुत अलग है। मुझे नई संस्कृतियों को अपनाना और वहां के माहौल व रहने-सहने के तौर-तरीकों में जल्द से जल्द ढलना पसंद है। इसलिए यह हमारे लिए एक नई चुनौती है, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्साहित हैं। हमने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और जापान के बीच दोस्ती मजबूत हुई है। उम्मीद है कि सब अच्छा होगा।

एशियन गेम्स 2026:

सुचिका तारियाल 700 ग्राम ज्यादा वजन की वजह से हारीं मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी सुचिका तारियाल ने भारत को एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल तो जिता दिया लेकिन इस खिलाड़ी का गोल्ड जीतने का सपना टूट गया. बड़ी बात ये है कि सुचिका खराब खेल की वजह से मैच नहीं हारी, बल्कि एक नियम ने उन्हें सेमीफाइनल से बाहर कर दिया. सुचिका को प्वाइंट्स के आधार पर नहीं बल्कि वजन के आधार पर हार झेलनी पड़ी. आइए आपको बताते हैं क्या है सुचिका तारियाल का 700 ग्राम वजन का विवाद, आखिर क्यों फूट-फूटकर रोने को मजबूर हुई भारतीय खिलाड़ी?

सुचिका तारियाल की विवादित हार – सुचिका तारियाल 60 किलो वर्ग के सेमीफाइनल में सिंगापुर की हुई हून तेओ से भिड़ रही थीं. दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा. रेगुलेशन टाइम और ओवरटाइम के बाद भी जज ये फैसला नहीं कर सके कि जीता कौन? शुरू में जजों ने तेओ को विजेता घोषित

किया लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने विरोध जताया. भारत ने 1000 डॉलर फीस देकर फैसले पर दोबारा विचार करने की कार्यवाही कराई और नए जजों ने फुटेज देखने के बाद मुकाबले को ड्रॉ घोषित किया. लेकिन मुकाबला ड्रॉ होने के बावजूद सुचिका हार गई.

इस नियम की वजह से हारीं सुचिका – एशियन मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के नियमों के मुताबिक जब मुकाबला ड्रॉ रह जाए और दूसरे टाई-ब्रेकर भी बराबर हों तो सुबह के वजन के आधार पर फैसला होता है. नियम के मुताबिक हल्का वजन वाला खिलाड़ी विजेता माना जाता है. सुचिका का वजन लगभग 59.2 किग्रा था, जबकि तेओ का वजन 58.5 किग्रा था , यानी सुचिका का वजन 700 ग्राम ज्यादा था. इसी वजह से तेओ को फाइनल का टिकट दे दिया गया और सुचिका को ब्रॉन्ज मेडल मिला. सुचिका इस फैसले से बेहद नाराज और दुखी हुईं. वो मैट पर ही फूट-फूटकर रोने लगी. इस खिलाड़ी ने शुरुआत में रेफरी और विरोधी खिलाड़ी से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था. सुचिका ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को एमएमए में पहला मेडल तो दिलाया लेकिन सच ये है कि वो गोल्ड मेडल के मौके से चूक गईं.

एशियन गेम्स 2026:

भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, एकतरफा मुकाबले में जापान को 49-23 से हराया

नागोया, एजेंसी । एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49-23 से हराया। भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे। पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला। आशू मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशू रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया। हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए। भारत ने दूसरे हाफ में पवन सहरावत और अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को उतारा। अर्जुन ने आते के साथ ही प्वाइंट हासिल किया। इसके बाद भारतीय टीम एक बार फिर जापानी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही। अंत में जापान के डिफेंस ने अच्छा खेल दिखाते हुए भारत के रेडर्स की कई रेडों को नाकाम किया लेकिन तब तक भारतीय टीम बहुत बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी। आशू मलिक और राहुल भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में जीत के नायक रहे। अगले मैच में टीम इंडिया की भिड़ंत अब मंगलवार को साउथ कोरिया से होगी। भारतीय टीम अपनी इसी फॉर्म को साउथ कोरिया के खिलाफ भी जारी रखने के इरादे से उतरेगी।

आईएसएल में नई शुरुआत:

करण यादव बने नए सीईओ , क्लब-आधारित मॉडल के नए दौर में पहुंची लीग

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग ने सोमवार को करण यादव को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया। भारतीय फुटबॉल में क्लब-आधारित नए दौर की शुरुआत के बीच यादव को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह लीग ऑफिस की कमान संभालने के साथ कमर्शियल ग्रोथ, ब्रॉडकास्ट रणनीति और फैंस के साथ जुड़ाव को मजबूत करने पर काम करेंगे।

करण यादव ने नई भूमिका पर क्या कहा?

यादव ने आईएसएल की नई व्यवस्था और अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, आईएसएल एक महत्वपूर्ण नए अध्याय में प्रवेश कर रही है और मैं आगे की दिशा तय करने में योगदान देने के इस अवसर को लेकर उत्साहित हूं।

कोहली-डिविलियर्स नहीं : इस युवा खिलाड़ी की स्किल चुराना चाहते हैं सूर्यकुमार ! कम उम्र में ही बनाए कई रिकॉर्ड्स

मुंबई, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। अब सूर्यकुमार यादव ने भी उनकी तारीफ की है। दूसरे क्रिकेटर की एक स्किल हासिल करने के सवाल पर सूर्यकुमार ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गजों के बजाय सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने उस खिलाड़ी का नाम बताया है, जिसकी एक खास स्किल वह अपने खेल में चाहते हैं। हैरानी की बात यह रही कि उन्होंने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे बड़े नामों के बजाय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को चुना। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि वह किसी दूसरे क्रिकेटर की कौन सी स्किल अपने अंदर लेना चाहेंगे, तो उन्होंने सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' को दिए इंटरव्यू में सूर्यकुमार ने

कहा, 'एक युवा लड़का है, आपने उसका नाम जरूर सुना होगा- वैभव सूर्यवंशी। निश्चित रूप से उसकी छक्के लगाने की क्षमता।'

आईपीएल 2026 में 72 छक्के लगाए थे – वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया।

जॉनसन-स्टेनलेक बाहर ,एडवर्ड्स को मौका, साउथ अफ्रीका से वनडे से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम में बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज जैक एडवर्ड्स साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल होने के बाद वनडे में डेब्यू करने के करीब हैं। ऑलराउंडर अभी भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ पुडुचेरी में हैं। यहां से डरबन जाएंगे। गुरुवार को पहला वनडे है। वह इंडिया ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलिया के चार दिन के मैच की तैयारी कर रहे थे। तेज गेंदबाज बिली स्टेनलेक जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान साइड स्ट्रेन के बाद सीरीज से बाहर हो गए हैं।

स्टेनलेक अपने पांचवें ओवर के बीच में चोटिल हो गए। ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद उनका स्कैन होगा। इस बीच स्पेंसर जॉनसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे में से दो में खेलने के बावजूद टीम से रिलीज कर दिया गया है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को चोट नहीं लगी है, लेकिन मैनेजमेंट को लगा की साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनकी जरूरत नहीं होगी। वह अगले महीने पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से तीन 50-ओवर के मैच के लिए जुड़ेंगे।

पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की टीम से जुड़ेगे – जॉनसन 18 महीने के अंतराल के बाद वनडे क्रिकेट में लौटे और रविवार को जिम्बाब्वे पर ऑस्ट्रेलिया की रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो विकेट लिए और आखिरी विकेट के लिए 27 रन की साझेदारी में योगदान दिया। पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क डरबन में ऑस्ट्रेलियी की टीम से जुड़ेगे। नाथन एलिस, जोश हेजलवुड और जेवियर बार्टलेट दूसरे पेस ऑप्शन होंगे। वनडे मैच 24, 27 और 30 सितंबर को डरबन, जोहान्सबर्ग और पोटचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे।

21 साल के पाकिस्तानी बल्लेबाज ने ठोका हाहाकारी शतक

ऐसा करने वाला बना पहला खिलाड़ी

सीपीएल यानी कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में पाकिस्तानी बल्लेबाज के बल्ले का धमाल देखने को मिला. 21 साल का ये वही पाकिस्तानी बल्लेबाज है, जिसके नाम सीपीएल के सबसे छोटे सेंचुरियन होने का भी रिकॉर्ड दर्ज है. हम बात कर रहे हैं माज सदाकत की, जिन्होंने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया और सीपीएल 2026 में अपना दूसरा शतक जड़ा है. इससे पहले माज सदाकत ने एलिमिनेटर मुकाबले में भी शतक जड़ा था और सीपीएल में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने थे. सीपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ जमैका किंग्समेन ने पहले बल्लेबाजी की. जमैका किंग्समेन के लिए माज सदाकत और किर्क मैकेन्जी ने ओपन किया. अब मैकेन्जी तो बिना खाता खोले ही आउट हो गए. लेकिन 21 साल के पाकिस्तानी माज सदाकत ने अपने इरादे साफ जता दिए. नतीजा ये हुआ कि मैच के आखिरी ओवर तक उन्होंने ना सिर्फ एक छोर संभाले रखा बल्कि जमैका किंग्समेन के स्कोर बोर्ड को भी चलाते रहे. ऐसा करते हुए माज सदाकत सीपीएल फाइनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए.

49 गेंदों में फाइनल में जमाया शतक – माज सदाकत ने सीपीएल 2026 के फाइनल में 58 गेंदों पर 114 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के और 8 चौके शामिल रहे. इस पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक सिर्फ 49 गेंदों में पूरा किया. ये उनके सीपीएल और टी-20 करियर का दूसरा शतक है. इससे पहले अपना पहला सीपीएल सीजन खेल रहे माज सदाकत ने एलिमिनेटर मैच में 44 गेंदों में शतक लगाया था. माज सदाकत ने एलिमिनेटर में 112 रन बनाए थे. उस लिहाज से फाइनल में बनाए 114 रन, उनके टी20 करियर का सबसे बड़ा स्कोर है.

माज सदाकत के शतक की बदौलत बने 170 रन – माज सदाकत के शतक की बदौलत ही जमैका किंग्समेन 20 ओवर में 9 विकेट पर 170 रन बनाने में कामयाब रही. उनके शतक को अगर निकाल दें तो टीम के बाकी बल्लेबाज फाइनल में फेल दिखे. बाकी बल्लेबाजों में सिर्फ एक और सैम अयूब ही दहाई के आंकड़े को पार करने में कामयाब रहे. सैम अयूब ने 29 रन बनाए और टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे. मतलब कहा जा सकता है जमैका किंग्समेन अपने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भरोसे ही फाइनल में फाइटिंग टोटल खड़ा कर सकी ।

एमएलएस : 2-2 से ड्रॉ रहा इंटर मियामी और सैन डिएगो के बीच खेला गया मुकाबला, मेसी ने दागा एक गोल

मियामी । एमएलएस रेगुलर सीजन में इंटर मियामी सीएफ और सैन डिएगो एफसी के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। इंटर मियामी को इस मैच में एक अंक मिला। टीम के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने गोल किए। मेहमान टीम सैन डिएगो एफसी ने मैच के 12वें मिनट में एंडर्स ड्रायर के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। इसके बाद 24वें मिनट में लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से शानदार गोल दागते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मेसी की फ्री-किक सीधे गोल के ऊपरी बाएं कोने में गई और गोलकीपर उसे रोक नहीं पाया। यह मेसी का इस सीजन का 20वां गोल रहा। वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। इसके साथ ही मेसी एमएलएस इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार तीन सीजन में 20 या उससे अधिक गोल किए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि एलएएफसी के डेनिस बुआंगा ने 2023 से 2025 के बीच हासिल की थी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 4016

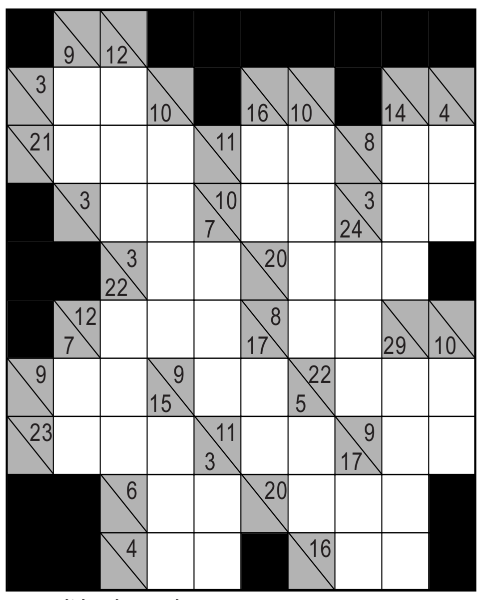

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

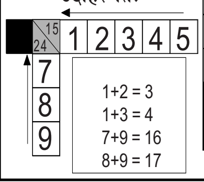

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4015 का हल

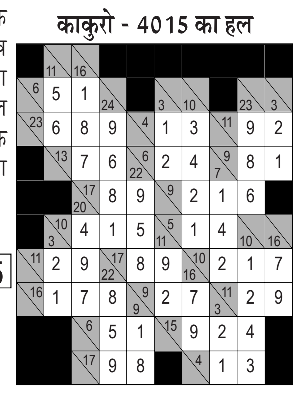

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, वरेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4016

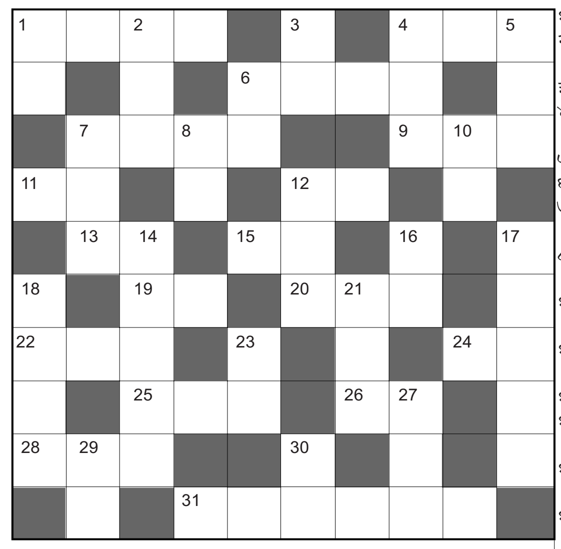

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4015

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	रा		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	र			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

सूडोकु -4016

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4015 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली -4016

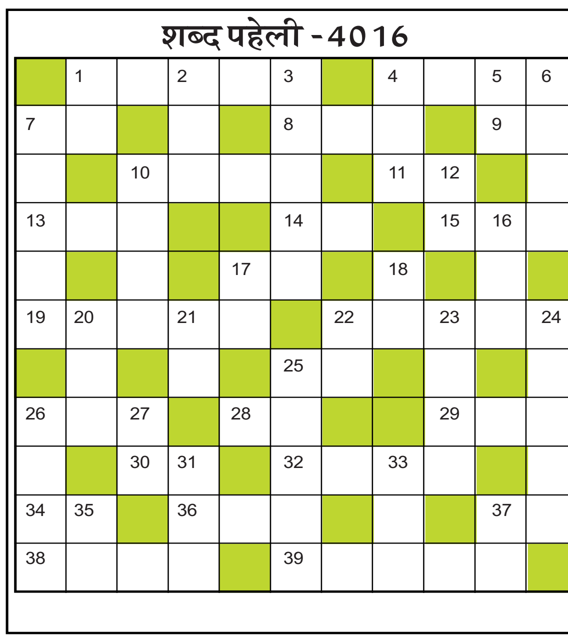

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -4015 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न	
स			य		म		ह			ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		रा	ख	
	दा		का	म		च	प्पू		रा	
	व	जु		न	म	न		पा		मु
क	त	रा			हा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

चूज योर शूज

- हील की साइज के बारे में प्रैक्टिकल होकर सोचें।
- ऐसे रंग चुनें जो आपके वार्डरोब से मिक्स-मैच हो सकें।
- ब्लैक और ब्राउन के अलावा रेड, व्हाइट जैसे रंगों के जूते भी जरूर खरीदें।
- एक्सपेरिमेंट करने से पीछे नहीं हटें। चाहें तो बीच, इंडिगो, बेबी पिक, गोल्डन कलर के सैंडिल्स/शू भी खरीद सकती हैं।
- यदि आपने व्हाइट कलर की कुर्ती पहनी है और उस पर यलो कलर का डिजाइन है तो आप यलो कलर की सैंडिल भी पहन सकती हैं।
- आपकी लंबाई कम है और आप स्टिलेटोज में कंफर्ट नहीं फील करती तो वेज हील्स आपके लिए सही है।
- वेज हील की खासियत है कि कुर्ता, साड़ी, स्कर्ट, जीन्स के साथ ये सही दिखते हैं। बस ट्राउजर और प्लीटेड स्कर्ट के साथ जमते नहीं।
- इन दिनों मेटेलिक टच ट्रेंड में है लेकिन ध्यान रखें कि यह बहुत हार्ड न हो।
- बकल, स्टड, चेन शू पर लगे हों तो अच्छे लगते हैं। यह सिपल ड्रेस को ग्लैमरस लुक देता है।
- यदि आपकी सैंडिल के अगले हिस्से पर कोई स्टोन लगा है तो यह पार्टी के लिए सही है।
- यदि आप स्टिलेटोज में कंफर्ट फील करती हैं तो स्ट्रैपी स्टिलेटोज जरूर खरीदें। यह डेलिकेट लुक देता है।
- नी लेंथ ड्रेस या स्कर्ट के साथ स्टिलेटोज बेस्ट दिखते हैं।
- ब्लैक कलर की हाई हील किसी भी ड्रेस को परफेक्ट लुक देती है।
- मीटिग के लिए जाते समय कम हील वाली सैंडिल पहनें।
- ट्रेडिशनल ड्रेसेज के साथ सैंडिल ही अच्छी दिखती हैं लेकिन ब्लैक, ब्राउन के अलावा अन्य रंगों में भी सैंडिल्स खरीदिए।
- ऑफिस के लिए भी सैंडिल्स ही ठीक हैं। इसके अलावा क्लॉग्स पहन सकती हैं। ये कम, मीडियम और हाई हील्स में मिलते हैं, आप अपनी पसंद का ले सकती हैं।
- कॉलेज जाने वाली लड़कियों के बीच भी क्लॉग्स फेमस है।
- मोजरी तो आपके शू रैक में होना ही चाहिए। इन्हें पहनकर आप क्लासिक और स्टाइलिश दिख सकती हैं।
- प्लेन व्हाइट टी-शर्ट और जीन्स को क्लासी टच देना है तो ऑरेंज या रेड कलर की मोजरी पहनिए।
- चाहें तो लांग स्कर्ट, छोटी कुर्ती के साथ भी मोजरी पहन सकती हैं। इससे इंडो-वेस्टर्न लुक मिलता है।
- आपके वार्डरोब में व्हाइट और रेड कलर के स्नीकर्स की जगह हो तो बढ़िया है।
- कैजुअल, वॉकिग, फिटनेस, रनिग, टेनिस कई तरह के स्नीकर्स मार्केट में उपलब्ध हैं। अपने कलेक्शन में वॉकिग या कैजुअल स्नीकर्स को जरूर शामिल कीजिए।
- जीन्स, कैप्री स्कर्ट के साथ ये सूट करते हैं।
- सलवार-कमीज या लांग स्कर्ट के साथ ये बिल्कुल अच्छे नहीं दिखते।
- लेदर, वेलवेट या रेक्सीन के बूट अगर आपके पास हों तो अच्छा है। वैसे वेलवेट के बूट में पैर सांस ले पाते हैं।
- बूट्स छोटी बॉडी हगिग स्कर्ट के साथ फिट दिखते हैं।
- चाहें तो लूज बैगी पैंट के साथ भी इसे पहन सकती हैं।

पनीर मलाई टिक्का

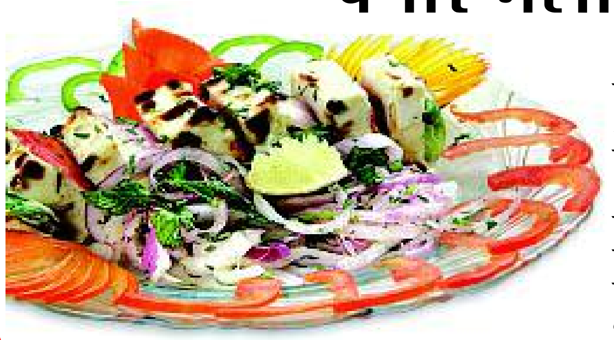

सामग्री : 8-10 पनीर के बड़े टुकड़े, 50 ग्राम काजू-चीज पेस्ट, क्रीम, नमक स्वादानुसार, 5 ग्राम अदरक, 5 ग्राम लहसुन, 5 ग्राम काला नमक, 3 ग्राम इलायची पाउडर, 3 ग्राम व्हाइट पेपर।

विधि : पनीर को टुकड़ों में काट लें। क्रीम, काजू, चीज, नमक, अदरक-लहसुन का पेस्ट, व्हाइट पेपर, काला नमक व इलायची पाउडर-इन सबको अच्छी तरह मिला लें। इस पेस्ट में पनीर को मेरिनेट करें और तंदूर में 6-7 मिनट तक सेंक लें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

पहली बार ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का किरदार निभाने जा रही हैं रश्मिका मंदाना

भारत की महान कर्नाटक शास्त्रीय गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की असाधारण जिंदगी और संगीत के सफर पर आधारित इस बहुप्रतीक्षित बायोपिक में उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा, उपलब्धियों और संगीत की अमिट विरासत को पर्दे पर उतारा जाएगा। फिल्म में रश्मिका मंदाना एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की भूमिका निभाएंगी, जबकि गौतम तिन्ननुरी निर्देशन और अनिरुद्ध रविचंदर संगीत की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी 110वीं जयंती पर चेन्नई में फिल्म का आधिकारिक लॉन्च किया गया। फिल्म में रश्मिका मंदाना एम. एस. सुब्बुलक्षमी का किदार निभाएंगी, जबकि गौतम तिन्नानुरी इसका निर्देशन करेंगे। वहीं, फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर तैयार करेंगे। फिल्म को गौतम तिन्ननूरी निर्देशित कर रहे हैं जो 'Jersey' और 'Kingdom' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कहानी में सुब्बुलक्ष्मी के जीवन के अलग-अलग दौर और उनके असाधारण संगीत करियर को दिखाने की बात सामने आई है। फिल्म की रिलीज डेट, पूरा टाइटल और स्टार कास्ट की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। शुरुआती रिपोर्टों में पहले साई पल्लवी और दूसरी एक्टर्स के नाम भी सामने आए थे, लेकिन अब रश्मिका मंदाना की कास्टिंग आधिकारिक रूप से घोषित हो चुकी है।

लॉन्च से जुड़ी सबसे बड़ी खबरों में से ये कनफर्म है कि अनिरुद्ध रविचंदर एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी बायोपिक के लिए संगीत तैयार करेंगे। तमिल और तेलुगु सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर यह संगीतकार अब भारत की सबसे प्रतिष्ठित शास्त्रीय गायिकाओं में से एक की कहानी पर आधारित फिल्म के लिए संगीत बनाने की चुनौती लेंगे। अनिरुद्ध के जुड़ने से इस प्रोजेक्ट में एक और बड़ा नाम शामिल हो गया है, जो पहली बार रश्मिका मंदाना और गौतम तिन्नानुरी को एक साथ ला रहा है। कमल हासन मुख्य अतिथि के तौर पर लॉन्च इवेंट में शामिल हुए, जिससे इस मौके की अहमियत और बढ़ गई।

रश्मिका मंदाना मशहूर गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी, जो भारत की शास्त्रीय संगीत परंपरा की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक हैं। एक्ट्रेस को चुनने को लेकर पहले ही काफी दिलचस्पी पैदा हो गई थी, क्योंकि प्रोजेक्ट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट से पहले ही इस रोल के लिए अन्य एक्टर्स के बारे में खबरें आ रही थीं। रश्मिका अब सुब्बुलक्ष्मी की पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी को पर्दे पर लाने की जिम्मेदारी संभालेंगी। इस फिल्म को पैन-इंडिया प्रोजेक्ट के तौर पर प्लान किया जा रहा है। जबकि सहायक कलाकारों, कहानी और टैकनिकल टीम के अन्य सदस्यों के बारे में और जानकारी बाद में सामने आने की उम्मीद है।

रश्मिका के लिए खास है यह रोल

रश्मिका पहली बार एक ऐसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का किरदार निभाने जा रही हैं, जिसकी पहचान मुख्य रूप से कर्नाटक शास्त्रीय संगीत से जुड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस भूमिका को अपने लिए सम्मान की बात बताया है। फिल्म का पहला लुक और आधिकारिक टाइटल भी लॉन्च के आसपास सामने आने की उम्मीद है।

अक्षय की फिल्म 'समुक' में हुई विनीत की एंट्री

अक्षय कुमार की आने वाली साइंस फिक्शन फिल्म 'समुक' इन दिनों चर्चा में है। इससे जुड़ी कई नई अपडेट के बीच अब खबर है कि एक्टर विनीत कुमार सिंह भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 'मुक्काबाज', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'छावा' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले विनीत फिल्म में एक अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। सूत्रों का कहना है कि उनका किरदार अक्षय के किरदार के साथ एक बड़े मिशन का हिस्सा होगा। दोनों के किरदारों के बीच मजबूत रिश्ता भी देखने को मिल सकता है।

कहानी और क्रिएटिविटी में टीवी, फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने टीवी इंडस्ट्री को लेकर चल रही बहस के बीच रोहित रॉय के हालिया विवादित बयान पर अपनी राय रखी है। रोहित ने अपने एक इंटरव्यू में टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' तक कह दिया था और मौजूदा टीवी कंटेंट की क्वालिटी, कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। अब चाहत खन्ना ने भी माना है कि अगर बात कहानी और क्रिएटिविटी की हो तो टीवी इस समय फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है। हालांकि, चाहत ने यह भी साफ किया कि उन्होंने रोहित का पूरा इंटरव्यू नहीं देखा है, इसलिए वह उनके पूरे बयान पर कमेंट नहीं करना चाहतीं। खास बातचीत में चाहत ने कहा, ''मैं खुद टीवी से आई हूं और इस माध्यम की बहुत इज्जत करती हूं। टीवी ने मुझे एक एक्टर के तौर पर मजबूत बनाया है। यहां एक्टर्स को लंबे समय तक लगातार शूटिंग करनी पड़ती है। कई बार 12 से 15 घंटे तक शूट करना सामान्य बात लगती है। फिल्मों में काम करने का तरीका अलग है और वहां क्रिएटिविटी को अलग तरह से ट्रीट किया जाता है। वहीं ओटीटी में भी कहानी की डिटेलिंग और क्रिएटिविटी का तरीका टीवी से काफी अलग है।''

एक्ट्रेस ने रोहित रॉय की बात के उस हिस्से से सहमति जताई, जिसमें उन्होंने टीवी के मौजूदा कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। चाहत ने कहा, ''अगर कहानी और क्रिएटिविटी की बात की जाए तो टीवी को अभी काफी आगे जाने की जरूरत है। टीवी का कंटेंट मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। दर्शक जिस तरह की कहानियां और शोज देखना चाहते हैं, मेकर्स भी उसी डिमांड के हिसाब से कंटेंट बनाते हैं। यह पूरी तरह बिजनेस का हिस्सा है। अगर किसी तरह का कंटेंट बड़ी संख्या में लोग देख रहे हैं, तो उसे बार-बार बनाए जाने के पीछे एक मार्केट डिमांड भी होती है।'' चाहत ने अपने करियर का उदाहरण देते हुए बताया, ''मुझे कई ऐसे टीवी शोज के ऑफर मिलते हैं, जिनसे मैं खुद कनेक्ट नहीं कर पाती। खासतौर पर 'नागिन' जैसे शोज, जिनसे मैं जुड़ नहीं पाती। अगर कोई एक्टर क्रिएटिव है तो उसके लिए टीवी के कुछ मौजूदा कॉन्सेप्ट से जुड़ना मुश्किल हो सकता है।''

चाहत ने आगे कहा, ''अगर मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स से जुड़ पाती तो शायद करियर के लिए चीजें और बेहतर होती। जो चीज मुझे पसंद आती है और जिससे मैं खुद जुड़ाव महसूस करती हूं, वही काम करना मेरे लिए ज्यादा जरूरी है।''

रसिका ने याद किया स्ट्रगल का दौर

ओटीटी ने दिलाई पहचान

अभिनेत्री रसिका दुग्गल हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में गई थीं। इस शो में उन्होंने करियर, स्ट्रगल, शादी और कॉलेज के दिनों के बारे में बात की। एपिसोड में नेहा धूपिया ने रसिका दुग्गल के कामों की तारीफ करते हुए कहा, 'रसिका, तुम खुद एक जॉनर बन गई हो और यह कमाल की बात है।' बातचीत में रसिका दुग्गल ने उस पल के बारे में भी बताया जब उन्हें लगा कि इंडस्ट्री में अब उनकी जगह बन गई है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें सच में कब लगा कि वह इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, तो रसिका ने उस दौर को याद किया जब उनके काम में निरंतरता आने लगी थी। रसिका दुग्गल ने कहा, 'जब से मेरे काम में निरंतरता आई, वह 2016-17 के बीच का समय था। मैं 2006 में एफटीआईआई से निकली थी, तो इसके पूरे 10 साल बाद ऐसा हुआ। बीच में भी ऐसे काम मिलते रहे, जिन्होंने मुझे हिम्मत दी और बनाए रखा लेकिन वे 2016 के बाद किए गए काम जितने चर्चित नहीं थे।'

रसिका ने इस निरंतर दौर से पहले की कुछ फिल्मों को भी याद किया, जिनमें 'किस्सा' और 'क्षय' जैसी फिल्में शामिल थीं, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री के बेहतरीन टैलेंट के साथ काम करने का मौका दिया। हालांकि, उन्होंने बताया कि 2016 के बाद के समय में बड़ा बदलाव आया, जब उन्हें लगातार कई प्रोजेक्ट मिलने लगे। उन्होंने कहा, '2016 के बाद ही 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे काम और कुछ दूसरे प्रोजेक्ट लगातार मिलने लगे और इसकी बड़ी वजह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का आना था। तब मुझे लगा कि यह किसी आंदोलन जैसा था।'

रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुर : द मूवी' है। भारतीय एक्शन क्राइम थ्रिलर फिल्म में रसिका दुग्गल बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है। यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए और बड़े कैनवस पर पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिलेंगे, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे। फिल्म में मुन्ना भैया और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिले। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। 'मिर्जापुर द मूवी,' पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुगल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में दिखेंगे।

फिल्म 'द वन' का अनोखा कॉन्सेप्ट सुनते ही तैयार हुई थीं एकता कपूर

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की अगली फिल्म 'द वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट है। इसकी कहानी बिहार की धरती से निकली है। टीवीएफ के फाउंडर अरुणाभ कुमार ने एक हालिया मीडिया इंटरव्यू में खुलासा किया है कि यह आइडिया उन्हें तब आया जब उन्होंने पटना के पास स्थित वन देवी मंदिर का दौरा किया था। स्थानीय पुजारियों और ग्रामीणों से बातचीत के दौरान उन्हें पता चला कि वन देवी मंदिर 16वीं शताब्दी में बनाया गया था। इस मंदिर के इर्द-गिर्द के जंगल को लेकर सदियों से एक अनकही मान्यता चली आ रही है कि सूर्यास्त के बाद वहां जाना वर्जित है।

अरुणाभ ने करीब दो साल पहले यह किस्सा 'पंचायत' फेम डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा को सुनाया था। दीपक को यह अनोखा कॉन्सेप्ट इतना पसंद आया कि वे इसे लेकर सीधे एकता कपूर के पास पहुंचे और एकता ने भी इसे बड़े परदे पर उतारने का मन बना लिया। निर्देशक दीपक के मुताबिक, इस फिल्म को बनाते वक्त उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती उस दुनिया को रचना था, जो आज के समय जैसी भी लगे और जंगल के रहस्यमय माहौल को भी सही तरीके से दिखा सके।'

फिल्म में हैवी एनिमेशन और विजुअल इफेक्ट्स भी दिखेंगे

कहानी को जीवंत बनाने के लिए हैवी एनिमेशन और विजुअल इफेक्ट्स का सहारा लिया गया है। फिल्म को शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अरुणाभ कुमार और नीरज कोठारी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

विक्रांत मैसी ने बताई सक्सेस की नई परिभाषा

कहा-सफलता का मतलब पैसा नहीं, अच्छा स्वास्थ

अभिनेता विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता का मानना है कि कुछ मामलों में सफलता की परिभाषा में काफी बदलाव देखने को मिले हैं। अभिनेता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि आज सफलता सिर्फ करियर या पैसे तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें अच्छी सेहत, मन की शांति और खुशहाल जिंदगी जीना भी शामिल है। विक्रांत मैसी ने कहा, '20 साल पहले हम मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात नहीं करते थे। आज इन चीजों पर खुलकर चर्चा हो रही है क्योंकि कहीं न कहीं हम सब समझ गए हैं कि सेहत ही सबसे बड़ी दौलत है।' अभिनेता ने जोर देते हुए कहा कि अगर आप स्वस्थ हैं, तो सफल हैं। उन्होंने कहा, 'भले ही आपके पास बड़ा घर न हो लेकिन अगर आप रात को चैन से सो पा रहे हैं, नींद की गोलियां नहीं लेनी पड़ रही हैं और आपके घर में बड़ों का सपोर्ट है, तो आप सफल हैं।'

अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा कि दुनिया काफी तेजी से बदल रही है, जिसका असर लोगों की सोच और सपनों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'आज सफलता का मतलब कुछ और ही है और टेक्नोलॉजी की तरह यह भी तेजी से बदलने वाला है। दुनिया जिस रफ्तार से आगे बढ़ रही है, उसका हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। आज कोई हुनर सीखते हैं, कल वही बेकार हो जाता है। दुनिया इसी स्पीड से चल रही है।' अभिनेता हाल ही में वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना के साथ नजर आए थे। यह सीरीज आधुनिक रिश्तों, भावनाओं और सपनों की खींचतान को बहुत ही सहजता से दिखाती है।

विजय स्टारर 'मटका किंग' के दूसरे सीजन की तैयारी शुरू

विजय वर्मा की वेब सीरीज 'मटका किंग' अब दूसरे सीजन के साथ वापसी करने जा रही है। विजय वर्मा ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। एक्टर ने दूसरे सीजन की पहली कड़ी की स्क्रिप्ट की तस्वीर साझा की है। इसका नाम 'एक और बाजी' रखा गया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि दूसरे सीजन का काम शुरू हो चुका है। 'मटका किंग' के दूसरे सीजन में विजय एक बार फिर बृज भट्टी के किरदार में नजर आएंगे। पहले सीजन की पूरी कहानी इसी किरदार के आसपास आगे बढ़ी थी। सीरीज में बृज भट्टी के सफर को दिखाया गया था।

संक्षिप्त समाचार

कांगो में एबोला का कहर: प्रकोप के केंद्र में स्वास्थ्यकर्मियों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू

किंशासा, एजेंसी। कांगो ने इतिहास के सबसे तेजी से फैलते एबोला प्रकोप के केंद्र बूनिया में स्वास्थ्यकर्मियों को टीके लगाना शुरू कर दिया है। यह अभियान 'इरवेबो' वैक्सीन के माध्यम से चलाया जा रहा है, ताकि जोखिम में तैनात लगभग 20,000 फ्रंटलाइन वर्कर्स की सुरक्षा की जा सके। देश में अब तक 7,541 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 3,639 लोगों की मौत हो चुकी है। वर्तमान प्रकोप 'बुंडीबुग्यो' वायरस के कारण फैल रहा है, जिसका कोई स्वीकृत इलाज नहीं है। इसलिए वैज्ञानिक अध्ययन और सुरक्षा के उद्देश्य से इरवेबो वैक्सीन का उपयोग अनुकंपा आधार पर किया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षा, हड़ताल और विस्थापन के कारण यह प्रकोप बेहद गंभीर और अनियंत्रित बना हुआ है।

ईरान में दिखा महिलाओं का साहस: बिना हिजाब 10 किमी दौड़ीं

तेहरान, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में महिलाओं के एक समूह ने देश के अनिवार्य हिजाब कानून का खुलेआम उल्लंघन करते हुए बिना हिजाब पहने 10 किलोमीटर की दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। यह साहसिक कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरानी अधिकारी पहले भी इसी तरह बिना हिजाब के दौड़ के आयोजन पर सख्त कार्रवाई कर चुके थे। यह प्रतियोगिता वेलायात पार्क में आयोजित की गई थी, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग दौड़ की व्यवस्था थी। सोशल मीडिया पर बिना हिजाब के दौड़ती महिलाओं के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इस घटना ने ईरान के सख्त हिजाब कानून की ओर दुनिया का ध्यान खींचा है।

युद्ध के बीच ईरान का शक्ति प्रदर्शन 3,13,000 लोगों ने दिखाई ताकत

तेहरान। ईरान में शुक्रवार को सरकार के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। सरकारी मीडिया के अनुसार, तेहरान में 3.13 लाख लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया, जबकि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर जनरल हसन हसांजादेह ने दावा किया कि छह लाख से अधिक लोग सीमित सैन्य प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण करा चुके हैं और प्रशिक्षण में 10 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। तेहरान में प्रदर्शनकारियों ने ईरानी झंडे लेकर मार्च किया और देश की रक्षा के लिए हथियार उठाने की तैयारी जताई। सरकार ने इस अभियान को 'जांफदाये ईरान' यानी 'ईरान के लिए जान कुर्बान करने वाले' नाम दिया है। राज्य मीडिया कई दिनों से लोगों से इसमें शामिल होने की अपील कर रहा था।

अमेरिका में धार्मिक भेदभाव का मुकदमा, त्योहारों की अनदेखी पर मिशिगन का जवाब क्या?

मिशिगन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में धर्म आधारित मुकदमे का मामला सामने आया है। डियरबॉर्न शहर ने शनिवार को एक मुकदमे का जवाब दिया। मुकदमे में शहर पर मुस्लिम त्योहारों को मनाने और अन्य धर्मों के त्योहारों की अनदेखी का आरोप है। शहर ने अपने ऊपर हो रहे हमलों का कारण अपनी विविधता और 'स्वागत योग्य स्वभाव' को बताया। यह मुकदमा गुरुवार को दायर हुआ था, जिसमें शहर और मेयर पर ईसाई व यहूदी त्योहारों की अनदेखी करते हुए मुस्लिम त्योहारों पर हजारों अमेरिकी डॉलर खर्च करने का आरोप लगा। द फेडरलिस्ट की पत्रकार मार्गोट क्लीवलैंड द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया कि डियरबॉर्न ईसाइयों और यहूदियों के लिए शत्रुतापूर्ण जगह रहा है। मुकदमे के अनुसार, मेयर अब्दुल्ला हम्मुद ने पादरी टेड बारहम से कहा था कि उनका शहर में स्वागत नहीं है। शहर ने पिछले साल रमजान बैनरों पर 1,500 अमेरिकी डॉलर और पीस पार्क में चांद के प्रतीक पर 5,000 अमेरिकी डॉलर खर्च किए थे। लेकिन शहर ने ईसाई त्योहार ईस्टर और यहूदी त्योहार पासओवर को इसी तरह नहीं मनाया। शहर ने अपने बयान में कहा कि वह सभी निवासियों की निष्पक्ष और समान रूप से सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेयर हम्मुद ने कहा कि डियरबॉर्न सभी का स्वागत करता है, चाहे उनका कोई भी धर्म हो।

ईमान मज़ारी और हादी अली की फिर गिरफ्तारी, पीओजेके ह्यूमन राइट्स काउंसिल ने जताई गहरी चिंता, उठाए सवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। मानव अधिकार अधिवक्ता इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की दोबारा गिरफ्तारी पर विवाद गहरा गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर के मानवाधिकार परिषद ने इस अचानक हुई कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने और सजा निलंबित होने के तुरंत बाद इस्लामाबाद के कोहसार पुलिस स्टेशन में दर्ज नए मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया। मानवाधिकार परिषद ने राज्य प्राधिकारियों से इस गिरफ्तारी का स्पष्ट कानूनी आधार और सार्वजनिक कारण बताने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट की जमानत के बाद फिर हुई गिरफ्तारी : मुजफ्फराबाद स्थित एचआरसी-पीओजेके ने शनिवार, 19 सितंबर 2026 को जारी बयान में इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की पुनर्गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। परिषद के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था।

हालांकि, इस न्यायिक आदेश के तुरंत बाद दोनों को इस्लामाबाद के कोहसार पुलिस स्टेशन में दर्ज एक नए मामले में फिर से हिरासत में ले लिया गया। एचआरसी-पीओजेके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर पोस्ट के जरिए संबंधित अधिकारियों से पुनर्गिरफ्तारी की परिस्थितियों और कानूनी आधार की पारदर्शी जानकारी देने की मांग की। परिषद ने कहा कि

किसी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत जांच और मुकदमा चलाने का अधिकार राज्य के पास है, लेकिन न्यायिक आदेश के तुरंत बाद हुई कार्रवाई के कारण इसके कानूनी आधार को स्पष्ट करना जरूरी है।

एंटी टेररिज्म कोर्ट में पेशी, 30 दिन की रिमांड खारिज : पुनर्गिरफ्तारी के बाद इमान मजारी और हादी अली चट्ठा को एंटी टेररिज्म कोर्ट यानी एटीसी के सामने पेश किया गया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने दोनों की 30 दिनों की फिजिकल रिमांड की मांग की। हालांकि, अदालत ने पुलिस की 30 दिन की रिमांड की मांग को स्वीकार नहीं किया। इसके बजाय दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया गया।

इस घटनाक्रम के बाद एचआरसी-पीओजेके ने न्यायिक आदेशों के सम्मान और निष्पक्ष अदालती प्रक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। परिषद ने कहा कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए।

संवैधानिक अधिकारों और निष्पक्ष सुनवाई पर जोर : मानवाधिकार परिषद ने कहा कि राज्य कानून के अनुसार किसी भी नागरिक के खिलाफ जांच और मुकदमा चला सकता है। हालांकि, गिरफ्तारी और न्यायिक प्रक्रिया के हर चरण में संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन जरूरी है। परिषद ने अधिकारियों से इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की पुनर्गिरफ्तारी की आवश्यकता और उसके कानूनी आधार को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करने का आग्रह किया। एचआरसी-पीओजेके ने कहा कि न्यायिक आदेशों का सम्मान, कानून का समान इस्तेमाल और निष्पक्ष सुनवाई आरोपों का सामना कर रहे व्यक्ति के संवैधानिक अधिकारों का हिस्सा हैं। परिषद ने दोनों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पूरी कार्रवाई को पारदर्शी रखने की मांग की है।

शौकत नवाज मीर मामले का भी दिया संदर्भ : एचआरसी-पीओजेके ने अपने बयान में शौकत नवाज मीर की कस्टडी और कानूनी स्थिति से जुड़े पहले के मामले का भी उल्लेख किया। परिषद ने कहा कि उस मामले में अलग-अलग तरह के बयान सामने आने के बाद उसने तत्काल और सत्यापन योग्य स्पष्टीकरण की मांग की थी। 30 जून 2026 को शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में सामने आई थीं। समाचार रिपोर्टों में मुजफ्फराबाद के डिप्टी कमिश्नर के हवाले से उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी गई थी।

अब परिषद ने एक बार फिर राज्य संस्थाओं से नागरिकों के अधिकारों और कानून के शासन को बनाए रखने की अपील की है। इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की दोबारा गिरफ्तारी के मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया और अदालत की कार्यवाही पर नजर बनी हुई है।

मनसुख मांडविया ने जापान में किया 'संडे ऑन साइकिल' का नेतृत्व, एशियन गेम्स के लिए खिलाड़ियों को दीं शुभकामनाएं

नागोया, एजेंसी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने जापान के नागोया में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान का मकसद सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और टिकाऊ व सक्रिय जीवनशैली के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है।

उन्होंने एशियाई खेलों के लिए भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं भी दीं। इस कार्यक्रम में भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक भी शामिल हुईं। एशियन गेम्स 2026 के बारे में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि आज जापान के नागोया में एशियन गेम्स शुरू हो गए हैं। भारत से 503 युवा खिलाड़ियों का दल एशियन गेम्स में हिस्सा लेने पहुंचा है। उनका हौसला बढ़ाने और समर्थन दिखाने के लिए, नागोया में भारतीय समुदाय ने आज एक 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम आयोजित किया। मुझे खुशी है कि हमारा दल अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और हमारा भारतीय समुदाय भी उनका हौसला बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, 'यह स्वाभाविक है कि विदेशों में रहने वाले हमारे भारतीय नागरिक हमारी ताकत हैं। भारतीय लोगों को जहां भी और जिस भी तरह की मदद की जरूरत होती है, हमारे प्रवासी हमेशा उनके साथ खड़े रहते हैं। नागोया में, हमारे भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने और उनकी सुविधा के लिए, वहां रहने वाले भारतीयों ने सभी जरूरी इंतजाम किए हैं और कई युवा वॉलंटियर के तौर पर सेवा भी दे रहे हैं।

यही भारत की असली पहचान है। साइक्लिंग इवेंट में हिस्सा लेने पर जापान में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने कहा, 'यह बहुत अच्छा अनुभव था। मुझे बहुत खुशी है कि मंत्री मांडविया ने यह शानदार पहल की है। वे जहां भी होते हैं, इसे (संडे ऑन साइकिल) करते हैं और यहां नागोया में भी उन्होंने ऐसा किया। सभी का एक साथ होना अच्छा लगा। मुझे खुशी है कि प्रवासी भारतीय इसमें शामिल हुए। ' भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने जापानी एथलीटों से मुलाकात के बाद कहा, 'मैं कुछ एथलीटों से मिली थी।

नीदरलैंड में विरोध-प्रदर्शन के दौरान हिंसा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड में प्रवासन और शरण नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों दूर-दराज दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारियों को दंगा पुलिस ने तितर-बितर किया। हिंसा के बाद स्थानीय अधिकारियों ने मार्च पर प्रतिबंध लगाया और पुलिस ने शनिवार को कई गिरफ्तारियां कीं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पटाखे और अन्य वस्तुएं फेंकीं। न्याय मंत्री डेविड वैन वील ने एक्स पर इसे 'घृणित दृश्य' बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया मांगी। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने नाजी सलाम किए, यहूदी विरोधी नारे लगाए और पुलिस पर हमला कर पटाखे फेंके। हेग नगर पालिका ने मैलीवेल्ड पार्क में हिंसा के बाद मार्च पर प्रतिबंध लगाया और भीड़ को तितर-बितर होने का आदेश दिया। यह अशांति पिछले साल हुई दक्षिणपंथी प्रदर्शन के दौरान हुए दंगों के एक साल बाद हुई। पिछले साल की झड़पों में एक पुलिस कार जलाई गई थी और केंद्रवादी डी66 पार्टी के मुख्यालय पर हमला हुआ था। डी66 के नेता रॉब जेट्टन अब प्रधानमंत्री हैं।

कैरेबियन सागर में अमेरिकी सेना का हमला, संदिग्ध ड्रग्स बोट पर स्ट्राइक में चार की मौत : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में ड्रग्स तस्करी के संदेह में एक नाव पर हमला करके चार लोगों को मार गिराया है। यह कार्रवाई लैटिन अमेरिका में तस्करों के खिलाफ अमेरिकी अभियान का हिस्सा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस अभियान के तहत अब तक 69 हमलों में कम से कम 231 लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी सेना ने दावा किया कि नाव तस्करी के रास्ते पर थी, हालांकि ड्रग्स होने का कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के अनुसार कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास जैसे देश भी साझा सैन्य अभियानों के लिए सहमत हुए हैं, हालांकि ग्वाटेमाला ने ऐसे किसी समझौते से इनकार किया है।

ईरान की शर्तों से बढ़ी हलचल: ट्रंप अचानक लौटे व्हाइट हाउस, अमेरिकी बमवर्षक पश्चिम एशिया रवाना; अब आगे क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैंप डेविड में अपना सप्ताहांत प्रवास बीच में ही खत्म कर दिया। जानकारी के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप शनिवार शाम (अमेरिकी समयानुसार) व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रंप ने रात कैंप डेविड में बिताने के बाद अपना कार्यक्रम बदलकर काम पर लौटने का फैसला किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने सात शर्तें रखी हैं और मांगें नहीं माने जाने पर 'निर्णायक युद्ध' के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है।

ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा, 'हम मध्यस्थ कतर के संपर्क में हैं। कतर ने युद्ध

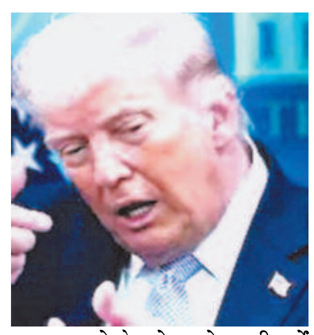

खत्म करने के उद्देश्य से हमारी शर्तें वॉशिंगटन तक पहुंचा दी हैं। हम राष्ट्रपति ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। हमारी शर्तों में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना, हमारी जब्त की गई धनराशि को जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है। इन शर्तों को स्वीकार करना वॉशिंगटन के हित में है। ट्रंप की धमकियों से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। हम निर्णायक युद्ध के लिए तैयार हैं। '

प. एशिया में बढ़ी अमेरिकी दूतावासों की सुरक्षा, नागरिकों को चेतावनी जारी : इसके बाद पश्चिम एशिया में अमेरिकी राजनयिक मिशनों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अपने नागरिकों से सतर्क रहने को कहा है। अमेरिका की ओर से जारी चेतावनी में कहा गया कि ईरान समर्थित हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ सैन्य गतिविधियों में शामिल रहे हैं। इस सैन्य संघर्ष के तेजी से बढ़ने की आशंका है। क्षेत्र से आने-जाने वाले अमेरिकी नागरिकों को हवाई अड्डों और विमान सेवाओं से जुड़ी सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है। चेतावनी में कहा गया कि मध्य पूर्व के बाहर भी अमेरिकी राजनयिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ईरान और उसके समर्थन वाले समूह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अमेरिका के हितों या अमेरिकी लोगों और संस्थानों से जुड़े स्थानों को निशाना बना सकते हैं। इनमें अमेरिकी कंपनियां और अन्य संस्थान भी शामिल हैं।

इस बीच रूस टुडे ने खबर दी कि ब्रिटेन के एक हवाई अड्डे से अमेरिकी बमवर्षक विमान पश्चिम एशिया की ओर रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी के अनुसार, उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसाका में खरब अल-जिर सैन्य अड्डे के पास वायु रक्षा गतिविधियां देखी गई हैं। पश्चिम एशिया में तनाव उस समय और बढ़ गया जब सऊदी अरब ने कहा कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए रियाद पर हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना ने दावा किया कि मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया।

यमन में सरकारी सेना-हूती विद्रोहियों के बीच भीषण जंग, 24 घंटे में 44 की मौत

साना , एजेंसी। यमन में सरकारी सेना और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। दक्षिण-पश्चिमी ताइज और लहज प्रांतों में पिछले 24 घंटों के दौरान कई मोर्चों पर हुई भीषण लड़ाई में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई।

सैन्य सूत्रों के अनुसार दोनों पक्ष रणनीतिक इलाकों पर कब्जा मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिक और हथियार तैनात कर रहे हैं। बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के पास स्थित कहबूब और ताइज के अल-कधा-अल-वाजियाह क्षेत्र इस समय सबसे बड़े युद्धक्षेत्र बने हुए हैं, जहां लगातार हमले और जवाबी कार्रवाई जारी है।

ताइज और लहज में कई मोर्चों पर जारी है भीषण लड़ाई : सरकारी सेना के एक वरिष्ठ सैन्य सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि दक्षिण-पश्चिमी यमन के ताइज और

लहज प्रांतों में कई मोर्चों पर लगातार लड़ाई जारी है। दोनों पक्ष रणनीतिक इलाकों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिक और हथियार भेज रहे हैं। सूत्र के मुताबिक, ताइज प्रांत के अल-कधा और अल-वाजियाह क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों के दौरान हूती विद्रोहियों ने कई बार सरकारी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन सेना ने सभी हमलों को विफल कर दिया। इन झड़पों में सरकारी सेना के छह जवान और हूती समूह के 11 लड़ाके मारे गए। हूती के कई हमले विफल करने का दावा किया सरकारी सूत्र ने दावा किया कि हूती विद्रोहियों ने बड़ी संख्या में अतिरिक्त लड़ाके भेजकर कई जगहों पर रक्षा पंक्ति तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। वहीं लहज प्रांत के कहबूब पर्वतीय क्षेत्र में भी दोनों पक्षों के बीच भीषण लड़ाई जारी है। यह इलाका बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित रणनीतिक ऊंचाई वाला क्षेत्र माना जाता है। एक अन्य सरकारी सैन्य अधिकारी ने बताया कि कहबूब मोर्चे पर पिछले 24 घंटों में सरकारी सेना के 12 जवान मारे गए। दूसरी ओर, हूती समूह के एक सैन्य सूत्र ने दावा किया कि इसी अवधि में कहबूब क्षेत्र में हुई लड़ाई में 15 हूती लड़ाके, जिनमें एक कमांडर भी शामिल है, मारे गए। हालिया संघर्ष ऐसे समय में तेज हुआ है, जब इस महीने की शुरुआत में हूती विद्रोहियों ने यमन के दक्षिण-पश्चिमी लाल सागर तट पर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी। हूती समूह ने 10 सितंबर को रणनीतिक बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा किया और इसके अगले दिन 11 सितंबर को बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के बीच स्थित मय्यून (पेरिम) द्वीप पर भी नियंत्रण कर लिया।

स्पेस फोर्स के बाद अब एआई फोर्स की तैयारी, ट्रंप का बड़ा एलान, बोले- यह अगली औद्योगिक क्रांति

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह 'एआई फोर्स' बनाने की तैयारी कर रहे हैं और जल्द ही एक 'एआई सीजर' की नियुक्ति की घोषणा करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र को 'खत्म या नष्ट' होने देने के लिए चुपचाप नहीं बैठेंगे। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका इस महत्वपूर्ण उद्योग के विकास को किसी भी तरह बाधित या रोकने का काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'हम किसी भी तरह इस अविश्वसनीय उद्योग के विकास में बाधा नहीं डालेंगे या उसे दबाएंगे नहीं। इसके बजाय, हम इसे महत्व देंगे, इसकी मदद करेंगे और इसके बढ़ने के साथ इस पर नजर रखेंगे। हालांकि, हम बुरे कामों पर भी नजर रखेंगे और मौजूदा आपराधिक और दीवानी न्याय व्यवस्था के जरिये ऐसा आसानी से कर सकते हैं। ' डोनाल्ड ट्रंप ने 2019 में अमेरिकी दबदबे को अंतरिक्ष में बढ़ाने के लिए स्पेस फोर्स का गठन किया था। वहीं, हाल ही में अमेरिका ने पहली बार स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि उसके पास अंतरिक्ष की कक्षा में तैनात ऐसे हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल शत्रु की कार्रवाई का मुकाबला करने के साथ-साथ आक्रामक और रक्षात्मक दोनों अभियानों में किया जा सकता है। यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका, चीन और रूस के बीच अंतरिक्ष में सैन्य वर्चस्व की होड़ तेज हो रही है। ट्रंप ने एआई को अगली औद्योगिक क्रांति या इंटरनेट जैसा बताया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत तक योगदान दे सकती है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में एआई के 'नष्ट होने' को डेमोक्रेट्स की ओर से फैलाए जा रहे 'कई झूठे दावों' में से एक बताया।

उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक तापमान बढ़ने के मुद्दे को भी ऐसे ही दावों की सूची में शामिल किया और कहा कि इनसे अमेरिका को 'नुकसान' पहुंच रहा है। हालांकि, ट्रंप ने प्रस्तावित 'एआई फोर्स' की संरचना या 'एआई सीजर' की जिम्मेदारियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को अलर्ट भेजा:ट्रम्प छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी। मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका ने इलाके में मौजूद अपने दूतावासों और नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्क रहने को कहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपना कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रम्प की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने नहीं बताई है। वहीं, रशिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बी-1बी लांसर बॉम्बर ने ब्रिटेन के ङ्गह्र फेयरफोर्ड एयरबेस से फुल आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है।

9 देशों में अमेरिकी नागरिकों को सावधानी की सलाह : अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी

गई है। अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे फ्लाइट और एयरपोर्ट से जुड़ी ताजा जानकारी देखते रहें।

ईरान ने जंग खत्म करने के लिए 7 शर्तें रखीं : ईरान ने चल रही जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने 7 शर्तें रखी हैं। ईरान ने कहा है कि अगर अमेरिका ने उसकी मांगें नहीं मानीं तो वह जंग जारी रखने के लिए तैयार है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा कि कतर ने मध्यस्थ के तौर पर ईरान की शर्तें अमेरिका तक पहुंचा दी हैं। अब ईरान ट्रम्प के जवाब का इंतजार कर रहा है। रेजाई के मुताबिक, ईरान की मांगों में सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, विदेशों में फ्रीज किए गए ईरानी फंड जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है।

सऊदी बोला- हूतियों ने रियाद पर मिसाइल हमले की कोशिश की : सऊदी अरब ने कहा कि हूतियों ने उसकी राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना के मुताबिक, उसने मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि संगठन ने सऊदी अरब पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन भी भेजे। उनके मुताबिक, रियाद और सऊदी तेल कंपनी अरामको की यानबू स्थित सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद सऊदी अरब और हूतियों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

ईरान की नोबेल विजेता बोलीं- जंग और दमन की कीमत लोग चुका रहे : ईरान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी ने कहा है कि देश में चल रही जंग, आर्थिक संकट और सरकारी दमन का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने ङ्क से बातचीत में कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। मोहम्मदी ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में समाज में सरकारी दमन और बढ़ा है। आर्थिक दबाव के साथ लोगों पर बढ़ती पाबंदियों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। मोहम्मदी ने कहा कि इसके बावजूद कई ईरानी अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने खास तौर पर युवा पीढ़ी का जिक्र किया, जो अपने अधिकारों को समझती है और विरोध करने से पीछे नहीं हट रही। नर्गिस मोहम्मदी कई सालों से मानवाधिकारों के लिए आवाज उठाती रही हैं और कई बार जेल जा चुकी हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)